THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 303 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.11 2081 शनिवार, 25 जनवरी-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हाईकोर्ट बोला-हम दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र नहीं बुला सकते

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भाजपा विधायकों की उस याचिका को खारिज किया, जिसमें दिल्ली विधानसभा में कैग की रिपोर्ट पेश करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के निर्देश देने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा, 'संविधान के तहत कैग की रिपोर्ट पेश करना अनिवार्य है, लेकिन अदालतें विधानसभा की बैठक बुलाने के लिए हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं।' बेंच ने कहा-कोर्ट भाजपा विधायकों की याचिका स्वीकार करने का इच्छुक नहीं है। स्पीकर को सदन बुलाने का निर्देश नहीं दे सकते।

सेना की हथियार फैक्ट्री में धमाका, 8 मौतें

भंडारा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भंडारा में सेना की हथियार फैक्ट्री में शुक्रवार सुबह 10:30 बजे धमाका हुआ। हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, 7 गंभीर घायल हैं। भंडारा कलेक्टर संजय कोलते ने बताया कि धमाके से फैक्ट्री की छत गिर गई, जिसमें 13 से 14 लोगों के फंसे होने की आशंका है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। धमाके के बाद लोहे और पत्थर के टुकड़े दूर-दूर बिखरे हुए दिखाई दिए। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विस्फोट जवाहर नगर इलाके में स्थित फैक्ट्री के एलटीपी (लॉन्ग टर्म प्लानिंग) सेक्शन में हुआ। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री और नागपुर के सांसद नितिन गडकरी ने भी हादसे में गिरी छत के नीचे 13-14 लोगों के फंसे होने की जानकारी दी।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा

10 विपक्षी सांसद दिनभर के लिए समिति की सदस्यता से निलंबित

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक पर संसदीय समिति की बैठक शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। हंगामा थमता न देख समिति के 10 सांसदों को पूरे दिन के लिए कमेटी की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया। इससे पहले बैठक के दौरान विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें मसौदा कानून में प्रस्तावित बदलावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। आज भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी कश्मीर के मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के विचार सुनने वाली थी।

सभी 10 विपक्षी सांसद दिनभर के लिए निलंबित

बैठक में हुए हंगामे के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से सभी 10 विपक्षी सांसदों को दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित विपक्षी सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नासिर हुसैन, मोहिबुल्लाह, एम अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीमुल हक, इमरान मसूद

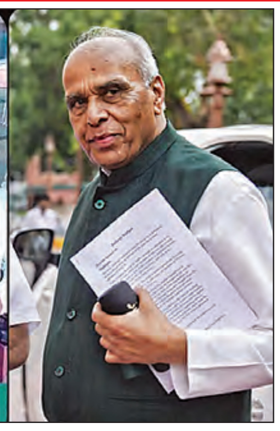

शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। इसे समिति ने स्वीकार कर लिया। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों का आचरण शर्मनाक था, क्योंकि वे बैठक के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों ने आपस में चर्चा की और इसी दौरान विपक्षी नेताओं के साथ बैठक में हंगामा हो गया। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को जल्द स्वीकार करने पर जोर दे रही है। बैठक के दौरान तीखी बहस के कारण कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। मीरवाइज के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल समिति की बैठक फिर से शुरू होने के बाद उसके सामने पेश हुआ।

आरोप-प्रत्यारोप का दौर

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन बैठक से बाहर निकल आए। उन्होंने कहा कि समिति की कार्यवाही तमाशा बन गई है। उन्होंने मांग की कि प्रस्तावित संशोधनों पर खंडवार विचार करने के लिए 27 जनवरी को होने वाली बैठक को 30 जनवरी या 31 जनवरी तक के लिए टाल दिया जाए। निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों की आलोचना करते हुए कहा कि उनका आचरण संसदीय परंपरा के खिलाफ है और वे बहुमत की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने कहा कि बैठक में अघोषित आपातकाल जैसा माहौल चल रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने शरद पवार को घेरा

अपने समय में सहकारिता के लिए कुछ नहीं किया

नासिक, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सहकारिता सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनसीपी (शरद) के प्रमुख शरद पवार पर हमला बोला। अमित शाह ने कहा कि शरद पवार जब कृषि मंत्री थे तो उन्होंने सहकारी क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया। नासिक में सहकारिता सम्मेलन में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब विज्ञान सहकारी क्षेत्र का हिस्सा होता है तो कृषि लाभदायक हो जाती है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय ने जैविक फसल पैदा करने वाले किसानों की मार्केटिंग और पैकेजिंग के लिए भारत ऑर्गेनिक कोऑपरेटिव लिमिटेड की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि किसानों की उपज को प्रमाण पत्र देने और बाजारों में बेचने के बाद पैसा सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। पीएम मोदी ने आजादी के 75 साल बाद इस मंत्रालय की स्थापना की है जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी।

राजौरी में रहस्यमयी मौतों की वजह सामने आई

जम्मू, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 17 लोगों की रहस्यमयी मौत का कारण सामने आ गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार बताया कि जहरीली धातु कैडमियम की वजह से ये मौतें हुई हैं।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी, लखनऊ की रिपोर्ट में इसका पता चला था। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि कैडमियम उन तक कैसे पहुंचा। मामले की जांच अभी जारी है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी साफ किया की कि सैंपल में किसी अन्य वायरस, बैक्टीरिया या संक्रमण का कोई सबूत नहीं मिला है।

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी महाकुंभ में महामंडलेश्वर बनीं

संगम तट पर पिंडदान किया, अब ममता नंद गिरि कहलाएंगी-किन्नर अखाड़े ने पदवी दी

प्रयागराज, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बन गई हैं। उन्होंने शुक्रवार को प्रयागराज में संगम तट पर पिंडदान किया। अब वह **यामाई ममतानंद गिरि** कहलाएंगी। 53 साल की ममता आज सुबह ही महाकुंभ में किन्नर अखाड़ा पहुंची थीं। उन्होंने किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक महामंडलेश्वर बनने को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद किन्नर अखाड़ा ने उन्हें महामंडलेश्वर की पदवी देने का ऐलान किया। इसके बाद महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ममता को लेकर अखिल भारतीय अखाड़े के अध्यक्ष रविंद्र पुरी के पास पहुंचीं। ममता और पुरी के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। इस दौरान किन्नर अखाड़े के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। फिर उनके महामंडलेश्वर बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई। ममता साध्वी के रूप में महाकुंभ में शामिल हुईं। वह भगवा कपड़े पहनी दिखीं।

'दो दिनों में कई मुद्दों पर चर्चाएं'

> अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोले राजीव कुमार

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जिसका शीर्षक वैश्विक चुनाव वर्ष 2024 रखा गया, को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि इन दो दिनों में खूब चर्चाएं हुईं। टेक्नोलॉजी को लेकर चर्चाएं की गईं। राजीव कुमार ने कहा कि चुनाव प्रबंधन निकायों ने एक कार्य समूह गठित करने का फैसला किया, जिससे वे ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से लाइव आधार पर चुनौतियों पर चर्चा कर सकें। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव

कुमार ने कहा, 'इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कई प्रतिभागी शामिल थे। इन दो दिनों में अवसर, चुनौतियों, चुनाव प्रबंधन निकायों को दुनिया भर में निष्पक्ष और संचार मुक्त चुनाव कैसे कराने चाहिए, जैसे कई मुद्दों पर चर्चाएं हुईं। टेक्नोलॉजी को लेकर काफी चर्चाएं हुईं। सोशल मीडिया, एआई और साइबर सुरक्षा को लेकर अवसर भी हैं और चुनौतियां भी।' उन्होंने आगे कहा, 'इन सब पर चर्चा होने के बाद एक दिल्ली घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए। यहां सभी चुनाव प्रबंधन निकायों ने एक कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया, जिससे वे ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से लाइव आधार पर चुनौतियों पर चर्चा कर सकें।' इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स के अध्यक्ष और सीईओ एंथनी बैनबरी ने भी दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण और सफल सम्मेलन था। चुनावों और चुनौतियों के बारे में बात करें तो आज के जमाने में चुनाव प्रबंधन निकाय इनका सामना कर रहे हैं। टेक्नोलॉजी, सोशल मीडिया, गलत सूचना, दुष्प्रचार के प्रभाव के बारे में भी बात की गई। हम उन अवसरों के बारे में भी बात कर रहे हैं जो नई टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ला सकती है।

श्रद्धानंद मामले में केंद्र का जवाब-वे दया याचिका पर राष्ट्रपति को निर्देश देने की मांग कर रहे

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पत्नी की हत्या मामले में सजा काट रहे स्वामी श्रद्धानंद उर्फ मुरली मनोहर मिश्रा की दया याचिका को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी। केंद्र ने कहा कि पत्नी की हत्या के आरोप में 30 साल से जेल की सजा काट रहे श्रद्धानंद की दया याचिका में राष्ट्रपति को निर्णय करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 84 वर्षीय श्रद्धानंद उर्फ मुरली मनोहर मिश्रा की दया याचिका पर सुनवाई की। मामले में केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने याचिका पर निर्देश प्राप्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि याचिका में राष्ट्रपति को निर्णय करने का निर्देश देने की मांग की गई है। क्या ऐसी याचिका पर विचार किया जा सकता है? कृपया याचिका पर गौर किया जाए। इस पर पीठ ने कहा कि श्रद्धानंद को अदालत को धन्यवाद देना चाहिए कि उस बार आप बच गए। अब पीठ ने सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी। श्रद्धानंद के वकील वरुण ठाकुर ने कहा कि याचिकाकर्ता 30 साल से अधिक समय से जेल में है और बीमारियों से पीड़ित है।जुलाई 2008 में सर्वोच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने श्रद्धानंद की मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया और निर्देश दिया कि उसे उसके जीवनकाल में जेल से रिहा नहीं किया जाएगा।

पिछले साल अक्तूबर में सुप्रीम कोर्ट ने श्रद्धानंद की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। इसमें उन्होंने शीर्ष अदालत के उस फैसले की समीक्षा की मांग की थी जिसमें उन्हें जीवनभर जेल से रिहा न करने का निर्देश दिया गया था। श्रद्धानंद ने सुप्रीम कोर्ट के तीन न्यायाधीशों की पीठ से जुलाई 2008 के फैसले की समीक्षा की मांग की थी। श्रद्धानंद की पत्नी शाकेरेह मैसूर रियासत के पूर्व दीवान सर मिर्जा इस्माइल की पोती थीं।

राजनाथ सिंह ने संजय बैटरफील्ड सर्विलांस सिस्टम को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक से एसएएनजेएवाई बैटरफील्ड सर्विलांस सिस्टम (बीएसएस) को हरी झंडी दिखाई। एसएएनजेएवाई एक स्वचालित प्रणाली है जो सभी जमीनी और हवाई युद्धक्षेत्र सेंसरों से इनपुट को एकीकृत करेगा। यह युद्धक्षेत्र की पारदर्शिता को बढ़ाएगा और एक केंद्रीकृत वेब एप्लिकेशन के माध्यम से भविष्य के युद्धक्षेत्र को बदल देगा। यह सेना मुख्यालय और भारतीय सेना निर्णय समर्थन प्रणाली को इनपुट प्रदान करेगा।

बीएसएस अत्याधुनिक सेंसर और एनालिटिक्स से लैस है। यह विशाल भूमि सीमाओं की निगरानी करेगा, घुसपैठ को रोकेगा, खुफिया और निगरानी में शक्ति बढ़ाएगा। यह कमाडरों को नेटवर्क केंद्रित वातावरण में पारंपरिक और उप-पारंपरिक दोनों अभियानों में काम करने में सक्षम बनाएगा। रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय सेना में इसका शामिल होना डेटा और नेटवर्क की दिशा में एक असाधारण छलांग है।

एसएएनजेएवाई को भारतीय सेना और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा स्वदेशी और संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। यह भारतीय सेना के ईयर ऑफ टेक्नोलॉजी एब्जॉप्शन में आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रहा है।

इन प्रणालियों को मार्च से अक्तूबर 2025 तक तीन चरणों में भारतीय सेना के सभी ऑपरेशनल ब्रिगेड, डिवीजनों और कोर में शामिल किया जाएगा। विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्रणाली को 2,402 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। इस कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और रक्षा मंत्रालय और बीईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

'गोवा के सीएम की पत्नी के खिलाफ नहीं बोलेंगे'

पणजी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने शुक्रवार को गोवा की एक कोर्ट से कहा कि वह मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की पत्नी सुलक्षणा सावंत की तरफ से राज्यसभा सांसद के खिलाफ दायर मानहानि मामले के संबंध में उनके खिलाफ कोई बयान नहीं देंगे। मामले में सुलक्षणा सावंत के वकील प्रहलाद परांजपे ने कहा, जब मामला बिचोलिम कोर्ट में सुनवाई के लिए आया, तो प्रतिवादी ने याचिकाकर्ता की तरफ से दायर निषेधाज्ञा का जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। संजय सिंह ने याचिकाकर्ता के खिलाफ नहीं बोलने के बारे में 10 जनवरी को पिछली सुनवाई में कोर्ट में दिए गए बयान को भी आगे बढ़ाया। संजय सिंह के वकील सुरेल तिलवे ने कहा कि उनके मुवक्किल आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में व्यस्त होने के कारण जवाब दाखिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि अगली सुनवाई के दौरान जवाब दाखिल किया जाएगा। वकील प्रहलाद परांजपे ने बताया कि कोर्ट ने मामले की सुनवाई सात फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी है।

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले में महिलाओं द्वारा गंगा आरती करने का विहंगम दृश्य।

'टैरिफ के मुद्दे पर भारत अमेरिकी प्रशासन के संपर्क में'

> अवैध आव्रजन पर भी विदेश मंत्रालय ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कई देशों को दी गई टैरिफ लगाने की धमकी पर भारत के विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने हमेशा से रचनात्मक तरीके से मुद्दों को हल किया है। जो दोनों देशों के हित में रहा है। इस मुद्दे पर भारत अमेरिकी प्रशासन के संपर्क में हैं। वहीं अवैध आव्रजन पर भी विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है। टैरिफ के मुद्दे पर प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-अमेरिका के संबंध बहुत मजबूत, बहुआयामी हैं। वहीं आर्थिक संबंध बहुत खास हैं। हमने व्यापार से संबंधित किसी भी मामले पर चर्चा करने के लिए अमेरिका और भारत के बीच तंत्र स्थापित किए हैं। इस मुद्दे पर भी हम नजर रख रहे

हैं। उन्होंने कहा कि हम लगातार संबंधित देशों से वीजा जारी करने में देरी का मुद्दा उठाते रहे हैं। अगर वीजा आसानी से जारी किए जाएं तो दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी और आर्थिक संबंध बेहतर होंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ इस मामले को उठाया है। अवैध आव्रजन को लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अवैध आव्रजन के खिलाफ हैं। यह संगठित अपराध के कई रूपों से जुड़ा हुआ है। अमेरिका ही नहीं बल्कि दुनिया में कहीं भी भारतीय नागरिक तय समय से ज़्यादा समय तक रह रहे हैं या वे उचित दस्तावेजों के बिना किसी विशेष देश में हैं, तो हम उन्हें वापस ले लेंगे, बशर्ते संबंधित देश हमारे साथ दस्तावेज साझा करें। ताकि हम उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि कर सकें और यह सुनिश्चित कर सकें कि वे वास्तव में भारतीय हैं। अगर ऐसा होता है तो हम मामले को आगे बढ़ाएंगे और उन्हें भारत वापस लाने में मदद करेंगे। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने कई रिपोर्ट देखी हैं कि किस तरह कई हॉल में फिल्म इमरजेंसी को बाधित किया जा रहा है। हम लगातार भारत विरोधी तत्वों के हिंसक विरोध और धमकी की घटनाओं के बारे में यूके सरकार से चिंता जताते हैं।

'लगता है पीएम ने रुपये का शतक बनाने का बना लिया है मन'

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के गिरते मूल्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 10 वर्षों में रुपये में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है और ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने इसे शतक बनाने का मन बना लिया है। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि उन्होंने यह इसलिए कहा है क्योंकि उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि रुपये में कितनी गिरावट आई है और इसके साथ ही प्रधानमंत्री की गरिमा भी गिर गई है।

उन्होंने कहा, 'यह प्रधानमंत्री मोदी ही थे जिन्होंने कहा था कि रुपये के गिरने के साथ ही प्रधानमंत्री की गरिमा और उनके पद की गरिमा भी गिरती है। मुझे आश्चर्य है कि अब प्रधानमंत्री मोदी क्या कहेंगे।'

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न : सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आईसीसी सदस्यों की नौकरी की सुरक्षा की याचिका 'महत्वपूर्ण'

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के लिए आंतरिक शिकायत समितियों के सदस्यों की नौकरी की सुरक्षा के लिए दायर याचिका को 'महत्वपूर्ण' बताया और भारत के महाधिवक्ता से सहायता मांगी। मामले में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को नोटिस जारी करने के बावजूद न तो कोई पेश हुआ और न ही कोई जवाब दाखिल किया गया।

हम इसकी जांच करना चाहेंगे- सुप्रीम कोर्ट पीठ

पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसे इस मामले में उठाया गया है। हम इसकी जांच करना चाहेंगे। आप इसकी प्रति महाधिवक्ता को दें। अगर अगली तारीख पर कोई पेश नहीं होता है, तो हम एक न्यायमित्र नियुक्त करेंगे।' याचिकाकर्ता आईसीसी समिति की पूर्व सदस्य जानकी चौधरी और पूर्व पत्रकार ओल्गा टेलिस हैं।

पीठ ने अगले हफ्ते के लिए तय की सुनवाई

मामले में पीठ ने सुनवाई अगले सप्ताह तय की। 6 दिसंबर को शीर्ष अदालत ने याचिका की जांच करने पर सहमति जताते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को नोटिस जारी किया। जनहित याचिका में निजी कार्यस्थलों पर कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पीओएसएच अधिनियम) के तहत गठित आंतरिक शिकायत समितियों (आईसीसी) के सदस्यों के लिए कार्यकाल की सुरक्षा और प्रतिशोध से सुरक्षा की मांग की गई है। अधिवक्ता मुनव्वर नसीम के माध्यम से दायर याचिका में दावा किया गया है कि निजी क्षेत्र में महिला आईसीसी सदस्यों को उसी स्तर की सुरक्षा और कार्यकाल की सुरक्षा का अधिकार नहीं है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के आईसीसी सदस्यों को प्राप्त है। जनहित याचिका में कहा गया है कि आईसीसी सदस्यों को कंपनी के पेरोल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों का निपटारा करने का काम सौंपा गया है, लेकिन अगर कोई निर्णय निजी कार्यस्थल के वरिष्ठ प्रबंधन के खिलाफ जाता है, तो उन्हें बिना कोई कारण बताए सेवा से (3 महीने के वेतन के साथ) बर्खास्त किया जा सकता है।

'संभल में तोड़फोड़ मामले में अवमानना याचिका पर सुनवाई एक हफ्ते बाद'

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह संभल में अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांग वाली याचिका पर एक सप्ताह बाद सुनवाई करेगा। बता दें कि यह मामला इस वजह से उठाया गया था, क्योंकि बीते दिनों संभल हुई तोड़फोड़ के आरोपियों पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने संपत्तियों को ध्वस्त किया था। इसके विरोध में याचिकाकर्ता ने इसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन बताते हुए सर्वोच्च न्यायल का दरवाजा खटखटाया था।

2.20 करोड़ लोगों का मुफ्त इलाज पंजाब में खुले 881 आम आदमी क्लिनिक

चंडीगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सरकार के नेतृत्व में लगातार नए आयाम रचे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पिछले दिनों नए आम आदमी क्लीनिकों को जनता को समर्पित किए हैं। राज्य में आम आदमी क्लीनिक की संख्या 881 पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा आम आदमी क्लीनिकों में अभी तक 80 लाख से अधिक टैस्ट मुफ्त में किए गए हैं। यह आंकड़ा कम नहीं हैं। 2.20 करोड़ लोगों ने आम आदमी क्लीनिक में इलाज करवाया है। जहां पर 80 प्रकार की दवाएं और 38 प्रकार के टैस्ट फ्री में किए जाते हैं। इस प्रकार से पंजाब सरकार ने आम आदमी क्लीनिक के जरिए लोगों की स्वास्थ्य क्षेत्र में 1050 करोड़ रुपए की बचत करने में योगदान दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा पंजाब सरकार केवल क्लीनिक खोल ही नहीं रही है बल्कि इस बात का भी पूरा ख्याल रख रही है कि यहां पर लोगों को दवाएं मिलती रहे, जिसके लिए विशेष अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा किइसके लिए चीफ मेडिकल आफिसर (सीएमओ) व सीनियर मेडिकल आफिसर (एसएमओ) को स्थानीय स्तर पर दवाइयों की खरीद के लिए अधिकृत किया गया है। दवाइयों की खरीद और सप्लाई चेन के केंद्रीकरण को मजबूत किया गया है।

जिद ने ले ली पुलिसकर्मी की पत्नी की जान, पति ने मना किया तो पांचवीं मंजिल से लगा दी छलांग

ग्वालियर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया। मायके जाने से पति ने मना किया तो पत्नी इतनी नाराज हो गई कि उसने अपने घर की छत से छलांग लगा दी। छलांग लगाने के बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ऊंचाई से गिरने के कारण उसके शरीर पर काफी गंभीर चोट आई थी। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस ने पति के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला बयान देने की हालत में नहीं थी। जानकारी के अनुसार ग्वालियर की बहोड़ापुर थाना पुलिस को गुरवार को सागर ताल के पास स्थित मल्टी में रहने वाली आरती राठौर पत्नी दिलीप राठौर नाम की महिला जयारोग्य अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर बहोड़ापुर थाना प्रभारी ने थाने में पदस्थ एसआई रामचंद्र शर्मा को मामले की जांच के लिए मौके पर भेजा।

उत्तरकाशी में सुबह-सुबह दो बार महसूस किए गए भूकंप के झटके वरुणावत पर्वत से गिरा मलबा

उत्तरकाशी, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तरकाशी और आसपास के कई इलाकों में शुक्रवार को दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। दहशत के चलते लोग घरों से बाहर निकल आए। लोगों में भय का माहौल है। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से सभी तहसीलों से जानकारी जुटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि पहले सुबह करीब 7 बजकर 42 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस हुए। भूकंप के कारण वरुणावत पर्वत के भूस्खलन जोन से मलबा और पत्थर गिरे। इसके बाद दोबारा 8 बजकर 19 मिनट पर फिर झटके महसूस हुए, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.5 रही। भूकंप का केंद्र जमीन से पांच किमी नीचे उत्तरकाशी में था। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने अधिकारियों को जिले की सभी तहसील क्षेत्रों में भूकंप के असर के बारे में सूचना जुटाने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल जिले में कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

चावल के लिए बेटे ने कर दी मां की हत्या, उसी हथियार से खुद का भी काट लिया गला;

मयूरभंज, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां बारिपदा सदर थाना क्षेत्र के सरतचंद्रपुर गांव में चावल के बंटवारे को लेकर एक महिला की हत्या कर दी गई। महिला की हत्या उसके ही बेटे ने की है। ये विवाद राशन कार्ड के द्वारा मिलने वाले चावल के बंटवारे को लेकर हुआ था। मृतक महिला का नाम रायबारी सिंह था, जिसकी उसके ही बेटे रोहितास सिंह ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। इस हमले में रायबारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हनुमान बेनीवाल ने दिल्ली चुनाव को लेकर खोले पत्ते

'बीजेपी कभी भी जाटों के लिए केजरीवाल जैसा काम नहीं कर सकती'

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आरएलपीने अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को समर्थन दिया है। इसको लेकर रालोप चीफ हनुमान बेनीवाल का बयान भी आ गया है। उन्होंने दिल्ली में बीजेपी पर शिकंजा कसते हुए कहा, आप किसानों के लिए, जाटों के लिए और आम आदमी के लिए जो लड़ाई लड़ रहे हैं और जो काम कर रहे हैं, बीजेपी जाटों के लिए ऐसा काम कभी नहीं कर सकती। हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, दिल्ली में कांग्रेस, बीजेपी की गोद में जाकर बैठ गई है। जैसे राजस्थान के उपचुनाव में बैठ गई थी। ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग किया जा रहा है।

'आप नहीं जीती, तो लोकतंत्र पर खतरा'- हनुमान बेनीवाल

इतना ही नहीं, अरविंद केजरीवाल की तारीफ करते हुए हनुमान बेनीवाल ने कहा कि अगर दिल्ली में आप सरकार नहीं बनती है, तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा, लोग अरविंद केजरीवाल की नीतियों से प्रभावित हैं। हम जाट समाज को दिल्ली में आरक्षण दिलाएंगे। पहले भी आपके लिए लड़े थे आगे भी लड़ेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने हनुमान बेनीवाल को दिया धन्यवाद

रालोप के आप को समर्थन पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, आज हनुमान बेनीवाल मुझसे मिलने आए। वे पहले ही दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का ऐलान कर चुके हैं। वे आज मेरे आवास पर आए, मैं उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। आम आदमी पार्टी ईमानदारी और सच्चाई के साथ खड़ी है। उन्होंने हमें अपना समर्थन इसलिए दिया क्योंकि हम ईमानदारी और सच्चाई के साथ खड़े हैं। जानकारी के लिए बता दें हनुमान बेनीवाल की रालोप राजस्थान की स्थानीय पार्टी है। राजस्थान में हनुमान बेनीवाल ने इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस के साथ मिल कर लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ा था। लोकसभा में नागौर सीट जीत कर हनुमान बेनीवाल सासंद बन गए, लेकिन खींवसर विधानसभा उपचुनाव में उनकी पत्नी कनिका बेनीवाल बीजेपी के रेवंत राम डांगा से हार गई थीं। ऐसे में राजस्थान के विधानसभा में रालोप का कोई विधायक नहीं है।

अरविंद केजरीवाल से पंजाब पुलिस ने क्यों हटाई अपनी सुरक्षा?

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अरविंद केजरीवाल को एमएचए की तरफ से जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली थी लेकिन, केजरीवाल के थ्रेट परसेप्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी है। जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा में करीब 55 से 60 जवान प्रोटेक्टी की 24 घंटे सुरक्षा करते हैं। अरविंद केजरीवाल को पंजाब सरकार ने भी पंजाब पुलिस की सुरक्षा मुहैया कराई थी। लेकिन, अब अरविंद केजरीवाल से पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटा ली गई है। दरअसल, ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि,अरविंद केजरीवाल के पास पहले से ही दिल्ली पुलिस की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मौजूद है। बावजूद इसके अगर जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिले हुए प्रोटेक्टी को कोई अन्य राज्य सरकार सुरक्षा मुहैया कराती है तो उस राज्य की पुलिस की सुरक्षा में 72 घंटे तक ही प्रोटेक्टी के पास रहती है और 72 घंटे बाद वह स्वयं वापस हो जाती है, ऐसा एमएचए का नियम है। ऐसे में कोई भी व्यक्ति अगर बाहरी राज्य की पुलिस की सुरक्षा अपने लिए लेता है तो उसके एवज में उसे इसका भुगतान करना पड़ता है।

पुलिस के जवानों को बुलाया वापस

पंजाब पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात अपने जवानों को वापस बुला लिया है। राज्य के पुलिस प्रमुख ने इसके बारे में जानकारी दी थी। पुलिस महानिदेश (डीजीपी) गौरव यादव ने पटियाला में बताया कि समय-समय पर हमें मुख्यमंत्री भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल को धमकियों की रिपोर्ट मिलती है और हम उन्हें संबंधित एजेंसियों के साथ जानकारी को शेयर करते हैं। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि दिल्ली पुलिस और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए उन्होंने केजरीवाल जी की सुरक्षा से पंजाब पुलिस के जवानों को हटा लिया है। इस तरह का बदलाव पांच फरवरी को 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव से पहले हुआ है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

अमानतुल्लाह खान के बेटे की गुंडागर्दी

पुलिस ने रोका तो दिखाई धौंस; बुलेट बाइक सीज

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के बेटे की गुंडागर्दी का एक और मामला सामने आया है। यहां दिल्ली पुलिस ने उसकी गाड़ी का चालान भी किया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान दो लड़के बाइक पर मॉडिफायर साइलेंसर से तेज आवाज निकाल रहे थे। इस दौरान वह बाइक को टेढ़े-मेढ़े तरीके से चला रहे थे। जब इस पर पुलिस ने रोका तो उनमें से एक ने बदसलूकी करते हुए कहा कि वह आप विधायक अमानतुल्लाह खान का बेटा है। उसने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि बाइक को इसलिए रोका गया क्योंकि इसपर आम आदमी पार्टी का चिन्ह है। पुलिस ने जब उनसे लाइसेंस और आरसी मांगी तो वह बाइक छोड़कर वहां से बिना अपना नाम-पता बताए चले गए।

तेज आवाज निकालकर चला रहे थे बुलेट

दरअसल, दिल्ली पुलिस की गश्त के दौरान बुलेट पर दो लड़के आते हुए दिखाई दिए। दोनों लड़के गलत साइड से आ रहे थे और बुलेट के मॉडिफायर साइलेंसर से तेज आवाज निकाल रहे थे। इस दौरान दोनों युवक बाइक टेढ़े-मेढ़े तरीके से चला रहे थे। इस पर पुलिस ने दोनों लड़कों को पकड़ लिया। इस दौरान उनमें से एक लड़के ने बताया कि वह आप विधायक अमानतुल्ला खान का बेटा है। उन्होंने पुलिस पर यह आरोप लगाते हुए दुर्व्यवहार किया कि वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वह आप विधायक का बेटा है।

फोन करके विधायक से कराई बात

दिल्ली पुलिस ने आगे बताया कि वहीं जब पुलिस ने उनसे ड्राइविंग लाइसेंस और आईडी मांगी तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। उनमें से एक लड़के ने अमानतुल्लाह खान को फोन किया और उनकी बात एसएचओ से कराई। बाद में लड़के अपना नाम-पता बताए बगैर चले गए। एएसआई उनकी बुलेट थाने ले आए। मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया गया है। उनकी बाइक को कई अधिनियमों के तहत जब्त कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि खुद को आप विधायक अमानतुल्ला खान का बेटा बताने वाले शख्स पर पुलिस के साथ दुर्व्यवहार, खतरनाक ड्राइविंग, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने, मॉडिफाइड साइलेंसर का इस्तेमाल करने और बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाने के आरोप में 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

ईयरफोन लगाकर रेलवे फाटक पार कर रही थी छात्रा ट्रेन की चपेट में आने से मौत

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई से सटे पालघर जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है।जिले में एक छात्रा की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक छात्रा ने कानों में ईयरफोन लगाकर रेलवे फाटक पार कर रही थी। ऐसे में उसे ट्रेन की आवाज सुनाई नहीं दी, जिस वजह से ये हादसा हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पश्चिम रेलवे के अंतर्गत आने वाले पालघर के सफाले रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पार करते समय राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से मकने गांव की छात्रा वैष्णवी रावल की मौके पर ही मौत हो गई है। वैष्णवी की मौत के बाद इलाके में काफी शोक है।रेलवे पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। एडीआर रजिस्टर्ड कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मकने के पास पश्चिम रेलवे पर कोई फ्लाईओवर नहीं होने के कारण, निवासी खतरनाक तरीके से रेलवे ट्रैक पार करते हैं। इसके अलावा कई छात्रों के कानों में ईयरफोन लगे होते हैं और उन्हें आती हुई कारों पर ध्यान भी नहीं रहता

वडोदरा में 3 स्कूलों को मिली बम की धमकी

नवरचना स्कूल का नाम भी है शामिल

वडोदरा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा के तीन स्कूलों को बम की धमकी मिली है, जिसमें नवरचना स्कूल भी शामिल है। शुक्रवार को तीनों स्कूलों को एक ईमेल के माध्यम से बम की धमकी दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

नवरचना स्कूल के प्रधानाचार्य को धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ था, जिसके बाद छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल को बंद कर दिया गया। पुलिस ने स्कूल परिसर में पूरी तरह से जांच की। नवरचना स्कूल के अलावा, वडोदरा के अन्य दो स्कूलों को भी धमकी दी गई थी। पुलिस ने सभी स्कूलों से छात्रों को बाहर निकाल लिया और पूरे परिसर की तलाशी ली। हालांकि, कहीं कोई बम नहीं मिला, और स्कूलों को सुरक्षित घोषित कर दिया गया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने घटनास्थल पर पूरी जांच की, लेकिन किसी भी प्रकार का खतरा नहीं दिखा।

'महाराष्ट्र की जनता उनसे ऊब चुकी है'

उद्धव ठाकरे पर भड़के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में चुनाव को खत्म हुए महीनों बीत चुके हैं लेकिन राजनीतिक दलों की ओर से अब तक एक दूसरे पर तीखी बयानबाजी का दौर जारी है। एक ओर उद्धव ठाकरे ने महायुति सरकार पर 'गद्दार' कह कर निशाना साधा है तो वहीं अब महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष और राज्य सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी उद्धव को जवाब दिया है। बावनकुले ने तो उद्धव ठाकरे को 'बिना दिमाग वाले नेता' तक कह दिया है। उद्धव ठाकरे द्वारा केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर की गई टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में कहा कि उद्धव ठाकरे बिना दिमाग वाले नेता हैं। जनमानस में प्रतिष्ठा मलीन होने के बावजूद भी वे ठीक नहीं हो रहे हैं। एक नेता के पास से 13 सांसद 50 विधायक निकल जाते हैं, तभी भी वह जागता नहीं है।

उनके नेतृत्व कोई मान्य करने को तैयार नहीं है, इसलिए सांसद और विधायक छोड़कर चले गए। सांसद और विधायकों से संपर्क जीवन भर

कभी नहीं रहा, इसलिए वो लोग उन्हें छोड़कर शिंदे जी के पास चले गए, उनके लोग उनको छोड़कर चले गए और पीएम मोदी, अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी पर टिप्पणी कर रहे हैं। उन्हें आत्म परीक्षण करना चाहिए कि उनसे कहां चूक हुई। यदि उन्होंने विधायक सांसदों पर ध्यान दिया रहता तो यह स्थिति महाराष्ट्र में नहीं रहती। बावनकुले ने उद्धव पर निशाना साधते हुए कहा- रहा प्रश्न 2021 की गद्दारी का को उनकी तरफ से गद्दारी हुई। वह भारतीय जनता पार्टी के साथ जीत के आए। उन्होंने शुरुआत की गद्दारी की। अगर उद्धव ने बीजेपी से गद्दारी नहीं की होती तो महाराष्ट्र का अलग चित्र होता। महाराष्ट्र का समय और मीडिया का समय लेने से अच्छा है कि अच्छे विरोधी पक्ष की तरह काम करें। उद्धव ठाकरे निराश हैं, अभी भी सुधारे नहीं हैं।

भिखारी को भीख देने पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

इंदौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में भिखारी को भीख देने के मामले में पुलिस ने एक अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इंदौर प्रशासन लगातार शहर को भिखारी मुक्त करने के लिए काम कर रहा है। इस संबंध में उसने एक आदेश भी जारी किया था, जिसमें भीख देने और लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई थी। पूरे इंदौर में कोई भी व्यक्ति किसी को भी भीख देते है, तो प्रशासन उसके खिलाफ कार्रवाई करेगा। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने देश के 10 शहरों को भिखारी मुक्त बनाने के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसमें इंदौर भी शामिल है। इंदौर प्रशासन शहर को भिखारी मुक्त बनाने के लिए निरंतर लगा हुआ है। दिसंबर महीने से प्रशासन इस संबंध में जागरूकता अभियान चला रहा है। जिला प्रशासन भीख देने के संबंध में दिसंबर महीने में एक आदेश जारी किया था, जिसमें भीख देने पर प्रतिबंध लगाने और इस आदेश का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की बात कही गई थी। भीख देने और लेने के मामले में पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज कर दी हैं।

महाराष्ट्र को मिलेगा एक और डिप्टी सीएम, किस पार्टी का होगा? संजय राउत के दावे ने मचाई खलबली

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने अपने बयान से महाराष्ट्र की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। उनका कहना है कि महाराष्ट्र में अब दो नहीं बल्कि तीन उप मुख्यमंत्री होने वाले हैं। उद्धव ठाकरे के नेता ने यह दावा भी किया है कि नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना से ही कोई नेता होगा। दरअसल, संजय राउत ने दावा किया है कि एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा, ये लाचार और डरपोक लोग हैं। ये ईडी-सीबीआई के डर से भाग गए थे। मोदी-शाह इनको भी नहीं छोड़ेंगे। जल्द ही महाराष्ट्र को नया डिप्टी सीएम मिलने वाला है और वह शिंदे की पार्टी से ही होगा। बस देखते रहिए क्या होता है। 23 जनवरी (गुरुवार) को एकनाथ शिंदे की रैली में सोनू निगम का शो था, जिसके बाद शिवसेना प्रमुख ने भाषण दिया। इसको लेकर उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने बोले, कौन एकनाथ शिंदे? और एकनाथ शिंदे का शिवसेना से क्या संबंध है? कल सोनू निगम का एक ऑर्केस्ट्रा था। सोनू निगम को पैसा देकर एक लाइव शो किया गया था, जिसमें बहुत से लोग आए थे। उसी में कुछ लोगों ने भाषण दे दिया। उद्धव ठाकरे की ताकत पर सवाल उठाते हुए एकनाथ शिंदे ने हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि उद्धव ठाकरे की बाजुओं में दम नहीं है, वह अकेले चुनाव कैसे लड़ेंगे? इस सवाल के जवाब में संजय राउत ने कहा, आप अपनी ताकत संभालिए। आपका कंट्रोल तो दिल्ली के पास है। वह कभी भी कंट्रोल खींच लेंगे और आप पावरलेस हो जाएंगे। हम अपने पैरों पर मजबूती से खड़े हैं।

कांग्रेस नेता के बयान से बैकफुट पर कांग्रेस, करन माहरा ने नोटिस दिया; 24 घंटे में मांगा जवाब

ऊधम सिंह नगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गदरपुर में कांग्रेस नेता अनिल सिंह को प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने नोटिस दिया। मतदान के दिन हुए विवाद के दौरान एक जाति विशेष को लेकर विवादित बयान दिया था। बयान को लेकर जाति वर्ग में नाराजगी है। सोशल मीडिया में बयान वायरल होने के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आ गई है। अनिल की पत्नी चंद्रा जोशी गदरपुर पालिका से कांग्रेस प्रत्याशी है। करन माहरा ने अनिल को 24 घंटे में जवाब नहीं देने पर निष्कासन करने की चेतावनी दी है।

सुरक्षाबलों से बचने के लिए आतंकियों का नया हथियार, क्या है अल्पाइन क्वेस्ट ऐप

श्रीनगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में हालात क्या बदले पाकिस्तान और उसके पालतू विदेशी आतंकियों का सक्रिय कश्मीरी आतंकियों और उनके नेटवर्क से विश्वास टूट गया है। सुरक्षाबल की निरंतर निगरानी से बचने के लिए वह सेटेलाइट और रेडियो फोन के इस्तेमाल से बच रहे हैं। यही वजह है कि वह अपनी गतिविधियों लिए स्थानीय नेटवर्क के भरोसे रहने की बजाय ऑफलाइन लोकेशन ऐप 'अल्पाइन क्वेस्ट' का इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने ऐप में कुछ संशोधन करके दिए हैं। इस ऐप का इस्तेमाल सामान्य तौर पर ट्रैकर करते हैं। बता दें कि कश्मीर में आतंकियों का नेटवर्क काफी हद तक ध्वस्त हो चुका है। सुरक्षा एजेंसियों के आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान दहशत फैलाने के लिए विदेशी आतंकियों को यहां धकेल रहा है। फिलहाल सूत्रों की मानें तो जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकियों की संख्या 125 से अधिक हो सकती है। इनमें से करीब 45 आतंकी जम्मू संभाग के राजौरी-पुंछ, कठुआ-

ऊधमपुर-डोडा और किश्तवाड़ में सक्रिय हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट, जैश-ए-मोहम्मद के मुखौटा संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट, द कश्मीर टाइगर्स और तहरीके लबैक मुजाहिदीन-ए-इस्लाम से संबंधित आतंकी ज्यादा हैं। लश्कर और टीआरएफ से संबंधित विदेशी आतंकियों की संख्या 50 होने की आशंका है।

'अल्पाइन क्वेस्ट' ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं आतंकी

एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि मौजूदा समय में सक्रिय विदेशी आतंकी स्थानीय ओवरग्राउंड वर्कर और गाइडों के साथ कम संपर्क रख रहे हैं। वह अपने ठिकाने में अधिक छिपे रहते हैं और सुरक्षा एजेंसियों से बचने, अपने ठिकानों तक आवाजाही के लिए 'अल्पाइन क्वेस्ट' ऐप के ऑफलाइन संस्करण का इस्तेमाल कर रहे हैं। आतंकी कमांडरों व उनके हैंडलरों को चिंता रहती है कि स्थानीय ओवरग्राउंड वर्कर और गाइड किसी भी समय पाला बदलकर आतंकियों के ठिकाने और उनकी आवाजाही की सूचना सुरक्षा एजेंसियों तक पहुंचा सकते हैं। ऐसे में उन पर विश्वास बढ़ करने से परहेज कर रहे हैं।

गूगल अर्थ से एडवांस है 'अल्पाइन क्वेस्ट'

अल्पाइन क्वेस्ट ऐप गूगल अर्थ का एडवांस वर्जन है। इसका इस्तेमाल आमतौर पर जंगल, नदी और पहाड़ों में एडवेंचर टूर और ट्रैकिंग पर जाने वाले लोग करते हैं। इस ऐप में पहले से तय किसी रूट को सेव करने का विकल्प भी है। इसकी मदद से कोई भी पहाड़, नदी या जंगल के किसी भी रास्ते से निकल सकता है। आतंकी किसी मार्ग से गुजरते हुए उसका पूरा नक्शा संरक्षित रख पाते हैं और बाद में इसका इस्तेमाल बिना इंटरनेट के कर सकते हैं।

राजौरी-पुंछ के कई हमलों में इसी ऐप का इस्तेमाल

सूत्रों ने बताया कि बीते दो वर्ष में जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आतंकियों से पूछताछ और मारे गए आतंकियों से मिले उपकरणों से पता चलता है कि यह आतंकी डिजिटल उपकरणों और इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के इस्तेमाल के पारंगत थे। राजौरी-पुंछ, कठुआ के अलावा डोडा व अनंतनाग में आतंकियों ने इसी ऐप का इस्तेमाल वारदात स्थल तक पहुंचने और वापस अपने ठिकाने पर छिपने के लिए किया।

मसाज पार्लर में घुसकर दर्जनों लोगों ने मचाया हुड़दंग

कर्मचारियों के साथ मारपीट

देह व्यापार का लगाया आरोप

मंगलुरु, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेजई क्षेत्र में एक मसाज पार्लर में तोड़फोड़ और कर्मचारियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। एक संगठन से जुड़े लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि करीब एक दर्जन युवकों ने मसाज पार्लर में घुसकर वहां काम करने वाले कर्मचारियों पर हमला किया। इस दौरान वहां कई महिलाएं भी शामिल थीं। उन्होंने पार्लर के अंदर की संपत्तियों को नुकसान भी पहुंचाया और कर्मचारियों पर 'यूनिसेक्स सलून' (महिला और पुरुष दोनों का पार्लर) के नाम पर अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इस हमले की निंदा की है। उन्होंने पुलिस को मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं। इस मामले पर उन्होंने कहा, ''किसी को भी कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। हर किसी को कानून के दायरे में संगठन चलाने का अधिकार है। यदि कोई शिकायत थी, तो वे पुलिस की मदद ले सकते थे।'' वहीं इस मामले में पुलिस ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के बयान के अनुसार, सलून मालिक सुधीर शेट्टी की शिकायत के आधार पर बार्के थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के बयान के अनुसार, ''जांच के दौरान पाया गया कि एक खास संगठन के सदस्य इस घटना में शामिल थे। इस मामले के संबंध में कुल 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 25 जनवरी, 2025

सुविचार: ऐसे बनो कि लोग आपके आने का इंतजार करें, जाने का नहीं।

बीआरएस ने दावोस निवेश पर श्वेत पत्र की मांग की

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता मन्ने कृष्णक ने मांग की है कि तेलंगाना सरकार मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दावोस दौरे के दौरान सुरक्षित किए गए निवेशों पर श्वेत पत्र जारी करे। आज यहां तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कृष्णक ने सीएम रेवंत रेड्डी पर झूठे दावों और खोखले वादों से भरे हाई-प्रोफाइल दौरे को फर्जी अभ्यास में बदलने का आरोप लगाया। रेवंत रेड्डी को यह बताना चाहिए कि पिछले साल दावोस में किए गए कितने समझौते हकीकत में बदल गए हैं। सरकार ने पिछले साल 40,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की, लेकिन उनमें से कोई भी अभी तक साकार नहीं हुआ है। जवाबदेही कहां है? इन सौदों का राज्य के लिए लाभ में अनुवाद क्यों नहीं किया जा रहा है? पिछले बयानों का हवाला देते हुए, कृष्णक ने याद दिलाया कि कैसे विपक्ष में रहने के दौरान रेवंत रेड्डी ने दावोस निवेश को खारिज कर दिया था, यह दावा करते हुए कि इससे कंपनियों को फायदा हुआ, लेकिन लोगों को नहीं। वह कहते थे कि ये निवेश व्यर्थ थे। यहां तक कि पूर्व पीसीसी प्रमुख उत्तम कुमार रेड्डी ने भी उनकी आलोचना की थी। अब वही रेवंत दावोस की तारीफ कर रहे हैं। क्या यह पाखंड नहीं है? कृष्णक ने आरोप लगाया कि पिछले दावोस दौरे के दौरान घोषित अडानी, जेएसडब्ल्यू और गोदी इंडिया जैसी कंपनियों के साथ समझौते केवल कागजों पर ही रह गए हैं? उन्होंने सवाल किया, "यहां तक कि भट्टी विक्रमार्क ने भी कहा कि ये सिर्फ 'रुचि की अभिव्यक्ति' हैं। इन सौदों पर क्या प्रगति हुई है?"

रेवंत रेड्डी के बयानों पर कटाक्ष करते हुए कृष्णक ने सीएम के दावों की तुलना कल्पना से की। उन्होंने मजाक उड़ाते हुए कहा, "रेवंत ने मेघा कृष्ण रेड्डी की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से भी की। उन्होंने कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी यूरोप से आई थी और अब वे यूरोप में समझौते कर रहे हैं। यह क्या बेतुकी बात है?" कृष्णक ने आगे आरोप लगाया कि सीएम कार्यालय ने दावोस में हुए समझौतों के बारे में भ्रामक बयान जारी किए। "सीएमओ ने दावा किया कि सन पेट्रोकेमिकल्स के एमडी दिलीप सांघवी के साथ एक सौदा हुआ था, लेकिन फोटो में दिख रहा व्यक्ति सांघवी ही नहीं था। क्या कोई मुख्यमंत्री इस तरह लोगों को गुमराह कर सकता है? उन्होंने केटीआर के साथ सांघवी की तस्वीर दिखाई। ऑनलाइन उर्सा क्लस्टर के बारे में कोई विवरण नहीं है। बिना नाम वाली ऐसी कंपनी तेलंगाना में 5000 करोड़ रुपये का निवेश कैसे कर सकती है? क्या यह स्वच्छ बायो, गोदी इंडिया और वाल्श कर्रा जैसा एक और फर्जी निवेश है?

बीआरएस नेता ने केसीआर के कार्यकाल के दौरान किए गए निवेशों को नए निवेश के रूप में रीब्रांड करने के लिए सीएम की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, केसीआर के कार्यकाल के दौरान अमेजॅन के निवेश सुरक्षित थे, फिर भी रेवंत अब उनका श्रेय ले रहे हैं। यह एक पब्लिसिटी स्टंट के अलावा और कुछ नहीं है। एक अन्य विवाद को उजागर करते हुए, कृष्णक ने आरोप लगाया कि सरकार मूसी विकास परियोजना को मेनहार्ट को सौंपने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, रेवंत ने दावोस में मेनहार्ट के एमडी से मुलाकात की, जिन पर रेड वारंट जारी है। कृष्णक ने सीएम पर दावोस दौरे को कॉमेडी सर्कस में बदलने का आरोप लगाया।

उन्होंने मज़ाक उड़ाते हुए कहा, "रेवंत दावोस में मेघा कृष्ण रेड्डी और पिचा रेड्डी जैसे स्थानीय उद्योगपतियों से मिल रहे हैं। क्या इसके लिए हमें यूरोप तक जाने की ज़रूरत है?" उन्होंने कहा कि ऊर्जा नीति के बिना पंप स्टोरेज निवेश के सीएम के दावे निराधार हैं। "आदित्य ठाकरे, जिनके लिए रेवंत रेड्डी ने महाराष्ट्र चुनावों में प्रचार किया था, ने दावोस में स्थानीय सौदे करने के लिए अपने सीएम पर हमला किया। आपके अपने ही व्यक्ति इस पाखंड का मज़ाक उड़ा रहे हैं", कृषांक ने कहा कि "यह डेस्टिनेशन वेडिंग की तरह है, जहाँ दूल्हा और दुल्हन स्थानीय होते हैं, लेकिन शादी कहीं और होती है। रेवंत के दावोस सौदों के साथ भी ऐसा ही है, जहाँ स्थानीय लोग निवेश सौदे करने के लिए बाहर गए थे। यह उनके जुबली हिल्स महल में ही किया जा सकता था"। बीआरएस नेता ने राज्य के बेहतर बिजली बुनियादी ढांचे के लिए केसीआर और केटीआर को श्रेय दिया, जिसने डेटा सेंटर जैसे निवेश को आकर्षित किया।

"तेलंगाना में डेटा सेंटर आने का कारण केसीआर के नेतृत्व में विकसित मजबूत बिजली नेटवर्क है। डेटा सेंटर बिजली की बहुत ज़्यादा खपत करते हैं। 2014 से पहले, उद्योगों ने बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। केसीआर द्वारा तेलंगाना को बिजली अधिशेष राज्य बनाने के बाद तेलंगाना डेटा केंद्रों को आकर्षित करने में सक्षम है। रेवंत में इसे स्वीकार करने का साहस भी नहीं है, उन्होंने टिप्पणी की। कृषांक ने फर्जी सौदों और प्रचार स्टंट को समाप्त करने की मांग करते हुए निष्कर्ष निकाला और सीएम से दावोस यात्राओं के दौरान हस्ताक्षरित सभी समझौतों की स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, लोगों को सच्चाई जानने का हक है। संख्याओं के पीछे छिपना बंद करें और इस बारे में खुलकर बताएं कि इन निवेशों ने वास्तव में तेलंगाना के लिए क्या हासिल किया है।

कुकटपल्ली विधायक को नजरबंद किए जाने के बाद हल्का तनाव

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय पुलिस द्वारा शुक्रवार को कुकटपल्ली के विधायक माधवराम कृष्ण राव को नजरबंद किये जाने के बाद हल्का तनाव व्याप्त हो गया। जानकारी के अनुसार, विधायक को आवास बोर्ड की नीलामी के मद्देनजर नजरबंद रखा गया था, जो दिन में होनी थी।

विधायक के समर्थक मौके पर पहुंच गए और पुलिस से बहस करने लगे। किसी भी कानून एवं व्यवस्था संबंधी समस्या को रोकने के लिए विधायक के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

शमशाबाद एयरपोर्ट पर सीएम रेवंत का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दावोस के दौरे के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी शुक्रवार को हैदराबाद लौट आए। वे दुबई के रास्ते शमशाबाद एयरपोर्ट पहुंचे, जहां कांग्रेस के अन्य सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सिंगापुर और दावोस के उनके दौरे की सफलता के लिए उनकी सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण निवेश हुए हैं। तेलंगाना सरकार ने दावोस शिखर सम्मेलन के दौरान कुल 1,78,950 करोड़ रुपये के निवेश के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ समझौतों को अंतिम रूप दिया। यह आंकड़ा पिछली यात्रा के दौरान प्राप्त 40,232 करोड़ रुपये की तुलना में पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है, जो चार गुना प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। नए निवेश से लगभग 50,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, राज्य सरकार ने लगभग 20 विभिन्न कंपनियों के साथ समझौते किए हैं।

उत्तम ने जन पहाड़ सैदुलु दरगाह के उर्स में भाग लिया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने 400 साल पुरानी जन पहाड़ दरगाह के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए इसे सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बताया, जो तेलंगाना और पड़ोसी राज्यों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। उत्तम रेड्डी ने शुक्रवार को हुजूरनगर निर्वाचन क्षेत्र के पालकीदु मंडल में जन पहाड़ सैदुलु दरगाह के नाम से मशहूर हजरत सैय्यद मोहिउद्दीन शहीद और हजरत सैय्यद जन पाक शहीद की दरगाह पर उर्स उत्सव में भाग लिया। 'चंदन' समारोह के हिस्से के रूप में, मंत्री ने चंदन का लेप पारंपरिक जुलूस के साथ संदलखाना से दरगाह तक पहुंचाया, जहां इसे औपचारिक रूप से चढ़ाया गया।

उत्तम कुमार रेड्डी ने संयुक्त आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अपने मंत्री कार्यकाल के दौरान दरगाह के विकास के लिए विशेष धन आवंटित करने के अपने प्रयासों को याद किया। उन्होंने भक्तों को आश्वासन दिया कि सरकार बुनियादी ढांचे में और सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। योजनाओं में नेरेदुचर्ला से जानापहाड़, दामरचर्ला से जानापहाड़ और मट्टमपल्ली से जानापहाड़ को जोड़ने वाली सड़कों को चौड़ा करना शामिल है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि तीर्थयात्रियों के लिए बुनियादी सुविधाएं पहले ही स्थापित की गई हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि दोनों तेलुगु राज्यों से आगंतुकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वृद्धि आवश्यक है। उन्होंने भक्तों के लिए एक निर्बाध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। उन्होंने जान पहाड़ दरगाह के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को दोहराया और इसके विकास के लिए अधिक संसाधन आवंटित करने का वादा किया। घोषित प्रमुख परियोजनाओं में 3.90 करोड़ रुपये की लागत से जान पहाड़ उच्च स्तरीय पुल का निर्माण शामिल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए, बेट्टे थांडा से शून्यपहाड़ तक पंचायती राज सड़क के लिए 3.5 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जबकि गरिदेपल्ली से मथमपल्ली के माध्यम से अलिंगापुर तक दोहरी सड़क के लिए 30 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। अतिरिक्त सड़क परियोजनाओं में पलाकेडु और अलिंगापुर के बीच दोहरी सड़क के लिए 2 करोड़ रुपये, मूसी नदी तट से सिंगाराम तक सड़क के लिए 1.8 करोड़ रुपये और राघवपुरम को अलिंगापुर लिफ्ट सिंचाई योजना और जन पहाड़ को जन पहाड़ जवाहर लिफ्ट सिंचाई योजना से जोड़ने वाली पक्की सड़कों के लिए 1-1 करोड़ रुपये शामिल हैं। मंत्री ने पलाकेडु मंडल मुख्यालय में एक नया तहसीलदार कार्यालय, एमपीडीओ कार्यालय और पुलिस स्टेशन स्थापित करने के लिए 7.8 करोड़ रुपये की भी घोषणा की। स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए 1.4 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 22 ग्राम पंचायतों में सीसी सड़कों और जल निकासी व्यवस्था के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये का उपयोग किया जाएगा, जबकि मंडल भर में पेयजल समस्याओं के समाधान के लिए 61 लाख रुपये अलग रखे गए हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, A LAXMI , W/O: SUB A DORA BABU , R/O: H.No.1-1, Ragolu, Srikakulam, AP- 532484 have changed my name from A LAXMI to AMUJURU LAXMI vide Affidavit dt.22-01-2025.

I, SMT LILAWATI , W/O: LATE NB/SUB SURESH RAI , R/O. PACHARUKHIA, KALA PACHARUKHIA, ARRAH, BHOJPUR, BIHAR - 802163 have changed my name from SMT LILAWATI to LILAWATI DEVI vide Affidavit dt.23-01-2025.

I, BISHNU DEVI , M/O: NB/SUB DILEEP SINGH , R/O: BASAVANAKHERA, KALAYANPUR, BASAWAN KHERA, FATEHPUR , BINDKI, UTTAR PRADESH – 212666 have changed my name from BISHNU DEVI to BISUNA DEVI and my Date of Birth is: 16-04-1962 vide Affidavit dt.23-01-2025.

I, VERAMMA , M/O: HAV V SIVA SESHU BABU OGIBOYINA , R/O: PALLAPATLA, NIZAMPATNAM, GUNTUR, ANDHRA PRADESH - 522262 have changed my name from VERAMMA to OGIBOYINA VEERAMMA and my Date of Birth is: 01-01-1971 vide Affidavit dt.24-01-2025.

I, NEERAJ KAWAR , Legally wedded Spouse of BAJRANG SINGH SHEKHAWAT, R/O: KOTRI, SRIMADHOPUR, SIKAR, RAJASTHAN - 332715, have changed my name from NEERAJ KAWAR to NEERAJ KANWAR vide Affidavit dt.23-01-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पेंशन से संपत्ति कर काटने पर पंचायत सचिव निलंबित

मंचेरियल, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाजीपुर मंडल के नामनूर गांव में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मासिक पेंशन से संपत्ति कर काटने के आरोप में पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया। गुरुवार देर शाम कलेक्टर कुमार दीपक ने इस आशय का आदेश जारी किया। दिसंबर में इंदिराम्मा आवास योजना के लाभार्थियों की पहचान के लिए किए गए सर्वेक्षण के दौरान सचिव संध्यारानी को एक बुजुर्ग व्यक्ति की पेंशन राशि का इस्तेमाल संपत्ति कर का भुगतान करने के लिए करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। यह घटना कुछ दिन पहले ही प्रकाश में आई थी। अधिकारियों ने ग्रामीणों की मौजूदगी में सचिव के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच की।

गुरुवार को जिला ग्रामीण विकास संगठन के अधिकारियों ने गांव का दौरा किया और सामाजिक सुरक्षा पेंशन की लाभार्थी डोरी चुक्कम्मा को 2,000 रुपये की राशि का भुगतान किया।

उन्होंने फील्ड जांच के निष्कर्षों के आधार पर सचिव के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। उन्होंने विभाग के कर्मचारियों को घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। पूर्व वित्त मंत्री टी हरीश राव ने चुक्कम्मा और अन्य लोगों की पेंशन से संपत्ति कर काटने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर यह पोस्ट किया।

सीएम ने दावोस में तेलंगाना के लोगों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए: किशन रेड्डी

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी ने सीएम रेवंत रेड्डी की दावोस यात्रा पर सनसनीखेज टिप्पणी की।आज यहां राज्य भाजपा कार्यालय में बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के लोगों को दावोस ले जाया गया और सीएम द्वारा समझौते किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कोई भी अनुबंध नहीं ले रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य भर में रियल एस्टेट क्षेत्र पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर सीएम की दावोस यात्रा लाभदायक साबित होती है तो किसी भी आलोचना की कोई जरूरत नहीं है। किशन रेड्डी ने कहा कि राज्य में विदेशों से निवेश आना चाहिए और कहा कि समझौते केवल कागजों तक सीमित नहीं होने चाहिए।

राज्य भाजपा ने निवेश दावों पर पारदर्शिता की मांग की

हैदराबाद, 24 जनवरी (एनएसएस): तेलंगाना राज्य भाजपा इकाई ने हाल ही में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) शिखर सम्मेलन के बाद राज्य सरकार के निवेश दावों के बारे में अधिक पारदर्शिता की मांग की है। 1.7 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाने की खबर का स्वागत करते हुए भाजपा ने सरकार से पिछले साल के डब्ल्यूईएफ में किए गए निवेशों की स्थिति का विवरण देते हुए एक श्वेत पत्र जारी करने का आग्रह किया है। एक प्रेस नोट में भाजपा प्रवक्ता एनवी सुभाष ने एमओयू को वास्तविक निवेश में बदलने में जवाबदेही की कमी के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा, "पिछले साल राज्य सरकार ने डब्ल्यूईएफ से 48,000 करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया था।

हालांकि, इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि उनमें से कितने एमओयू परिचालन व्यवसायों में बदल गए हैं। तेलंगाना के लोगों को तथ्य और आंकड़े जानने का हक है।" सुभाष ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना के लिए महत्वपूर्ण निवेश की संभावना गर्व की बात है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि दावे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार सृजन जैसे ठोस लाभों में तब्दील हों। उन्होंने एमओयू और क्रियान्वयन के बीच विसंगति के संभावित कारणों पर प्रकाश डाला, जिसमें भूमि अधिग्रहण, राज्य सुविधा और बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। "एमओयू अक्सर बाध्यकारी समझौतों के बजाय प्रस्ताव होते हैं, और कई परियोजनाएं अमल में नहीं आ पाती हैं। इससे राज्य सरकार के लिए पिछले निवेश दावों के परिणामों पर एक पारदर्शी रिपोर्ट पेश करना अनिवार्य हो जाता है।

इस तरह के कदम से जनता का विश्वास बढ़ेगा और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। भाजपा ने सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए प्रचार उपकरण के रूप में निवेश के बढ़े हुए आंकड़ों का उपयोग करने का आरोप लगाया। इसने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से पिछले डब्लूईएफ कार्यक्रमों से निवेश की स्थिति पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रकाशित करके पारदर्शिता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

भाजपा ने उन पहलों का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई जो वास्तव में निवेश आकर्षित करती हैं और तेलंगाना के लोगों के लिए अवसर पैदा करती हैं, साथ ही सरकार को उसके वादों के लिए जवाबदेह ठहराया।

सीताराम लिफ्ट सिंचाई योजना अंतिम मंजूरी के करीब

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीताराम लिफ्ट सिंचाई योजना अंतिम मंजूरी प्राप्त करने के एक कदम और करीब पहुंच गई है, केंद्रीय जल आयोग की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) 11 फरवरी को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की समीक्षा और अनुमोदन करेगी। टीएसी की मंजूरी के बाद, परियोजना को अंतिम मंजूरी के लिए सर्वोच्च परिषद के पास भेजा जाएगा।

सितारामा लिफ्ट सिंचाई योजना का लक्ष्य खम्मम, भद्राद्री कोत्तागुडेम और महबूबाबाद जिलों में सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाना है। नदी जल बंटवारे के विवादों सहित विभिन्न चिंताओं पर आंध्र प्रदेश (एपी) से विरोध का सामना करने के बावजूद, परियोजना ने कई बाधाओं को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। एपी ने गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड से जल बंटवारे के मुद्दों के हल होने तक मंजूरी रोकने का आग्रह किया था, लेकिन इससे परियोजना की प्रगति में देरी नहीं हुई।

परियोजना ने महत्वपूर्ण लागत-लाभ विश्लेषण (सीबीए) पास कर लिया है, जिसका लाभ-लागत अनुपात (बीसीआर) 1.60 है, जो दर्शाता है कि परियोजना के लाभ इसकी लागत से कहीं अधिक हैं। परियोजना का एक बड़ा हिस्सा बीआरएस सरकार के तहत पूरा किया गया, जिसमें तीन पंप हाउस अब चालू होने के लिए तैयार हैं और नहर प्रणाली पूरी होने के करीब है। सीताराम लिफ्ट सिंचाई योजना कुल 2,72,921 हेक्टेयर कमांड क्षेत्र को कवर करती है, जिसमें 1,33,085 हेक्टेयर नया अयाकट और 1,39,836 हेक्टेयर का स्थिरीकरण शामिल है। गोदावरी बोर्ड द्वारा हाल ही में दी गई मंजूरी के साथ इस परियोजना ने गति पकड़ ली है, जिसने सीडब्ल्यूसी को अग्रेषित करने से पहले इसकी समीक्षा की।

ऑटो-रिक्शा चालक की उसके बेटे और दो अन्य ने की हत्या

शराब के नशे में परेशान करने का लगाया आरोप

मंचेरियल, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर मंडल के इंदाराम गांव में गुरुवार देर रात एक ऑटो रिक्शा चालक की उसके बेटे ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि अविदापु राजैया (45) का शव खून से लथपथ मिला। उनके बेटे साई सिद्धार्थ (17) और उनके दो दोस्तों ने कथित तौर पर रात करीब 12.30 बजे उनके घर में उनका गला काट दिया। इसके बाद सिद्धार्थ ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और अपने पिता की हत्या की बात कबूल कर ली।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सिद्धार्थ ने अपने पिता की हत्या करने की बात स्वीकार की है, क्योंकि वह शराब की लत में पड़कर उसे परेशान करते थे और अपने परिवार की उपेक्षा करते थे। उसने हत्या में अपने दो दोस्तों के शामिल होने की बात कबूल की है।

उसके दोस्त, दोनों किशोर पड़ोसी गांवों के रहने वाले थे। उसने खुलासा किया कि वह अपने पिता की यातना से परेशान था और उसने उन्हें मारने की योजना बनाई थी। राजैया की पत्नी और बेटी सहित परिवार के सदस्य हत्या के समय मौजूद नहीं थे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और घटना का ब्यौरा जुटाया।

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ प्रस्ताव पारित करें: विनोद कुमार

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस पार्टी नेता और पूर्व सांसद बी. विनोद कुमार ने आज कहा कि कई राज्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को तेलंगाना विधानसभा में यूजीसी के मसौदा नियमों के खिलाफ प्रस्ताव पारित करना चाहिए। आज यहां तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु विधानसभा ने यूजीसी नियमों के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है और कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने संघवाद की भावना को जलाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। केरल के सीएम ने भी यूजीसी के प्रस्ताव का विरोध किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो जेडी(यू) से हैं, ने भी यूजीसी के प्रस्ताव का विरोध किया, भले ही उनकी पार्टी एनडीए की सहयोगी है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि रेवंत रेड्डी कांग्रेस के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन वे यूजीसी के मसौदे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। कुमार ने कहा, "हम तेलंगाना विधानसभा में यूजीसी के मसौदे के खिलाफ प्रस्ताव की मांग करते हैं।" पूर्व सांसद ने कहा कि बीआरएस पार्टी के विचार शुक्रवार को यूजीसी के अध्यक्ष जगदीश कुमार को भेजे गए थे। उन्होंने कहा कि यूजीसी का मसौदा इस तरह का है जो राज्यों के अधिकारों को छीनता है। "हम मांग करते हैं कि नए प्रस्तावों को तुरंत वापस लिया जाए। राज्यपाल को कुलपतियों की नियुक्ति का अधिकार देना अलोकतांत्रिक है। पैसा राज्य सरकार को खर्च करना है। क्या केंद्र कुलपतियों की नियुक्ति करेगा," विनोद कुमार ने पूछा और स्पष्ट किया कि यह संघीय भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि वे प्रोफेसरों की नियुक्ति के नियमों को बदलने के किसी भी प्रयास का भी कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि नए नियमों के साथ, केंद्र को अपनी पसंद के व्यक्तियों को नियुक्त करने का अधिकार होगा, भले ही उनके पास कोई शिक्षण अनुभव न हो। "हम इसका भी विरोध करते हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें X @SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी उपलब्ध।

सं.वाय/सी.ई-नीलामी/एचवायबी/2024-25 दि.24-01-2025

PUB/0073

हैदराबाद डिवीजन ने वाणिज्यिक आय संविदाओं एवं एनएफआर संविदाओं के लिए ई-नीलामी लागू की है। तदनुसार, एचवायबी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है।

क्रम सं.	श्रेणी	कैटलाग नं.	कार्य विवरण	नीलामी की तिथिः	नीलामी शुरु समय	नीलामी बंद समय
1	एमएसएस-एचवायबी-केआरएनटी-एचएलटीएचके-13-24-1(छिटपुट स्टेटिक सेवाएं-हेल्थ कियोस्क)	एचवायबी-एमएमएस-32	-स्थापना रखरखाव एवं हेल्थ कियोस्क का संचालन	30.01.2025	11.00	11.30
2	एमएसएस-एचवायबी-एसएफएक्स-जीजेड-71-24-1(छिटपुट स्टेटिक सेवाएं-गेमिंग झोन)	एचवायबी एमएमएस-32	गेमिंग झोन की व्यवस्था(बाक्स क्रिकेट)	30.01.2025	11.00	11.40
3	एमएसएस-एचवायबी-एएलडब्ल्यु-जीजेड-81-25-1(छिटपुट स्टेटिक सेवाएं-गेमिंग झोन)	एचवायबी एमएमएस -32	अलवाल रेलवे स्टेशन पर गेमिंग झोन की व्यवस्था	30.01.2025	11.00	11.50
4	-एडीवीटी-इएफएफ-एस1-एमएमटीएस-24-1(एडवर्टाइजिंग-रेल का बाह्य भाग(फुल फेस))	एचवायबी -पीयुबी-एडीवीटी.	हैदराबाद डिवीजन के बाह्य भाग, एमएमटीएस के बाहरी भाग में विज्ञापन अधिकार	31.01.2025	11.00	11.30
5	-एडीवीटी-एचवायबी-एलजीडीएच-ओएच-112-25-1(मकान के बाहरी भाग में- एडवर्टाइजिंग)	एचवायबी एडीवीटी. -इस्टेट	इस्टेट एरिया के रेलवे वाल्स पर विज्ञापन अधिकार	30.01.2025	10.00	10.30
6	एमएसएस-एचवायबी-एलजीडीएच-एसटी जीइएन-84-25-1जीजेड-71-24(छिटपुट स्टेटिक सेवाएं-सामान्य)	एचवायबी-एमएसएस. -एलजीडीएचे-01	-सेंट्रल रेलवे हास्पिटल लालागुडा पर फूड स्टाल ओपी(न्यू ब्लाक) का संचालन	07.02.2025	11.30	12.00
7	-एडीवीटी-एचवायबी-एमएक्सटी-ओएसएन-92-24-1(स्टेशन पर एडवर्टाइजिंग)	एचवायबी-पीयुबी-एमएक्सटी	स्टेशनों पर विज्ञापन अधिकारों को प्रदान करना	07.02.2025	11.30	12.00
8	पार्किंग	एचवायबी -पीआरकेजी-0042	04 स्टेशनों जैसे फलकनुमा, सिध्दिपेट, अक्कनापेट, मिर्जापल्ली रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग लाट्स प्रदान करना	08.02.2025	12.00	12.30
9	पीएनयु-एचवायबी-केआरएनटी-टीओआय-17-24-1(पेएण्डयूज टायलेट्स या शौचालय)	एचवायबी-पीएनयु-केआरएनटी -3	कर्नूल सिटी रेलवे स्टेशन पर पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालयों का संचालन एवं रखरखाव	08.02.2025	11.00	11.30

A0097 — वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

अत्यंत पिछड़ी जातियों को साधने की गोलबंदी हुई तेज, बीजेपी के दिग्गज नेता ने बनाई रणनीति

पटना, 24 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव करीब आते ही सामाजिक एवं जातीय गोलबंदी तेज हो गई है। गुरुवार को सांसद डॉ। भीम सिंह ने भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती की पूर्व संध्या पर आइएमए सभागार में ईबीसी लीडर्स कांफ्रेंस कर अत्यंत पिछड़ी जातियों की आवाज बुलंद की। इस दौरान 9 मार्च को अत्यंत पिछड़ा वर्ग हुंकार सम्मेलन का भी एलान किया गया। अत्यंत पिछड़ा वर्ग चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य डॉ। भीम सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक विकास का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि अत्यंत पिछड़ी जातियों को विकास का जितना लाभ मिलना चाहिए था, उतना नहीं मिला। आज भी हम शिक्षा, संपत्ति, सत्ता और यहां तक कि सम्मान से भी बहुत हद तक वंचित हैं। इस स्थिति को बदलना होगा और हम बदल कर रहेंगे।

नाबालिग से रेप मामले में दोषी को उम्रकैद

अररिया, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अररिया में दिव्यांग नाबालिग बच्ची के साथ रेप करने मामले में कोर्ट ने 25 साल के आरोपी मोहम्मद चुन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने शादी का प्रलोभन देकर पीड़िता के साथ रेप किया था। इससे वह गर्भवती हो गई थी। मामले में आरोपी के भाई मोहम्मद जावेद आलम को साक्ष्य के अभाव में रिहा कर दिया गया है। कोर्ट ने आरोपी पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न चुकाने पर एक महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। इसके अलावा, पीड़िता और उसके बच्चे के लिए 7 लाख रुपए के मुआवजे का आदेश दिया है। इस राशि में से 4 लाख रुपए पीड़िता को और 3 लाख रुपए उसके नाबालिग बेटे के लिए राष्ट्रीयकृत बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में जमा किए जाएंगे।

बालीवुड फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी पहुंची महाकुंभ

प्रयागराज, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बालीवुड की जानी-मानी फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी प्रयागराज के महाकुंभ मेले में पहुंची हैं। वह बिल्कुल संतों के भेष में यहां मेले में हैं। शरीर पर भगवा कपड़े धारण कर गले में कई रूद्राक्ष के माला व कंधे पर झोला लटकाए वहां किन्नर अखाड़े में पहुंची थीं। उन्होंने आचार्य महामंडलेश्वर डॉ। लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। यहां उन्होंने करीब एक घंटे तक महाकुंभ और धर्म आध्यात्म के मुद्दों पर आचार्य महामंडलेश्वर से वार्ता भी की। उन्होंने कहा, महाकुंभ में आना और यहां की भव्यता को देखना उनके लिए बहुत ही यादगार पल होगा। यह मेरा सौभाग्य होगा कि महाकुंभ की इस पवित्र बेला में मैं भी साक्षी बन रही हूं और यहां संतों के आशीर्वाद प्राप्त कर रही हूं।

फैक्ट्री में तिल और पाम ऑयल मिलाकर तैयार हो रहा था नकली देसी घी, नमूनों से हुई पुष्टि

आगरा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कहरई मोड़ स्थित नीरज अग्रवाल की फैक्ट्री में सिर्फ नाम का देसी घी बन रहा था। देसी घी में तिल और पाम ऑयल, एसेंस, वनस्पति सहित अन्य की मिलावट की पुष्टि हुई है। यह घी किसी भी रूप में खाने योग्य नहीं है। 18 नामचीन ब्रांड के नकली देसी घी की आपूर्ति प्रदेश के 16 शहरों और हरियाणा, नई दिल्ली, बिहार, राजस्थान, जम्मू सहित सात राज्यों में हो रही थी। दो जनवरी को पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने फैक्ट्री को सील कर दिया था। 13 नमूने लिए थे जिसमें घी के पांच नमूने असुरक्षित और पांच अधोमानक मिले हैं। एसीजेएम प्रथम और एडीएम सिटी कोर्ट में वाद दायर किए जा रहे हैं। पुलिस और एफएसडीए अधिकारियों ने दो जनवरी की दोपहर 12 बजे कहरई स्थित एक फैक्ट्री में छापा मारा था। ग्वालियर निवासी नीरज अग्रवाल और ब्रजेश अग्रवाल ने एक साल पूर्व फैक्ट्री को किराए पर लिया था।

मोकामा गोली कांड पर क्या बोले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार?

सवाल सुनकर दिया ये रिएक्शन

पटना, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पटना से सटे मोकामा में अनंत सिंह के समर्थकों और सोनू-मोनू गैंग के बीच हुई गोलीबारी को लेकर विपक्ष बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहा है। इसको लेकर अभी तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। शुक्रवार को जब सीएम नीतीश कुमार से पत्रकारों ने इस घटना को लेकर सवाल किया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए गाड़ी में बैठकर चले गए। दरअसल मुख्यमंत्री बिहार विधानसभा परिसर में कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे थे। आज कर्पूरी ठाकुर की जयंती है। माल्यार्पण के बाद पत्रकारों ने मोकामा में हुए गोली कांड को लेकर सीएम से सवाल किया था, लेकिन नीतीश कुमार ने कुछ भी कहा। विपक्ष के आरोपों पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। सीएम नीतीश कुमार के साथ जननायक कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि देने के लिए दोनों उपमुख्यमंत्री भी पहुंचे थे। मौके पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष भी मौजूद थे।

समस्तीपुर के लिए रवाना हुए नीतीश कुमार

दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पार्टी कार्यालय पहुंचे। यहां भी कर्पूरी ठाकुर के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। हालांकि बहुत देर वे यहां नहीं रुके। यहां भी बिना कुछ बोले वे चले गए। आज नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा है। इसके लिए सीएम नीतीश कुमार कार्यक्रम के बाद समस्तीपुर के लिए रवाना हो गए। बता दें कि एक वर्ष पूर्व 24 जनवरी 2024 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कर्पूरी ठाकुर की जयंती के मौके पर महागठबंधन में साथ रहते हुए लालू प्रसाद यादव पर हमला किया था और कहा था, कर्पूरी जी परिवारवाद के खिलाफ थे। हम भी कभी अपने परिवार को राजनीति में नहीं लाए, लेकिन कुछ लोग तो परिवार को ही आगे बढ़ाने में रहते हैं। उसके चार दिन बाद 28 जनवरी को नीतीश कुमार एनडीए में शामिल हो गए थे।

सम्राट चौधरी ने कहा- दोषियों पर होगी कार्रवाई

दूसरी ओर मोकामा की घटना पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। तेजस्वी यादव की ओर से बिहार में कानून-व्यवस्था पर उठाए गए सवाल को लेकर सम्राट चौधरी ने कहा कि जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी।

गैंगवार के चलते फायरिंग

पूर्व विधायक अनंत सिंह ने किया सरेंडर

मोकामा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मोकामा में बीते दिनों गैंगवार के तहत फायरिंग का मामला सामने आया है। इसमें मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पर भी कई राउंड फायरिंग की गई थी। हालांकि अनंत सिंह फायरिंग के बीच बाल-बाल बच गए। वहीं आज शुक्रवार को भी एक बार फिर फायरिंग होने की बात सामने आई थी। अब इस मामले में मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। शुक्रवार की दोपहर को उन्होंने बाढ़ सिविल कोर्ट में सरेंडर किया है। बता दें कि पुलिस ने आज ही फायरिंग करने वाले सोनू को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में सरेंडर करने के बाद अनंत सिंह को पटना की बेउर जेल में भेजा जाएगा। बता दें कि पहले बुधवार को नौरंग स्थित मुकेश सिंह के घर पर ताला खुलवाने को लेकर अनंत सिंह और सोनू-मोनू गैंग के बीच विवाद शुरू हुआ था। इस मामले में अनंत सिंह के समर्थकों और गैंगस्टर सोनू-मोनू के बीच भारी गोलीबारी हुई थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान करीब 60-70 राउंड फायरिंग दोनों तरफ से की गई थी। हालांकि पूर्व विधायक अनंत सिंह बाल-बाल बच गए थे। इस मामले में पंचमहला थाने में दोनों गुटों के खिलाफ कुल तीन एफआईआर दर्ज की गई।

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव के पिता का निधन

पैतृक गांव में आज होगा अंतिम संस्कार

शाहजहांपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

बॉलीवुड के फिल्म अभिनेता राजपाल यादव के पिता नौरंग यादव का निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। कई दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका दिल्ली के अस्पताल में इलाज हो रहा था। राजपाल यादव के बड़े बेटे श्रीपाल यादव के अनुसार, अंतिम संस्कार 25 जनवरी को लगभग पूर्वाह्न 11 बजे बंडा स्थित पैतृक गांव कुंडरा में होगा। मूलरूप से बंडा के कुंडरा गांव के रहने वाले अभिनेता राजपाल यादव ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनके पिता नौरंग यादव अन्य परिजनों के साथ पैतृक गांव कुंडरा में रहते थे। जनपद के रंगकर्मियों और अभिनेता के चाहने वालों ने राजपाल यादव के पिता का निधन होने पर शोक जताया है।

बेतिया डीईओ के यहां से मिले करोड़ों रुपये पर रोहिणी आचार्य का रिएक्शन

'नीतीश कुमार बेलगाम : डबल इंजन वाली सरकार का शासन भ्रष्टाचार का स्वर्णिम काल है'

बेतिया, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया में विजिलेंस की टीम ने बीते गुरुवार को यहां के डीईओ रजनीकांत प्रवीण के आवास पर छापेमारी की थी। कई और जिलों में भी छापेमारी हुई थी। बेतिया में छापेमारी के दौरान दो करोड़ के आसपास कैश मिले थे। मामला सामने आने के बाद डीईओ को निलंबित कर दिया गया। प्रदेश में कैसे भ्रष्टाचार हो रहा है इसको लेकर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला है। रोहिणी आचार्य ने इस पूरे मामले में शुक्रवार (24 जनवरी) को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा, नीतीश कुमार जी की बेलगाम डबल इंजन वाली सरकार का शासनकाल भ्रष्टाचार का स्वर्णिम काल है। सत्ता संरक्षित भ्रष्टाचारियों के द्वारा बोरों में ठूंस-ठूंस कर रखी गई काली कमाई 'भ्रष्टाचार मुक्त शासन' के दावे पर तमाचा है।

क्राइम और करप्शन पर उठाए सवाल

आगे रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट के जरिए बिहार में बढ़ते अपराध और करप्शन को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा, मुख्यमंत्री जी।। बड़ा सवाल ये है कि भ्रष्टाचार के बोरे कोई एक दिन या एक महीने या एक साल में तो भरे नहीं होंगे, ऐसे में आपके उन दावों का क्या जिनमें आप बार-बार कहते नजर आए हैं कि आपके शासन में क्राइम और करप्शन से कॉम्प्रोमाइज नहीं होता? सच तो ये है कि सिर्फ कॉम्प्रोमाइज ही होता है और आपकी सरकार के संरक्षण व सहमति से होता है। अंत में रोहिणी आचार्य ने मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह का नाम लिए बिना लिखा, क्राइम से कॉम्प्रोमाइज की बानगी तो अभी बिल्कुल ताजी ही है। गोली कांड में नामजद आपके चहेते बाहुबली की गिरफ्तारी के लिए आपके मातहत पुलिस अधिकारी न जाने किसके इशारे पर हाथ पर हाथ धरे लाचार बैठे हैं?

जब एक जिला स्तर के अधिकारी के काले कारनामों का आलम ऐसा है तो बड़े अधिकारियों व सत्ता में काबिज उनके आकाओं के कारनामे कैसे होंगे!

जंगलराज के सवाल पर भड़कीं मीसा भारती, मोकामा कांड को लेकर नीतीश सरकार पर किया हमला

पटना, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मोकामा गोलीकांड को लेकर बिहार की नीतीश सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। आरजेडी सांसद मीसा भारती ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष हमेशा सवाल उठाता रहा है कि बिहार में कानून-व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है। 60-70 राउंड गोलियां चलीं हैं। सरकार को जांच करनी चाहिए। सच्चाई जनता के सामने आने चाहिए। आरजेडी सांसद ने कहा कि मुझे दुख इस बात का है कि सरकार कार्रवाई के पक्ष में नहीं है। सुनने में आ रहा है कि जिन लोगों की ओर से गोलीबारी की गई है सरकार उन्हें और सुरक्षा दे रही है। उनके हौसले और बुलंद होंगे। ऐसी घटनाएं बिहार में और देखने को मिलेंगी। मुख्यमंत्री की तबीयत अस्वस्थ है। चंद लोग मिलकर सरकार चला रहे हैं। मुख्यमंत्री को मामले पर सफाई देनी चाहिए।

मैनावती मार्ग पर पलटी स्कूल बस, चालक की लापरवाही के चलते हुआ हादसा, कई बच्चे और शिक्षक घायल

कानपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर के मैनावती रोड पर दर्दनाक हादसा हो गया। इसमें जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल की बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। बस चालक की लापरवाही के कारण हादसा हुआ है। इसमें कई बच्चे और शिक्षक घायल हो गए हैं। स्थानीय लोग और पुलिस राहत व बचाव कार्य में जुटी है। घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है। डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि जीडी गोयनका स्कूल की एक बस कमानी टूट जाने के कारण पलट गई, जिसमें सात बच्चे और एक टीचर घायल हो गए हैं। सभी घायलों को संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाज के बाद सभी घायलों को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

मुरादाबाद में मजार के पास मिली युवती की डेडबॉडी

मुरादाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मुरादाबाद में एक युवती की डेडबॉडी मजार के पास नदी किनारे पड़ी मिली है। 25 साल की युवती 13 जनवरी से लापता थी। परिजनों ने थाने में उसकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। लापता होने वाले दिन युवती अपने घर से खेत पर परिजनों के लिए खाना लेकर निकली थी। घटना मुरादाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र में शाहपुर मुस्तकम गांव की है। यहां रहने वाले गणेश सैनी की बेटी पूजा (25 साल) 13 जनवरी से लापता थी। परिजनों के मुताबिक जंगल में ईंख की छिलाई का काम चल रहा था। इसलिए पूजा घर पर खाना बनाने के बाद खाना लेकर खेत पर जा रही थी। लेकिन वो खेत पर नहीं पहुंची। युवती का उसके बाद से कुछ पता नहीं चला। परिजनों ने पहले युवती को काफी खोजा फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस से 19 जनवरी को युवती की गुमशुदगी दर्ज की। 23 जनवरी को युवती की डेडबॉडी गांव से बाहर कोनी वाली मजार के पास नदी किनारे पड़ी मिली।

जयंत चौधरी ने सीएम योगी को लिखी चिट्ठी मुस्लिम बालिकाओं के लिए स्कूल खोलने की मांग

मुजफ्फरनगर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आरएलडी अध्यक्ष और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने बागपत के मिलाना और मुजफ्फरनगर के हरसौली में बालिकाओं के लिए राजकीय बालिका इंटर कालेज खोलने का अनुरोध किया है। एमजेएफ ट्रस्ट का हवाला देते हुए यह भी अवगत कराया कि मुजफ्फनगर और बागपत के विभिन्न गांव में मुस्लिम बालिकाओं की शिक्षा का स्तर आशा के अनुरूप नहीं है। बागपत का मिलाना गांव बिनौली ब्लाक और मुजफ्फनगर का हरसौली गांव बघरा ब्लाक में आता है। दोनों ही गांव मुस्लिम बाहुल्य है। जयन्त चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखकर दोनों ही गांव में राजकीय बालिका इंटर कालेज बनवाने का अनुरोध किया है ताकि मुस्लिम बालिकाओं की शिक्षा में भी सुधार हो सके। इसके लिए जयन्त चौधरी ने एमजेफ ट्रस्ट का हवाला दिया है। यह भी लिखा है कि बागपत और मुजफ्फरनगर के विभिन्न गांवों में मुस्लिम बालिकाओं के शिक्षा का स्तर आशा के अनुरूप नहीं है। इनके अलावा हरियाणा के पानीपत जनपद के नवादा गांव में भी मुस्लिम बालिकाओं के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को कालेज की स्थापना के लिए पत्र लिखा है। साल 2013 में मुजफ्फरनगर में दंगा हो गया था, जिसके बाद हिंदु और मुस्लिमों के बीच गहरी खाई हो गई थी।

ओडिशा से नवादा पहुंचे शख्स का अपहरण, फिरौती मांगते ही 2 घंटे में गिरफ्तार

नवादा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के नवादा में गुरुवार (23 जनवरी) को एक व्यक्ति का अपहरण हो गया। युवक संदीप पांडेय ओडिशा से नवादा स्थित ससुराल आया था। इस दौरान उसका किसी ने यहां अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद परिवार से 5 लाख 50 हजार रुपये की फिरौती मांगी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले में दो घंटे के अंदर युवक को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही अपहरण के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया। नवादा एसपी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर इस मामले की पूरी जानकारी दी गई। डीएसपी हुलास कुमार ने बताया कि नवादा में ससुराल आए एक व्यक्ति का अचानक अपहरण कर लिया गया था। युवक के परिवार से पांच लाख 50 हजार रुपये की फिरौती मांगी थी। इस मामले की जानकारी जब तक पुलिस को मिली तब तक पीड़ित परिवार अपहरणकर्ता की पत्नी के अकाउंट में एक लाख 99 हजार 500 रुपये भेज चुका था।

इस्लाम में आजादी, मुस्लिमों से शादी करो, मैंने भी की

टीचर बोलीं- अधिकारी लव जिहाद के लिए बरगलाती हैं; बीएसए ने मांगा जवाब

मुरादाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)। रामपुर में तैनात महिला खंड शिक्षा अधिकारी पर लव जिहाद के आरोप लगे हैं। महिला टीचर ने अधिकारियों से शिकायत की। कहा- एबीएसए महिला टीचर्स को मुस्लिमों से शादी के लिए बरगलाती हैं। कहती हैं इस्लाम में बहुत आजादी है। आप लोग भी मुस्लिमों से शादी करिए। मैंने भी की है। महिला टीचर ने कहा- एबीएसए अपने पद की आड़ में लव जिहाद और जातिवाद को बढ़ावा देने के साथ बच्चों को भी गुमराह कर रही हैं। पिछले दिनों एबीएसए के ऑफिस में तैनात एक बाबू का ऑडियो भी सामने आया था। जिसमें एक बाबू एबीएसए के लिए टीचर्स से रिश्वत की डिमांड कर रहा था। मामला रामपुर के स्वार ब्लॉक की एबीएसए बबीता सिंह से जुड़ा है। ये शिकायतें मुरादाबाद के कमिश्नर आन्जनेय सिंह तक भी पहुंची। इसके बाद कमिश्नर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को मामले में जांच कर कार्रवाई करने के आदेश दिए। मिलक खानम स्वार की प्रतिभा सिंह ने एबीएसए बबीता पर लव जिहाद को बढ़ावा देने के आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत डीएम-कमिश्नर और एडी बेसिक से की थी। जिसके बाद एडी बेसिक ने रामपुर बीएसए को मामले में जांच के आदेश दिए। रामपुर बीएसए राघवेंद्र सिंह ने इस मामले में एबीएसए बबीता सिंह से हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है।

देवरिया में 2 महिलाओं ने आपस में रचाई शादी, घर से भागकर मंदिर पहुंचीं, कहा- पति परेशान करते थे

देवरिया, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां गोरखपुर जिले की रहने वाली दो महिलाओं ने समलैंगिक विवाह किया है। महिलाओं ने यह शादी देवरिया के नाथ बाबा मंदिर में की है। इस शादी की चर्चा पूरे जिले में हो रही है। विवाह को लेकर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। गोरखपुर की रहने वाली दो महिलाएं अपने पति से इस कदर परेशान थीं कि वह अपने पति के घर में रहना पसंद नहीं करती थीं। दोनों ही महिलाओं की अपने-अपने पति से आए दिन किसी न किसी बात को लेकर झगड़ा होता रहता था। जिससे वह काफी तंग हो चुकी थी। इसके बाद दोनों महिलाओं ने बड़ा कदम उठाया और अपने-अपने पति को छोड़कर भगवान शिव के मंदिर शादी कर ली। इन दोनों महिलाओं ने अपने घरों से भाग कर शादी की है। दोनों विवाहित महिलाएं गोरखपुर जिले से भाग कर मंदिर देवरिया पहुंची थीं जहां उन्होंने मंदिर में शादी रचाई है। इन दोनों विवाहित महिलाओं का प्रेम पिछले कई सालों से था। यहां तक कि साथ जीने मरने की भी कसमें खाई थीं। महिलाओं ने कहा कि वह एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकतीं। इनमें से एक महिला पति बनी है तो दूसरी पत्नी बनी। उन्होंने शादी के दौरान अपना नाम भी बदला है। जिसमें से एक महिला ने अपना नाम गुंजा और दूसरी ने बबलू रख लिया है।

मुलायम सिंह यादव पर अभद्र टिप्पणी से भड़कीं छोटी बहू अपर्णा यादव, कहा- माफी मांगें महंत राजू दास

लखनऊ, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हनुमागढ़ी के महंत राजूदास ने दिवंगत सपा नेता मुलायम सिंह यादव को लेकर जो अभद्र टिप्पणी की है उसे लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी की ओर से इस पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है तो वहीं पूरे विवाद पर अब मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू और बीजेपी नेता अपर्णा यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने महंत राजू दास के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि उन्हें अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। मुलायम सिंह यादव पर महंत राजू दास के बयान पर अपर्णा यादव ने कहा कि ऐसी गलत पोस्ट अपने आप को चमकाने के लिए व्यक्ति करता है। इतने बड़े आप (महंत राजू दास) समाज से संबंध रखते हैं और आप ऐसी निकृष्ट बात करते हैं। ये आपसे अपेक्षित नहीं है अगर आपने किया है तो आपको माफी मांगनी चाहिए।

महंत राजू दास से की माफी मांग

अपर्णा यादव ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह की अभद्र टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। किसी को भी ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। जो भी व्यक्ति जिम्मेदार है जो भी व्यक्ति एक परंपरा से आ रहा है कहीं से संबंध रखता है उनको तो बिल्कुल नहीं करनी चाहिए थी। आप एक सिद्ध पीठ से आते हैं आपको ऐसा कृत्य नहीं करना चाहिए था, यह आपसे अपेक्षा नहीं थी। अगर कृत्य किया है तो आप माफी मांगे। मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंची अपर्णा यादव ने इस दौरान लोगों से ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की और कहा कि यादव तो हमेशा से सनातनी रहा है वो आज सनातनी नहीं हुआ है। तो मुझे लगता है कि लोगों को स्वतंत्रता है वो कहीं न कहीं तो वोट करेंगे, मेरी सभी से अपील है कि मिल्कीपुर की जनता वोट करने जरूर आए। ये एक ऐसा चुनाव है जिसे हम धर्म यज्ञ के तौर पर देखें तो मुझे लगता है कि हमारा वोट परसेंट भी बढ़ेगा।

हरियाणा में आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े समेत 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर, धोखाधडी का है आरोप

सोनीपत, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत की मुरथल थाना पुलिस ने धोखाधड़ी और ठगी के एक मामले में एक बहु-राज्य सहकारी सोसायटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े को भी नामजद किया गया है, जो सोसायटी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़े थे और इसके प्रचार में शामिल थे। उन पर एफडी और आरडी खातों के माध्यम से करोड़ों रुपये की ठगी का आरोप है। सोनीपत जिले के गांव हसनपुर के युवक विपुल ने मध्य प्रदेश के इंदौर में रजिस्टर्ड 'ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड' के मालिकों और अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी, ठगी और अनुबंधों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए डीजीपी को शिकायत दी थी। शिकायत के बाद मामले की जांच एसीपी अजीत सिंह को सौंप दी गई थी और मुरथल थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

क्या है पूरा मामला?

साल 2016 में मध्य प्रदेश के इंदौर में पंजीकृत इस सोसायटी ने देशभर में अपनी शाखाएं खोलीं और लोगों को एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) और आरडी (आवर्ती जमा) जैसी बचत योजनाओं के तहत निवेश करने का लालच दिया। सोसायटी ने दावा किया कि ये निवेश योजनाएं बेहद लाभकारी हैं और निवेशकों को तय समय पर उनकी परिपक्वता राशि (मैच्योरिटी अमाउंट) का भुगतान किया जाएगा। सोसायटी ने मल्टी-लेवल मार्केटिंग मॉडल के तहत काम किया, जिसमें लोगों से दूसरों को जोड़ने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाता था। पीड़ित विपुल ने भी इस नेटवर्क में लगभग एक हजार लोगों को जोड़ा था। शुरुआत में सभी निवेशकों को समय पर लाभ दिया गया, लेकिन 2023 तक स्थिति बदल गई। इसके बाद सोसायटी ने भुगतान बंद कर दिया और इसके अधिकारियों ने सिस्टम अपग्रेडेशन का हवाला देते हुए निवेशकों से संपर्क करना बंद कर दिया।

इन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

सोसायटी के संचालक, ब्रांड एंबेसडर, और कई अन्य अधिकारियों पर इस ठगी में शामिल होने का आरोप है। मामले में नामजद 13 लोगों में इंदौर के नरेंद्र नेगी, दुबई निवासी समीर अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, परिक्षित पारसे, मुंबई निवासी आरके शेट्टी, मुख्य ट्रेनर राजेश टैगोर, संजय मुदगिल, हरियाणा हेड पप्पू शर्मा, चंडीगढ़ निवासी आकाश श्रीवास्तव, चेस्ट ब्रांच अधिकारी रामकंवार झा, पानीपत निवासी शबाबे हुसैन, और ब्रांड एंबेसडर के तौर पर अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े शामिल हैं।

आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े का नाम भी शामिल

मुरथल थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार एक धोखाधड़ी के मुकदमे में अभिनेता आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े के शामिल होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह मामला उच्च अधिकारियों द्वारा प्राप्त एक शिकायत के बाद सामने आया, जिसमें धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। जांच उच्च अधिकारियों द्वारा ही की गई। जांच में जो तथ्य सामने आए उनके आधार पर 13 व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिनमें दो अभिनेता भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह मुकदमा एक कंपनी द्वारा जनता से एफडी और आरडी जैसी योजनाओं के नाम पर पैसे लेने के बाद लोगों को लाभ न देने के संबंध में दर्ज किया गया है। यह कंपनी 2016 में स्थापित की गई थी और इस मामले में सार्वजनिक रूप से लोगों से पैसे लिए गए थे, लेकिन बाद में उन्हें लाभ नहीं दिया गया। दोनों अभिनेता कंपनी के संबंध में शिकायतकर्ता द्वारा नामित किए गए थे और उनकी भूमिका कंपनी के भीतर बताई गई थी। मामले की गहन जांच की जाएगी और जो भी सबूत सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात में 'अल्प्राजोलम' बनाने वाली फैक्ट्री पर एटीएस का छापा

107 करोड़ की प्रतिबंधित दवा के साथ 6 गिरफ्तार

अहमदाबाद, 24 जनवरी (एजेंसियां)।

गुजरात के आणंद जिले में आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने अल्प्राजोलम दवा बनाने वाली एक फैक्टरी का पर्दाफाश किया है। साथ ही वहां से 107 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित दवाओं के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपी खंभात शहर के पास किराए पर ली गई एक फैक्टरी में अल्प्राजोलम नाम की दवा बनाते थे। जानकरी के अनुसार,अल्प्राजोलम नींद के लिए ली जाने वाली गोलियां हैं। एटीएस के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) हर्ष उपाध्याय ने कहा कि अल्प्राजोलम का नशीले पदार्थ के रूप में दुरुपयोग किया जाता है।

जिसके कारण यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टांसेस एक्ट, 1985 (एनडीपीएस) के दायरे में आती है।

उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस ने गुरुवार की शाम को फैक्टरी पर छापा मारा और 107 करोड़ रुपये कीमत की 107 किलोग्राम अल्प्राजोलम के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया।

हर्ष उपाध्याय ने कहा, अल्प्राजोलम के उत्पादन के लिए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) लाइसेंस जारी करता है। यह दवा भी एनडीपीएस अधिनियम के दायरे में आती है। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान आरोपियों के पास कोई लाइसेंस नहीं था। पांच आरोपी यूनिट संचालित कर रहे थे, जबकि छठा व्यक्ति रिसावर था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि इस दवा की आपूर्ति कहां की जानी थी और आरोपियों के मादक पदार्थ के नेटवर्क में कितने लोग शामिल हैं। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और जांच के बाद मादक पदार्थों के नेटवर्क पर और खुलासे होने की उम्मीद है।

उज्जैन जोन के 7 जिलों में 78 टन ड्रग्स नष्ट 8600 करोड़ रुपए बताई जा रही कीमत

उज्जैन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए 8600 करोड़ रुपये के ड्रग्स नष्ट किए। यह कार्रवाई उज्जैन जोन के सात जिलों में हुई। उज्जैन संभाग के सभी थानों में जब्त करीब 78 टन ड्रग्स को नीमच की विक्रम सीमेंट फैक्ट्री में नष्ट किया गया। सभी थानों में करीब 456 मामलों में जब्त डोडाचुरा, अफीम, स्मैक, एमडीएम, गांजा, चरस सहित अन्य मादक पदार्थ को पुलिस ने नष्ट किया। नीमच-मंदसौर जिले अफीम की खेती के लिए जाना जाते हैं। यहां बड़ी मात्रा में अफीम उत्पादन किया जाता है। नीमच जिले में मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े मामले आये दिन सामने आते रहते हैं। अधिकतर मामलों में पुलिस बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ अफीम, डोडाचूरा, गांजा आदि जब्त करती है। इन्हीं ड्रग्स को नष्ट किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर 11 जनवरी से 25 जनवरी तक ड्रग्स डिस्पोजल पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को नीमच जिले के जावद थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली विक्रम सीमेंट फैक्ट्री अल्ट्राटेक के सीमेंट प्लांट के बॉयलर में गुरुवार को 10 प्रकार के मादक पदार्थ का नष्टिकरण किया गया। ड्रग्स की मात्रा 78 टन थी, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 8600 करोड़ रुपए है। इस प्रक्रिया में पुलिसकर्मी कई गाड़ियों में पिछले साल जब्त किए गए मादक पदार्थ लेकर सीमेंट फैक्ट्री पहुंचे थे। उज्जैन जोन के सात जिलों नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा, देवास, शाजापुर के विभिन्न थाना क्षेत्र में जब्त किए गए मादक पदार्थ को नष्ट किया गया। इस दौरान उज्जैन जोन के आईजी उमेश कुमार योगा रतलाम रेंज के डीआईजी मनोज कुमार सिंह सहित चार जिलों के एसपी और बड़ी संख्या में डीएसपी थाना प्रभारी करीब 200 पुलिसकर्मी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की मौजूदगी में ड्रग्स नष्ट किए गए।

मुंबई में 20 साल की लड़की से बलात्कार, ऑटो रिक्शा के ड्राइवर पर आरोप

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई में 20 साल की एक लड़की से कथित तौर पर बलात्कार का मामला सामने आया है। इसका आरोप एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर पर लगा है। मुंबई पुलिस ने जानकारी दी है कि ऑटो-रिक्शा चालक के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। ये घटना मुंबई के वनराई पुलिस स्टेशन की हद में हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मुंबई पुलिस में डीसीपी (जोन 12) स्मिता पाटिल ने बताया है कि मुंबई पुलिस ने ऑटो-रिक्शा चालक के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। डीसीपी के मुताबिक, ऑटो ड्राइवर ने वसई इलाके में 20 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया और फिर उसे मुंबई के राम मंदिर इलाके में बेहोशी की हालत में छोड़ दिया। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़िता लड़की लगातार बयान बदल रही है।

नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई: सोनीपत के खरखौदा में 117 किलो गांजा पकड़ा, स्कॉर्पियो गाड़ी में रखे थे 57 पैकेट

सोनीपत, 24 जनवरी (एजेंसियां)। स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट, सेक्टर-7 की टीम ने रोहणा फ्लाईओवर के पास पीर बाबा के पास से स्कॉर्पियो गाड़ी सवार मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी को 117 किलो गांजा सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी गांव रोहणा निवासी राकेश है। पुलिस आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी। स्पेशन एंटी गैंगस्टर यूनिट प्रभारी इंस्पेक्टर अजय धनखड़ ने बताया कि उनकी टीम में शामिल एसआई कृष्ण अपनी टीम में शामिल एएसआई पवन कुमार, प्रदीप कुमार, कृष्ण व प्रवीण के साथ गश्त कर रहे थे। टीम नेशनल हाईवे-334बी पर सांपला बाईपास बरोणा रोड फ्लाईओवर के पास मौजूद थे। उन्हें सूचना मिली कि गांव रोहणा निवासी राकेश उर्फ जेलदार अपने गांव के पास फ्लाईओवर पर पीर बाबा के नजदीक गाड़ी लेकर खड़ा है। उसकी गाड़ी में मादक पदार्थ की खेप है। वह पहले भी मादक पदार्थ तस्करी में शामिल रहा है। जिस पर पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर छापा डाला। पुलिस ने राकेश को काबू करने के साथ ही गाड़ी को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आरोपी को नोटिस देकर तलाशी देने को कहा। आरोपी ने राजपत्रित अधिकारी के सामने तलाशी देने को कहा तो उपायुक्त कार्यालय में संपर्क किया गया। उस पर उपायुक्त कार्यालय से खरखौदा तहसीलदार मनोज कुमार को बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट भेजा गया। उनके सामने तलाशी ली गई तो राकेश के पास से सात हजार रुपये व मोबाइल मिला। उसके बाद गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसमें 57 पैकेट बरामद किए गए। जिनमें गांजा भरा था। पैकेट में 117.57 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ खरखौदा थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

अंबेडकर प्रतिमा हटाकर पांव में रखी, भड़के लोग

इंदौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में संत रविदास और डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाएं हटाए जाने पर लोग भड़क गए हैं। नगर निगम ने आरई-2 से इन प्रतिमाओं को हटाया जिस पर बवाल हो रहा है। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने भी कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने नगर निगम और जिला प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रतिमाओं को बिना किसी नोटिस के हटाया गया है। दिग्विजयसिंह ने दावा किया कि जिन प्रतिमाओं का अनावरण भाजपा विधायक महेंद्र हार्डिया ने किया था, उन्हें हटाने पर हार्डिया सहित किसी भी भाजपा नेता ने विरोध नहीं किया। प्रशासन और निगम ने बिना किसी पूर्व सूचना के विधानसभा क्षेत्र-5 स्थित आरई-2 से इन प्रतिमाओं को हटाया है।

बिना किसी नोटिस के हटाया गया

उन्होंने नगर निगम और जिला प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रतिमाओं को बिना किसी नोटिस के हटाया गया है। दिग्विजयसिंह ने दावा किया कि जिन प्रतिमाओं का अनावरण भाजपा विधायक महेंद्र हार्डिया ने किया था, उन्हें हटाने पर हार्डिया सहित किसी भी भाजपा नेता ने विरोध नहीं किया। प्रशासन और निगम ने बिना किसी पूर्व सूचना के विधानसभा क्षेत्र-5 स्थित आरई-2 से इन प्रतिमाओं को हटाया है।

भाजपा विधायक बोले मैंने अनावरण नहीं किया

हालांकि, विधायक महेंद्र हार्डिया ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने इन प्रतिमाओं का अनावरण नहीं किया था। उन्होंने बताया कि वे केवल एक बार किसी परिचय सम्मेलन में गए थे, जहां उन्होंने प्रतिमाओं पर पुष्प माला चढ़ाकर प्रणाम किया था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जानकारी नहीं है कि प्रतिमाएं कब और क्यों हटाई गई हैं। वर्तमान में शहर से बाहर होने की बात कहते हुए हार्डिया ने यह आश्वासन दिया कि इंदौर लौटने पर वे पूरे मामले को समझेंगे।

पैरों में रखकर अपमान किया

दिग्विजयसिंह ने आगे आरोप लगाया कि दोनों प्रतिमाओं को जीप में पैरों के नीचे रखकर ले जाया गया, जो बेहद अपमानजनक है। उन्होंने मांग की है कि दोनों प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक फिर से स्थापित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस कमिश्नर से इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

स्कूल के जूते में छिपा था रसेल वाइपर सांप, छात्र के पैर डालते ही हुई गुदगुदी

भोपाल, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल में एक स्कूल बच्चे की जान बाल-बाल बच गई। बच्चे स्कूल के लिए तैयार हो रहा थी। इसी दौरान उसके साथ कुछ ऐसा हुआ कि उसकी चीख निकल गई। छात्र ने अपनी स्कूल की यूनिफार्म पहन ली थी। वह जूते पहनकर स्कूल के लिए निकलने ही वाला था कि उसे पैरे में कुछ हलचल महसूस हुई। छात्र ने जब जूता उतारकर देखा तो, उसमें जहरीला रसेल वाइपर सांप कुंडली मारकर बैठा हुआ था। भोपाल के होशंगाबाद रोड स्थित गुलाबी नगर इलाके में 14 साल का आयुष्मान रहता है। आयुष्मान 9वीं क्लास का छात्र है। छात्र स्कूल में जाने की तैयारी कर रहा था। वह बरामदे में रखे जूते को लेकर छत पर चला गया। वह ले जाकर जूतों पर पॉलिश की। इसके बाद आयुष्मान ने पहले लेफ्ट जूता पहना, फिर राइट जूता पहनने लगा। राइट जूता पहनते हुए उसे जूते के अंदर से गुदगुदी सी होने लगी। छात्र ने जूता उतारकर देखा तो उसमें जहरीला रसेल वाइपर नस्ल का सांप कुंडली मारकर बैठा हुआ था।

कर्नाटक में फिर मिला 'मंकीपॉक्स' का केस, दुबई से आया शख्स संक्रमित

बेंगलूरू, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में एक बार फिर से मंकीपॉक्स का ममला सामने आया है। इस बार इस बीमारी का मामला कर्नाटक में दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, दुबई से आया एक शख्स जांच में वायरस से संक्रमित पाया गया है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि दुबई से आया 40 साल का एक शख्स जांच में मंकी पॉक्स से संक्रमित पाया गया है। और बताया है कि कर्नाटक में इस साल मंकीपॉक्स का यह पहला मामला है।

कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी है कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे द्वारा 22 जनवरी की तारीख को उडुपी जिले के करकला क्षेत्र के एक 40 वर्षीय पुरुष में मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई है। जानकारी के मुताबिक, शख्स बीते 19 साल से दुबई में रह रहा था और बीते 17 जनवरी को कर्नाटक के मंगलुरु आया था। कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जब शख्स दुबई से वापस आया तब उसमें चकत्ते के लक्षण दिखे। इससे दो दिन पहले उसे बुखार भी आया था।

इसके बाद शख्स को तुरंत ही एक प्राइवेट अस्पताल में आइसोलेशन में रखा गया। इसके बाद शख्स का नमूना लेकर बैंगलोर मेडिकल कॉलेज और उसके बाद एनआईवी, पुणे भेजा गया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, मंकीपॉक्स से संक्रमित व्यक्ति की हालत स्थिर है और उसे जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग लोगों को सलाह दी है कि मंकीपॉक्स की संक्रामकता बहुत कम है। ऐसे किसी मामले की जानकारी देने में घबराना नहीं चाहिए। बीमारी से जुड़े सामान्य लक्षणों जैसे बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, ठंड लगना, पसीना आना, गले में खराश और खांसी के साथ त्वचा पर चकत्ते आदि पर नजर रखें और जांच करवानी चाहिए।

लव मैरिज का द एंड

शादी के बाद कनाडा में रहने लगा कपल, पति को काटनी पड़ी जेल, पंजाब आते ही फिर हुआ अरेस्ट

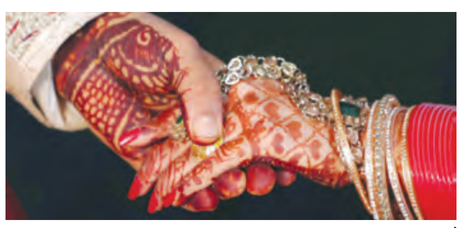

जगरांव, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रेम विवाह के बाद पत्नी के साथ कनाडा गए पंजाब के जगरांव के गांव तलवंडी राय के जसप्रीत सिंह को कनाडा सरकार ने भारत वापिस डिपोर्ट कर दिया। कनाडा की जेल में भी जेल की सजा काटने के बाद जसप्रीत बुधवार की देर रात को वापिस दिल्ली पहुंचा। एयरपोर्ट पहुंचते ही पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। जसप्रीत को लुधियाना देहाती के थाना एनआरआई की पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। लुधियाना देहाती के थाना एनआरआई में उसकी पत्नी की तरफ से वर्ष 2020 में दर्ज करवाए केस में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। एनआरआई थाना पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया जहां से जसप्रीत सिंह को सात फरवरी तक लुधियाना जेल भेजा गया है।

मारपीट, दहेज प्रताड़ना का लगाया आरोप

कनाडा पहुंचने के बाद प्रभजोत कौर ने उसपर मारपीट, दहेज मांगने और अन्य कई आरोप लगाए। प्रभजोत कौर ने पति के खिलाफ कनाडा पुलिस को शिकायत देने के साथ लुधियाना में भी एनआरआई पुलिस को भी ई-मेल के जरिये शिकायत दी। पुलिस ने प्रभजोत कौर की शिकायत पति जसप्रीत सिंह, जसप्रीत के पिता हरजिंदर सिंह और मां इंद्रजीत कौर के खिलाफ भी केस दर्ज किया था। जसप्रीत के माता-पिता को गांव खडूर से पुलिस ने वर्ष 2021 में ही गिरफ्तार कर लिया था, जो इस समय जमानत पर बाहर हैं, जबकि खुद पांच साल बाद कनाडा से लौटा जसप्रीत सिंह को अब पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जमीन पर बैठ क्यों फूट-फूटकर रोने लगीं कांग्रेस की विधायक ममता राकेश?

रुड़की, 24 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के रुड़की के भगवानपुर में मतदान केंद्र के बाहर पुलिस ने लोगों पर लाठियां भांजी। इसको लेकर विधायक ममता राकेश रो-रो कर अपने साथ धोखे का हवाला देते हुए धरने पर बैठ गईं। भगवानपुर कस्बे के बीडी इंटर कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्र के अंदर लाइन में लगी महिलाओं पर किसी ने पत्थर फेंके। पत्थर फेंकने के कारण मौके पर हंगामा खड़ा हो गया। इसके बाद आक्रोशित भीड़ पर पुलिस पर पथराव करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने भी लाठी फटकराते हुए भीड़ को दूर तक खदेड़ा। भगवानपुर में मामले को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। घटना को लेकर विधायक ममता राकेश अपने बेटे अभिषेक राकेश और समर्थकों सहित धरने पर बैठ गईं। इस दौरान विधायक ममता राकेश अपने बेटे अभिषेक राकेश और समर्थकों सहित फूट-फूटकर रो पड़ीं।

पहली बार बनाया गया मतदान केंद्र

दरअसल, भगवानपुर कस्बे में नगर पंचायत के वार्ड पांच का मतदान केंद्र पहली बार कस्बे के बीडी इंटर कॉलेज में बनाया गया था। यहां पर शाम पांच बजे तक मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चलता रहा। शाम पांच बजे पुलिस ने मतदान का समय पूरा होने पर मतदान केंद्र का गेट बंद कर दिया था। मतदान केंद्र के अंदर करीब 200 महिलाएं और पुरुष लाइन में लगे हुए थे। इस दौरान किसी ने लाइन में लगी महिलाओं पर पत्थर फेंक दिए। इसके बाद लोगों ने मौके पर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा होता देख मौके पर भगदड़ मच गई। वहीं पुलिस ने लाठी फटकारी तो लोग बाहर की तरफ दौड़ पड़े। सूत्रों के मुताबिक, वहीं बाहर आने के बाद भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। आरोप है कि इसके बाद ही पुलिस ने भीड़ को लाठी फटकारते हुए भगवानपुर टेलीफोन एक्सचेंज तक खदेड़ा।

विधायक ममता ने लगाया धोखे का आरोप

वहीं, भगवानपुर हाईवे पर इस घटना से अफरा-तफरी मच गई। लाठी फटकारने की सूचना मिलने के बाद विधायक ममता राकेश अपने बेटे अभिषेक राकेश और समर्थकों सहित मौके पर पहुंची और मतदान केंद्र के बाहर रोते हुए अपने साथ धोखा होने का हवाला देने लगीं। इसके बाद ही वो धरना पर बैठ गईं। इस दौरान ममता राकेश, बेटे अभिषेक राकेश और समर्थकों सहित फूट-फूटकर रो पड़ीं और पुलिस पर लोगों को मतदान नहीं करने और लाठी से फटकार कर भगाने का आरोप लगाया। इसकी सूचना मिलते ही भगवानपुर एसडीएम जितेंद्र कुमार और सीओ मंगलौर विवेक कुमार मौके पर पहुंचे।

ये कैसी याचिका

विधवाओं के लिए करवाचौथ की कर दी मांग हाईकोर्ट ने सिखाया सबक, ठोक दिया जुर्माना

चंडीगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मान्यता यह है कि करवाचौथ सुहागिनों का पर्व है। सुहागिनें अपने पति की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखती हैं। दिनभर बिना कुछ खाए और पिए निर्जला उपवास रखती हैं। यह व्रत पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाने वाला और प्यार-विश्वास, सुख बढ़ाने वाला पर्व है। वहीं, पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में एक ऐसी याचिका लगा दी गई, जिसमें विधवाओं के लिए भी करवाचौथ की मांग कर दी गई। याची ने करवाचौथ को उत्सव घोषित करने और इसे विधवा, तलाकशुदा या सहमति संबंध में रहने वाली महिलाओं के लिए भी अनिवार्य बनाने की अजीब मांग कर दी। इस याचिका को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने खारिज तो किया ही वहीं याची को सबक सिखाते हुए उसपर जुर्माना भी ठोक दिया। अदालत ने याची पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए याचिका को खारिज कर दिया है।

याचिका दाखिल करते हुए पंचकूला निवासी नरेंद्र कुमार मल्होत्रा ने हाईकोर्ट से अपील की कि करवाचौथ को उत्सव घोषित किया जाए। याची ने हाईकोर्ट से अपील की कि केंद्र सरकार को आदेश दिया जाए कि विधवा, तलाकशुदा या सहमति संबंध में रहने वाली महिलाओं को इसमें शामिल किया जाए। समाज का कोई भी वर्ग यदि इसका विरोध करता है तो इसे अपराध मानते हुए दंड का प्रावधान किया जाना चाहिए।

याची ने कहा कि इसके लिए कानून बनाने का केंद्र सरकार को आदेश दिया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि यह एक सामाजिक मुद्दा है, जिसे लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। कानून बनाना विधायिका का काम है, न्यायपालिका का नहीं। हमारा काम केवल कानून में को भेद-भाव, त्रुटि, अन्याय आदि की स्थिति में नागरिकों के सांविधानिक अधिकारों की रक्षा करना है। याची ने हमारा बहुत कीमती समय बर्बाद किया है, इसके लिए उसे जुर्माना अदा करना होगा।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 25 जनवरी - 2025

नौ साल में शादी का कानून

नया इराकी कानून मुस्लिम बच्चियों के लिए कितना भयानक और कष्टदायी हो सकता है इसका सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है। खासकर शिया लड़कियों के लिए जिनकी शादी की उम्र 9 साल की निर्धारित करने का अधिकार मौलवियों को दे दिया गया है। सुन्नी मुस्लिमों के लिए अलग उम्र तय की जा रही है। इराक में लड़कियों की शादी की उम्र को घटाने वाले एक विधेयक के संसद से पास होने का बाद देश के अंदर से ही इसके खिलाफ आवाज उठने लगी है। नागरिक और महिला अधिकार समूहों ने इस विधेयक को लड़कियों और बच्चियों के लिए भयावह बताया है। इस विधेयक के पास होने के बाद अब इराक में लड़कियों की शादी 9 साल की उम्र में की जा सकेगी। इराकी संसद ने अपनी वेबसाइट पर कहा है कि उसने व्यक्तिगत स्थिति कानून में संशोधन का प्रस्ताव और सामान्य माफी कानून का दूसरा संशोधन अपनाया है। नए संशोधनों में इस्लामिक अदालतों को विवाह, तलाक और विरासत समेत पारिवारिक मामलों पर अधिकार दिए गए हैं। इराक का वर्तमान कानून अधिकांश मामले में विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित करता है। लेकिन मंगलवार को पारित किए गए संशोधन का मतलब है कि छोटी उम्र में ही बच्चियों की शादी कर देना है। इसकी अनुमति मौलवी इस्लामिक कानून की अपनी व्याख्या के अनुसार देंगे। बता दें कि इराक में कई शिया धार्मिक अधिकारी जाफरी स्कूल के इस्लामिक कानूनों को अपनाते हैं, जिसके तहत लड़कियों की शादी 9 वर्ष तक की उम्र में की जा सकती है। संशोधनों का समर्थन इराक के रूढ़िवादी शिया सांसदों ने भी किया है, जो इसे इराकी संस्कृति पर पश्चिमी असर को कम करने के साधन के रूप में देखते हैं। इराक में बहुसंख्यक शिया मुसलमानों के लिए लड़कियों की शादी की उम्र 9 साल होगी जबकि सुन्नियों के लिए आधिकारिक आयु 15 वर्ष होगी। इस बिल के विरोध में सिविल सोसाइटी और महिला समूह लामबंद हो गए हैं। राजधानी बगदाद और देश भर के अन्य शहरों की सड़कों पर इसके विरोध में प्रदर्शन किया जाने लगा है। प्रदर्शनकारी इसे काला कानून बताने से भी नहीं चूक रहे हैं। इराक का 1959 का व्यक्तिगत स्थिति कानून 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को विवाह पर प्रतिबंध लगाता है। हालांकि, यदि न्यायाधीश और माता-पिता दोनों अनुमति देते हैं, तो 15 वर्ष की आयु तक लडकियों के लिए अपवाद बनाया जा सकता है। ब्राउन यूनिवर्सिटी में मानव विज्ञान और मध्य पूर्व स्टडी के प्रोफेसर नादजे अल-अली के अनुसार, इराक का 1959 का कानून इराकी महिला लीग से काफी प्रभावित था और यह क्षेत्र के सबसे प्रगतिशील कानूनों में गिना जाता है। महत्वपूर्ण बात यह थी कि यह शिया और सुन्नी दोनों पर लागू होता था। सद्दाम हुसैन शासन के पतन के बाद से ही इस्लामिक कट्टरपंथियों ने इसे बदलने की कोशिश की है, लेकिन इस बार वे इसे पूरा करने में सफल हुए हैं। यह 2003 के अमेरिकी आक्रमण के बाद इराक के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटना मानी जा रही है। यह संशोधन 1959 के कानून को बदल देगा। यह मुस्लिम परिवारों को चुनने का मौका देगा कि वे नागरिक या धार्मिक कानून में से किसके तहत शादी करना चाहते हैं। वर्तमान में विवाह और तलाक को सरकार से मान्यता प्राप्त नागरिक अदालतों से गुजरना पड़ता है। जो लोग धार्मिक कानून के तहत शादी करना चुनते हैं, उन्हें सुन्नी या शिया में से किसी एक व्यवस्था को चुनना होगा।

नकली दुनिया की पोल खोलता आईआईटी बाबा 'अभय सिंह'

डॉ सत्यवान सौरभ

एक दिन जब मैंने आईआईटी बाबा अभय सिंह का वीडियो देखा तो मेरा नज़रिया पूरी तरह बदल गया। मान लीजिए कि आपके पास सब कुछ हैः आईआईटी बॉम्बे की डिग्री, एक आशाजनक एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करियर और एक ऐसा जीवन जिसकी ज़्यादातर लोग सिर्फ़ कल्पना कर सकते हैं लेकिन हमेशा की तरह चलने के बजाय, उन्होंने ऐसा चुनाव किया जिसने सभी को चौंका दिया। उन्होंने ज़्यादा आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए सब कुछ त्याग दिया। पहले तो मुझे यक़ीन ही नहीं हुआ—कोई इतना उज्ज्वल भविष्य क्यों छोड़ेगा?—लेकिन जैसे-जैसे मैंने उन्हें बात करते सुना, सब कुछ समझ में आने लगा। उन्होंने जीवन में एक वास्तविक उद्देश्य, शांति और अर्थ खोजने के महत्त्व पर चर्चा की—ऐसी चीज़ें जिन्हें कोई भी धन या सफलता कभी नहीं खरीद सकती। यह एक शक्तिशाली कहानी थी। इसने मुझे यह एहसास दिलाया कि जीवन सिर्फ़ समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने या भीड़ का अनुसरण करने के बारे में नहीं है, बल्कि अपना रास्ता खोजने के बारे में है। मैंने पहले सोचा, ₹एक आईआईटीयन इतना मूर्ख कैसे हो सकता है कि अपनी उच्च-भुगतान वाली, आलीशान नौकरी छोड़ दे? वह अपनी दो डिग्रियाँ कैसे बर्बाद कर सकता है?₹ और फिर मुझे समझ में आया कि ₹बचपन का सदमा₹ शब्द बहुत सारे नकारात्मक अर्थ रखता है।

उनके साक्षात्कार वीडियो पर टिप्पणियाँ पढ़कर मुझे और भी बुरा लगा। जहाँ कई लोग उनकी प्रशंसा कर रहे थे, वहीं दूसरे लोग उन्हें नज़रअंदाज़ कर रहे थे। यहाँ मेरा उद्देश्य किसी भी तरह से उनका बचाव करना नहीं है। चलिए आगे की बात करते हैं।

बहुत शोर मचाया जा रहा है कि आईआईटी बाबा ने सरकारी फ़ंड वाली सीट बरबाद कर दी। मेरी राय में जो लोग ऐसा कहते हैं, उन्हें कुछ बुनियादी बातों को समझने की ज़रूरत है। बहुत ज़्यादा पढ़ाई करने के बाद, अभय सिंह को आईआईटी में दाखिला मिल गया और उन्होंने अपनी डिग्री हासिल की। उन्होंने कोर्स में कोई बाधा नहीं डाली। फिर, इस तर्क से आईआईटी के बाद एमबीए और यूपीएससी करने वालों ने सीटें बरबाद कर दीं। तो फिर, मुझे बताइए कि उन्होंने सीटें कैसे बरबाद कीं। अगर उन्होंने कोर्स पूरा नहीं किया होता, तो भी यह तर्क कुछ हद तक सही होता, लेकिन चूँकि उन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग पूरी की है, इसलिए किसी को यह दावा नहीं करना चाहिए कि उन्होंने अपनी सीट बरबाद कर दी। देखिए कि उनका नज़रिया कितना बेहतरीन है। उनके पास सब कुछ थाः सबसे अच्छी औपचारिक शिक्षा, सबसे अच्छी नौकरी, विदेश यात्रा, गर्लफ्रेंड और रिश्ते। फिर उन्होंने अपने अंदर खालीपन महसूस किया और संन्यास की राह पर चलने का फ़ैसला किया।

मुझे कहना होगा कि वे एक ईमानदार व्यक्ति लगते हैं। वे हरियाणा के मूल निवासी हैं। झज्जर, हरियाणा में ही उनका जन्म हुआ। उनकी माँ घर पर रहती हैं जबकि उनके पिता वकालत करते हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा के लिए झज्जर में पढ़ाई की। वे कम उम्र से ही एक असाधारण छात्र थे। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की।

कांग्रेस के खस्ता हाल के लिए जिम्मेदार कौन ?

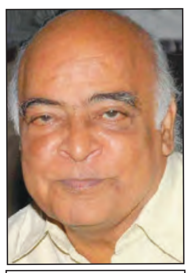

अशोक भाटिया

1977 के चुनावों के बाद, कांग्रेस विभाजित हो गई और दो कांग्रेस दल थे, इंदिरा कांग्रेस और रेड्डी कांग्रेस। मूल कांग्रेस रेड्डी कांग्रेस थी। बाद में, रेड्डी कांग्रेस का इंदिरा कांग्रेस में विलय हो गया। इसलिए यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आज राहुल और सोनिया की कांग्रेस इंदिरा कांग्रेस है। यह पार्टी उनकी निजी संपत्ति नहीं है। केवल गुलामों के लिए अवसर है। सरदार वल्लभभाई, राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री, मोरारजी, नरसिम्हा राव, प्रणव दा का इस जगह में कोई स्थान नहीं है। जो चाटुकार हैं वही आज की कांग्रेस की वास्तविकता हैं। तो इस नई इमारत में एकमात्र जगह मनमोहन सिंह थे, वह भी एक कोने में। दूसरी ओर, राहुल बाबा, इस कांग्रेस नामक निजी संपत्ति के एकमात्र ट्रस्टी, किसी भी भारत विरोधी ताकतों के एजेंडे को चलाने में सक्षम हैं। और उन्होंने बांग्लादेश की तर्ज पर तख्तापलट के बाद अराजकता पैदा करने और खुद को प्रधानमंत्री बनाने का वादा किया है। वह इन दिवास्वप्नों को आगे बढ़ाने के लिए डीप स्टेट के प्रवक्ता बन गए हैं। इस एजेंडे में पहला है यहां विभिन्न जातियों को विभाजित करना, यानी हिंदुओं को विभाजित करना और मुसलमानों और ईसाइयों को खलनायक बनाना। नंबर दो भारत के विकास का विरोध करना है। तीसरा राष्ट्र-विरोधी ताकतों को प्रोत्साहित करना है, चाहे वह खालिस्तान हो, नक्सलवाद हो या शहरी माओवादी हों। चौथा, अदालतें, पुलिस, सेना उन सभी के लिए एक नैतिक अहित है और उनके बारे में लोगों में अविश्वास पैदा करती है। यह उतना दुर्भाग्यपूर्ण नहीं है कि कांग्रेस और राहुल गांधी जैसा नेता देश में अराजकता का प्रतीक बन गया है। इंदिरा भवन में अपने भाषण में उन्होंने जो सितारे तोड़े हैं, वे एक माओवादी या अब प्रचलित डीप स्टेट प्रवक्ता के लिए उपयुक्त हैं। जब आरएसएस और भाजपा के साथ लड़ने की बात आती है, तो सबसे पहले यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह जॉर्ज सोरस और माओवादियों द्वारा प्रशिक्षित एक अत्यधिक जहरीले वैचारिक बच्चे पप्पू नहीं हैं। इन सितारों के टूटने का अवसर इंदौर में मोहनजी भागवत का बयान था। वास्तव में, सरसंघचालक ने जो कहा वह एक निर्विवाद सत्य है। उनके भाषण में कहीं भी स्वतंत्रता या स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का कोई सवाल ही नहीं था। देश को आजादी मिली, यह किसी राजनीतिक दल की विरासत नहीं है। वह गुलामी का शिकार था। इस प्रकार इस तथ्य को मुखर करने में कोई गलती नहीं थी कि विदेशी गुलामी के कई प्रतीक एक स्वतंत्र देश में खड़े थे जिसने खून, पसीना और आँसू खो दिए थे, उनमें से एक बाबरी मस्जिद थी, जिसे राम मंदिर को नष्ट करके बनाया गया था। इसके लिए बहुत अधिक नैतिक अधिकार की आवश्यकता होती है। आपको निस्वार्थ होने का जीवन जीना होगा और इसे स्थापित करने के लिए अदम्य साहस चाहिए। सोने का एक चम्मच लेकर पैदा हुए और हर दो महीने में विदेश यात्रा करके उपभोक्तावादी संस्कृति में रहते हुए, राहुल गांधी को संघ और संघ के नेतृत्व को समझने के लिए कुछ और जन्म लेने होंगे। अडानी के बहाने भारतीय अर्थव्यवस्था को धमकाने के लिए हिंडनबर्ग की झूठी रिपोर्ट का उपयोग करना देशद्रोह है। सरसंघ संचलाक मोहनजी भागवत जैसे देशभक्त इस देश के ज्योतिषी हैं। आप सरसंघचालक की बात कर सकते हैं क्योंकि स्वयंसेवक धैर्यवान होते हैं और संविधान के अनुसार व्यवहार करते हैं। लेकिन अगर आप ऐसी बात करते रहेंगे तो आपको राजनीति छोड़कर अदालत जाना पड़ेगा। राहुल गांधी को मोहन भागवत जी के भाषण में देशद्रोह दिखाई दिया। वह सरसंघचालक की गिरफ्तारी की बात करने लगे। टीम नेतृत्व को गिरफ्तार करने के लिए कहा गया है। उन्होंने टीम को खत्म करने की शपथ ली है। लेकिन दुर्भाग्य से उसके लिए, टीम समाप्त नहीं हुई है, यह बढ़ी है, यह बढ़ रही है और आज टीम के विचार का प्रभाव हर जगह है, टीम सामाजिक रूप से विविध हो रही है। एक जिम्मेदार विपक्षी दल या सत्ता के लिए बेताब एक राजनीतिक समूह के रूप में, कांग्रेस के नेता वास्तव में खुद को क्या होते देखना चाहते हैं? लेकिन देश ने, देश की जनता ने आत्मनिर्भर भारत को विश्वगुरु के पद पर ले जाने का फैसला कर लिया है। समाज में अपनी विदेशी गुलामी के सभी निशान मिटा देने की आत्म-चेतना है। इसके लिए वो एक ऐसा लीडर ढूंढेगा या तैयार करेगा जो इन आकांक्षाओं को पूरा करे। एक जिम्मेदार विपक्ष और नेता होगा या फिर समाज में प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता को चुनने की क्षमता है। राहुल गांधी को विदेशी शक्तियों का प्रवक्ता बनना बंद कर देना चाहिए। कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा , यह सवाल कांग्रेस के लिए भी बार – बार उभर कर सामने आता है कि आखिर देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस की दुर्गति का जिम्मेदार कौन है? कई जानकारों के अलावा अब पार्टी के भीतर भी इसके लिए गांधी परिवार को जिम्मेदार माना जा रहा है। यह निष्कर्ष सच तो है, किंतु यही पूरी सच्चाई नहीं। क्या इस संदर्भ में केवल गांधी परिवार को ही दोषारोपित करना उचित होगा? पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में हार के बाद सोनिया गांधी पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष बनी हुई हैं। राहुल गांधी परोक्ष रूप से पार्टी के निर्णायक फैसले ले रहे हैं। तमाम कोशिश के बावजूद प्रियंका गांधी वाड्रा उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति में कोई सुधार नहीं कर पाईं। वस्तुतः परिवारवाद कांग्रेस की समस्याओं की जड़ है तो उसके बीज भी पार्टी ने ही बोए थे। इसकी शुरुआत जवाहरलाल नेहरू के दौर में हो गई थी। परिणामस्वरूप विगत साढ़े सात दशकों में एकाध अपवाद को छोड़ दिया जाए तो कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर गांधी परिवार ही काबिज रहा है। इसमें पिछले ढाई दशकों के दौरान पार्टी की राजनीतिक जमीन खिसकती ही गई। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या नेतृत्व परिवर्तन से ही पार्टी का कायाकल्प संभव है? हाल के वर्षों का राजनीतिक रुझान दर्शाता है कि जहां भी कांग्रेस तीसरे स्थान पर पहुंची, वहां वह दोबारा नहीं उभर पाई। दिल्ली इसका सबसे ताजा उदाहरण है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ ही अब दो ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस की अपने दम पर सरकार बची है। राज्यसभा में उसके सदस्यों की संख्या सिमटकर 33 रह गई है। अपने आरंभिक काल में कांग्रेस में विविध विचारधारा वालों के लिए स्थान था। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, महामना मदनमोहन मालवीय, लाला लाजपत राय और गांधीजी, ये सभी भारत की सनातन संस्कृति से प्रेरणा पाते थे। गांधीजी की नृशंस हत्या के बाद जब कांग्रेस पर नेहरू का एकाधिकार हुआ, तो पार्टी के मूल सनातनी और बहुलतावादी चरित्र को धीरे-धीरे हाशिये पर धकेल दिया गया। इसमें रही-सही कसर इंदिरा गांधी ने पूरी कर दी। 1969 में जब कांग्रेस दो फाड़ हुई और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार अल्पमत में आई, तब संसद में उन्हें अपनी सरकार बचाने हेतु 41 सांसदों की आवश्यकता थी। इस कमी को वामपंथियों ने बाहरी समर्थन देकर पूरा किया। इंदिरा ने उन कम्युनिस्टों के सहारे अपनी सरकार बचाई, जिनका अपने उद्भव काल से एकमात्र एजेंडा भारत की सनातन संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली पर प्रहार करना रहा। अपने इसी दर्शन के कारण वामपंथियों ने 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में अंग्रेजों के लिए मुखबिरी की। गांधीजी, नेताजी आदि देशभक्तों को अपशब्द कहे। पाकिस्तान के जन्म में मुस्लिम लीग और अंग्रेजों के साथ मिलकर महती भूमिका निभाई। भारतीय स्वतंत्रता को अस्वीकार करके उसे 17 देशों का समूह माना। 1948 में भारतीय सेना के खिलाफ हैदराबाद के जिहादी रजाकरों के साथ, तो 1962 के भारत-चीन युद्ध में वैचारिक समानता के कारण चीन के पक्ष में खड़े रहे। इसके अतिरिक्त, 1967 में लोकतंत्र विरोधी नक्सलवाद को जन्म दिया। जब 1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी ने प्रचंड बहुमत हासिल किया, तब तमाम वामपंथी न केवल कांग्रेस में शामिल हुए, बल्कि उन्हें शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए। इसी दौर में कांग्रेस ने अपनी मूल गांधीवादी विचारधारा को वामपंथियों को 'आउटसोर्स' कर दिया, जो अब भी उससे केंचुली की भांति चिपकी हुई है। कांग्रेस का सार्वजनिक-व्यवहार उस घिसे-पिटे वामपंथी व्याकरण से निर्धारित हो रहा है, जिसमें उसका भी कोई दृढ़ विश्वास नहीं है। कांग्रेस ऐसा केवल इसलिए करने को विवश है, क्योंकि विचारधारा के मामले में वह पहले ही शून्य हो चुकी है। मैकाले चश्मा पहनी कांग्रेस जाने-अनजाने में तभी से वामपंथियों के साथ मुस्लिम लीग के अधूरे एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। वह चाहे देश पर आपातकाल थोपना हो या शाहबानो मामले में मुस्लिम समाज में सुधार के प्रयासों को रोकना हो, परमाणु परीक्षण का विरोध करना हो या भगवान श्रीराम को काल्पनिक बताना हो, उनमें कांग्रेस की हिंदू विरोधी और मुस्लिम तुष्टीकरण की मानसिकता प्रत्यक्ष होती है।

शिक्षा का गुणवत्ता स्तर हो एक समान

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मनुष्य के जीवन की आधारशिला उसकी शिक्षा होती है, आज के आधुनिक युग में हम सभी शिक्षा का मोल बखूबी समझते हैं। दुनिया में किसी भी क्षेत्र का सर्वोच्च स्थान हम शिक्षा की योग्यता के आधार पर हासिल कर सकते हैं। साक्षरता और उच्च शिक्षा में लगातार वृद्धि के साथ, दुनिया भर में शिक्षा प्रणाली नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। देश में भी नई शिक्षा प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए नित नए उपक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। तकनीकी ज्ञान, कौशल, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम दिन ब दिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली के सुदृढ़ता का बखान तो कर रहे हैं, फिर भी भारत देश से विदेश पढ़ने जानेवाले विद्यार्थियों की संख्या हर साल बढ़ती ही जा रही है। 2024 में लगभग 13, 35,878 भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे, 2023 में 13,18,955 छात्र थे, जबकि 2022 में 9,07,404 छात्र थे। जबकि इस तुलना में हमारे देश में विदेश से आने वाले छात्रों की संख्या बेहद कम है, जो ज्यादातर छात्र विशेषकर नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और अन्य देशों से भारत आते है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2021-22 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर के 170 देशों के कुल 46,878 विदेशी नागरिक/छात्र भारत में विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित हैं। ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में केवल 40,431 विदेशी छात्र उच्च शिक्षा के लिए भारत आए। देश के बड़े शहरों और महानगरों के कुछ निजी शिक्षा संस्थान तो पांच सितारा होटल जैसे प्रतीत होते हैं। हाल ही में मैंने देश के महँगे स्कूली शिक्षा की वार्षिक फीस की जानकारी ली थी, जिससे पता चला कि हमारे देश में कुछ निजी स्कूल की वार्षिक फीस 15-20 लाख रुपये तक भी है। देश में सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली सेवा सुविधाओं का अध्ययन करने पर पता चलता है की, आज भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी जगत शिक्षा के आधारभूत सुविधाओं से वंचित है। आज भी दुर्गम भागों, पहाड़ी क्षेत्रों में स्कूली बच्चे नदी, नाले, जंगली क्षेत्र पार करके स्कूल जाते है, क्योंकि पक्की सड़क, पुल या सरकारी परिवहन की सुविधा नहीं है। बहुत से सरकारी स्कूल में कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, खेल सामग्री, मैदान, पर्याप्त मेज कुर्सी, यांत्रिक उपकरण, बिजली, पिने का शुद्ध पानी भी नहीं है। अनेक स्कूल भवन जर्जर अवस्था में है, जिससे बहुत बार जानलेवा हादसे होने की खबरें भी देखने-सुनने को मिलती हैं। अक्सर देखा जाता है कि, काबिलियत होते हुए भी बेहतर सुख-सुविधाओं की कमी के कारण प्रतिभावान बच्चे अपने लक्ष्य से दूर रह जाते है। राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की, कि अक्टूबर 2024 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,182 शिक्षण पद रिक्त हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षण पदों के लिए रिक्तियों की दर 35 प्रतिशत से अधिक है, यहां तक कि आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों में भी शिक्षकों की कमी है, जो कुछ मामलों में 46 प्रतिशत तक है। फिलहाल पदभरती की राह देखते महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अकृषक विश्वविद्यालयों में 1200 और महाविद्यालयों में 11000 स्वीकृत पद रिक्त हैं। दिसंबर 2023 तक, शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के सरकारी स्कूलों में 8.4 लाख शिक्षक रिक्तियां थी। 2023 के शुरुआत में एक प्रमुख दैनिक के मुताबिक, देश में लगभग 1.2 लाख स्कूल एकल शिक्षक द्वारा चलाए जाते रहे हैं। सभी भारतीय स्कूलों की तुलना में यह अनुपात 8 प्रतिशत है, यह संख्या दर्शाती है कि छात्रों की बड़ी संख्या के कारण एक ही शिक्षक पर अत्यधिक बोझ है। कर्नाटक सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने 19 दिसंबर, 2024 को विधानसभा को सूचित किया कि कर्नाटक राज्य में शिक्षकों के 59,772 रिक्त पद हैं। कर्नाटक राज्य के लगभग 6,158 सरकारी स्कूलों में एक-एक शिक्षक हैं, जो 1.38 लाख छात्रों की जिम्मेदारी संभालते है। 530 स्कूलों में 358 शिक्षक है परंतु यहां कोई छात्र नहीं हैं, राज्य के सरकारी शालाओं में छात्रों के नामांकन में भी गिरावट जारी है। लगभग 142.86 करोड़ लोगों की आबादी के साथ देश की शिक्षा प्रणाली भी उतनी ही विशाल है। डेलॉइट की येएसएसई 2023 रिपोर्ट के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में, भारत में प्री-प्राइमरी स्तरों सहित स्कूल में 26.52 करोड़ छात्रों का नामांकन था। देश में औसत छात्र-शिक्षक अनुपात 23:1 है। लद्दाख जैसे कुछ केंद्र शासित प्रदेश में अनुकरणीय अनुपात 7:1 तक कम बताया है, जबकि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे अन्य राज्यों ने क्रमशः 45:1, 33:1 और 29:1 के उच्च अनुपात की सूचना दी है, जो क्षेत्रीय असमानताओं को उजागर करता है। लगभग 7.7 प्रतिशत प्री-प्राइमरी, 4.6 प्रतिशत प्राइमरी और 3.3 प्रतिशत अपर-प्राइमरी स्कूल ऐसे शिक्षकों को नियुक्त करते हैं जो आवश्यक योग्यताएं पूरी नहीं करते हैं। निजी स्कूलों में 69 प्रतिशत शिक्षक और कई सरकारी शिक्षा संस्थानों में संविदात्मक शर्तों पर शिक्षक काम करते हैं, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि परिणामस्वरूप, उन्हें नौकरी की सुरक्षा या वित्तीय स्थिरता नहीं मिलती है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतर शिक्षक रिक्तियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित है, जहाँ खराब बुनियादी ढांचा और मूलभूत सुविधाओं की कमी एक चुनौतीपूर्ण कार्य का वातावरण पैदा करती है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा भर्ती किए गए लगभग 40 प्रतिशत शिक्षकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की कमी है। विश्व आर्थिक मंच 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की शिक्षा की गुणवत्ता दुनिया में 90वें स्थान पर है। भारत के शिक्षा मंत्रालय 2021 के अनुसार, भारत के सभी सरकारी स्कूलों में से केवल 4.8 प्रतिशत के पास पर्याप्त बुनियादी ढांचा है, जिसमें कक्षाएँ, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब शामिल हैं, इसने शिक्षा के क्षेत्र में एक असमान स्तर का खेल तैयार किया है, शहरी क्षेत्रों के छात्रों के पास ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की तुलना में बेहतर संसाधन और अवसर हैं। देश के सरकारी शिक्षण व्यवस्था में योग्यतापूर्ण शिक्षकों के पद रिक्त होने की समस्या बहुत है, जिससे कार्यरत शिक्षकों पर अधिक भार पड़ता है, जिस कारण विद्यार्थियों के शैक्षणिक गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा बुरा असर पड़ता है ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अभी भी बहुत दूर है, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय, आर्मी पब्लिक स्कूल जैसे शिक्षा संस्थान एक विशेष स्तर, नीति-नियम, गुणवत्ता बनाये हुए हैं, लेकिन बहुत से राज्य सरकार और स्थानीय सरकार द्वारा संचालित स्कूल बुनियादी सुविधाओं की कमी से भी जूझते नजर आते हैं।

किन्नरों से भयभीत राजनीतिज्ञ एवं राजनीति

डॉ. चक्रपाल सिंह

खबर है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव में कालकाजी क्षेत्र से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी आतिशी तथा भारतीय जनता पार्टी के रमेश विधूड़ी के सामने चुनाव मैदान में उतरे किन्नर (ट्रांसजेंडर) राजन सिंह की जान को खतरा है। राजन सिंह ने बताया है कि उन्हें फोन पर धमकियाँ मिल रहीं हैं। उन्होंने कोर्ट से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार की है। ऐसा तो है नहीं कि कोई किन्नर पहली बार चुनाव मैदान में है। इससे पहले मध्यप्रदेश के कटनी शहर के नगर निगम चुनाव में दलों के दलदल में हिजड़ा कमला, कमल की तरह खिल चुकी है। विधानसभा के लिए चुनी गई किन्नर शबनम मौसी हो, या गोरखपुर का मेयर बनकर किन्नर आशा देवी ने अपने हताश, निराश, हीन एवं अभिशप्त समाज में आशा की एक किरण जगाई हो अथवा फरुखाबाद के कमाल गंज कस्बे की हिजड़ा "बिजली " ने पंचायत अध्यक्ष बनकर सभी दलों के दिल पर पराजय की बिजली गिरा उन्हें राख कर दिया हो, इतना ही नहीं वाराणसी के जलालीपुरा वार्ड के किन्नर प्रत्याशी कल्लू ने सभासदी का चुनाव जीतकर सभी दलों के चेहरे पर हार की कालिख पोत चुके हैं। तो फिर आज किन्नर राजन सिंह की जान को खतरा किससे और क्यों है? इसके नेपथ्य में क्या है? हकीक़त में दलों के दलदल में फंसी जनता द्वारा देश के विभिन्न शहर एवं कस्बों में किन्नरों के पक्ष में लिए विलक्षण फैसलों पर सभी दलों के स्वयंभू मर्द! जन प्रतिनिधि आज भी भौचक हैं। जनता द्वारा अचानक किन्नरों के पक्ष में लिए गए फैसलों से उत्पन्न स्थिति में समाज, राजनेता एवं राजनीति के सम्मुख कई प्रश्न तने हुए खड़े हैं। पहला तो यही कि-क्या हिजड़ों के प्रति उमड़ा यह राजनैतिक प्रेम वास्तविक है ? या फिर यह राजनीति एवं राजनीतिज्ञों के प्रति जनता की कुंठा, हताशा एवं निराशा के चलते क्षोभ की त्वरित अभिव्यक्ति है? ऐसा इसलिए कि किन्नरों के पक्ष में तमाम संवैधानिक एवं वैधानिक कानूनों के लागू होने के बावजूद आज भी किन्नर यातना, न्यायिक निषेध, मानवीय दुर्गति तथा सामाजिक उपेक्षा की विस्तीर्ण धरती के मूक साक्षी हैं। हिजड़ों के प्रति अमानवीय व्यवहार के पीछे निरक्षरता, अंधविश्वास रूढ़िवादिता, गरीबी एवं मानसिक संकीर्णता के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। इतना ही नहीं, समाज अन्य सामान्य तथा विकलांग बच्चों की तरह इन्हें आत्मसात कर इनके साथ जीने को राजी नहीं है। क्यों ? इसमें इनका दोष क्या है? यदि ये पाप पुण्य का प्रतिफल हैं, तो ये किसके पाप का नतीजा हैं? निश्चित तौर पर ये सिर्फ अपने पाप का फल तो नहीं ही हो सकते। दरअसल, सच यह है कि गर्भावस्था के दौरान हार्मोनल अथवा अन्य बायोलोजीकल असंतुलन व विकृतियों के दुष्परिणाम स्वरूप बच्चों में विकलांगता (मंदबुद्धि, अंधापन, गूंगा-बहरा होना, शारीरिक अंगों में विकृति, सेक्स विकलांगता अर्थात हिजड़ा आदि आदि) उत्पन्न होना एक वैज्ञानिक तथ्य है। लेकिन किन्नरों के बारे में न जाने कितने मिथक, मिथ्या अवधारणाएं, अंधविश्वास, शुभ-अशुभ मान्यताएं, रूढ़ियाँ एवं किंवदन्तियां महाभारत काल से आज तक 21वीं सदी में भी इनका पीछा नहीं छोड़ रहीं हैं। क्यों? सवाल सीधा और सामाजिक न्याय व्यवस्था तथा नीतिगत पंडितों को संबोधित है। जब अन्य विकलांग बच्चे समाज एवं परिवार में गरिमा एवं स्वाभिमान के साथ रह सकते हैं, तो सेक्स विकलांग बच्चे क्यों नहीं रह सकते हैं? आखिर समाज को इनसे किस तरह का खतरा है, जो सामान्य आदमी (मर्द!) से नहीं है? कोई वैज्ञानिक तथ्य नहीं है। सभ्य समाज को नहीं भूलना चाहिए कि सेक्स विकलांगता के अलावा हिजड़ों के हृष्ट-पुष्ट शरीर में एक स्वस्थ मस्तिष्क कार्य करता है, सीने में दिल धड़कता है, खुली आँखों से दुनिया देखता है, मानवीय संवेदनाएं महसूस करता है। जब दिल, दिमाग और आंखें सही कार्य कर रहे हैं, तो भला जिंदगी का अहसास एवं मानवीय संवेदनाएं अलग कैसे हो सकती हैं। जब कि सच्चाई यह है कि उम्मीदों के व्यवहारिक धरातल पर कथित प्रशासनिक व राजनैतिक मसीहों से बार बार, हर बार छली पराजित जनता जनार्दन इन नामर्दों को अपना भाग्य विधाता बनाने व मानने में आज कोई संकोच अथवा शर्म महसूस नहीं कर रही है। राजनीतिज्ञ एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाकर जनता का असल मुद्दों से ध्यान हटाने, अपनी नीति एवं नीयत की विफलताओं पर पर्दा डालने में लगे हुए हैं। बल्कि धमकियाँ देते हैं कि यह मजाक जनता को बहुत महंगा पड़ सकता है। लेकिन राजनैतिक जमात जनता के फैसलों को सही और व्यापक अर्थों में लेने तथा फैसलों के नेपथ्य में छिपे निहितार्थों को सब कुछ जानते बूझते हुए भी, न समझने एवं अन्तरावलोकन करने को तैयार नहीं है।

राष्ट्रीय वादों का चुनावी मेला

रामविलास जांगिड़

बात नंबर एक साफ हो चुकी है कि देश सुपरपावर बन चुका है। तकनीक इतनी विकसित हो गई है कि घर बैठे लोग खाना ऑर्डर करने के साथ-साथ चांद पर छुट्टियां प्लान करते हैं। एक चीज़ जो सबसे ज्यादा विकसित हुई वह है- चुनावी वादों का मेला झमेला। चुनावी सीज़न आते ही पूरे देश में एक नई चर्चा शुरू हो गई- इस बार कौन-कौन से वादे आएंगे? इसी चर्चा के बीच खुला राष्ट्रीय वादों का मेला, जहां हर पार्टी ने अपने-अपने वादों के स्टॉल लगाए। मेले का उद्घाटन खुद सरकार के नए होलोग्राम मंत्री ने किया। अब लोग पुराने वादों से ऊब चुके हैं। मुफ्त बिजली, पानी और नौकरी के वादे अब उतने रोमांचक नहीं रहे और इन वादों की पूर्ति अगले हजार वर्षों तक भी नहीं हो सकेगी। इसलिए जनता को चाहिए कुछ नया। कुछ इनोवेटिव। यही सोचकर इस बार मेले में नए वादे पेश किए गए। एक स्टॉल पर बड़ा सा बोर्ड चमक रहा था- हर महिला को मुफ्त हवाई कार! स्टॉल के भीतर बैठे दलदल पार्टी कार्यकर्ता समझा रहे थे- हमें वोट देने पर हर परिवार को एक हवाई कार दी जाएगी। ये गाड़ी न पेट्रोल खाएगी, न बिजली। बस सपनों से चलेगी! एक बुजुर्ग ने यह सुनकर ताना मारा- भाई! सपनों वाली गाड़ी तो 1735 में भी चल रही थी, तब 29 लाख भी आने वाले थे। अब हवाई कार आ रही है! एक और स्टॉल पर लिखा था- चांद पर प्लॉट रिज़र्व करें, बस हमें वोट दें! यहां लोग सबसे ज्यादा उत्साहित थे। कार्यकर्ता समझा रहे थे कि जैसे ही उनकी पार्टी सत्ता में आएगी, हर वोटर को चांद पर 3 बीएचके प्लॉट मिलेगा।एक युवा उत्सुकता से पूछ बैठा- प्लॉट तो ठीक है, लेकिन चांद पर वाई-फाई मिलेगा? कार्यकर्ता तुरंत बोला- हां भाईसाहब! 100जी नेटवर्क भी मिलेगा। वह भी एकदम फ्री! बस इस बार से जीवन भर हमारी पार्टी को ही वोट देना। एक पार्टी ने वादा किया कि हर परिवार को उनका क्लोन मुफ्त में दिया जाएगा। स्टॉल के अंदर पोस्टर पर लिखा था- आप ऑफिस जाकर आराम करें, आपका क्लोन घर व ऑफिस दोनों संभालेगा। आप सोएं, क्लोन वोट देने जाएगा! लोग इस वादे को लेकर इतने खुश थे कि तुरंत फॉर्म भरने लगे। मेले में कॉम्बो ऑफर्स भी खूब चल रहे थे। जैसे- 1. मुफ्त शिक्षा, मुफ्त स्किन केयर व जीवनभर का मुफ्त हॉलिडे पैकेज। 2. हर गांव में एयरपोर्ट व हर शहर में रॉकेट स्टेशन। 3. हर परिवार को पर्सनल रोबोट नौकर। जनता इतनी खुश थी कि वादों का यह कॉम्बो मील हर किसी की पहली पसंद बन गया। एक पार्टी ने दिखाया कि अगले 3 साल में तक हर इंसान के घर में चांदी की सड़क होगी। दूसरी पार्टी ने वादा किया कि हम ऐसी तकनीक लाएंगे कि आप सोचेंगे और काम अपने-आप हो जाएगा। तीसरी पार्टी ने दिखाया कि 2 साल में हर इंसान को एक पालतू ड्रैगन मिलेगा, जो घर की रखवाली करेगा।

षटतिला एकादशी ? तिल का धार्मिक महत्व

माघ का महीना भगवान विष्णु का महीना माना जाता है और एकादशी की तिथि विश्वेदेवा की तिथि होती है। श्री हरि की कृपा के साथ समस्त देवताओं की कृपा का यह अद्भुत संयोग केवल षटतिला एकादशी को ही मिलता है। इसलिए इस दिन दोनों की ही उपासना से तमाम मनोकामनाएं पूरी की जा सकती हैं। इस दिन कुंडली के दुर्योग भी नष्ट किए जा सकते हैं। ज्योतिष के जानकारों की मानें तो इस दिव्य तिथि पर किए गए तिल के दिव्य प्रयोग से आपके जीवन में ग्रहों के कारण आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं। इस बार षटतिला एकादशी का व्रत 25 जनवरी को रखा जाएगा।

षटतिला एकादशी पर उपवास की विधि

षटतिला एकादशी का व्रत दो प्रकार से रखा जाता है। निर्जल व्रत और फलाहारी या जलीय व्रत। सामान्यतः निर्जल व्रत पूर्ण रूप से स्वस्थ्य व्यक्ति को ही रखना चाहिए। सामान्य लोगों को फलाहारी या जलीय उपवास रखना चाहिए। इस व्रत में तिल स्नान, तिल युक्त उबटन लगाना। तिल युक्त जल और तिल युक्त आहार ग्रहण करें। ये एकादशी कष्टों को हरने वाली है।

कैसे करें विशेष स्नान ?

प्रातः काल या संध्याकाळ स्नान के पूर्व संकल्प लें। पहले जल को सर पर लगाकर प्रणाम करें। फिर स्नान करना आरम्भ करें। स्नान करने के बाद सूर्य को तिल मिले जल से अर्घ्य दें। साफ वस्त्र धारण करें। फिर श्री हरि के मंत्रों का जाप करें। मंत्र जाप के बाद वस्तुओं का दान करें। जल और फल ग्रहण करके उपवास रख सकते हैं।

तिल का दान

तिल का दान इस दिन विशेष रूप से महत्व रखता है। तिल को शुभ और पवित्र माना जाता है और इस दिन तिल का दान करने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है। तिल को जल, मिठाई या किसी भी रूप में दान किया जा सकता है। तिल का दान करने से पुण्य मिलता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गर्म कपड़े का दान

षटतिला एकादशी पर गर्म कपड़ों का दान करने की भी परंपरा है। खासकर सर्दी के मौसम में यह दान और भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। जो लोग गरीब होते हैं या जिनके पास ठंड से बचने के लिए पर्याप्त कपड़े नहीं होते, उन्हें गर्म कपड़े देने से उनके जीवन में समृद्धि और सुख-शांति का वास होता है। इसके साथ ही दानकर्ता को भी मानसिक शांति और पुण्य की प्राप्ति होती है।

अनाज का दान

अनाज का दान भी इस दिन विशेष महत्व रखता है। यह कार्य पुण्यप्रद माना जाता है और गरीबों को अनाज देने से घर में अन्न और धन की कोई कमी नहीं रहती। इस दान से न केवल गरीबों का पेट भरता है, बल्कि दानदाता को भी भरपूर आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि अनाज का दान करने से व्यक्ति को समृद्धि, सुख और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

धन का दान

इस दिन धन का दान करने का भी महत्व है। धन का दान करने से न केवल जीवन में सुख-समृद्धि आती है, बल्कि सामाजिक यश भी बढ़ता है। यह दान दीन-दुखियों की मदद करने और समाज में अपना योगदान देने का एक तरीका है। इस दिन धन का दान करने से पैसे संबंधी समस्याएं दूर होती हैं और व्यक्ति को जीवन में निरंतर धन और सुख की प्राप्ति होती है।

इन चार दान विधियों को इस दिन विधिपूर्वक करना बहुत लाभकारी माना जाता है। यह न केवल दानकर्ता के लिए पुण्य का कारण बनता है, बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक बदलाव लाता है। षटतिला एकादशी का महत्व धार्मिक दृष्टि से अत्यधिक है और इस दिन किए गए दान से व्यक्ति के जीवन में बरकत, सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है।

ईशान कोण में शयनकक्ष होने से पति-पत्नी में बढ़ सकती हैं दूरियां

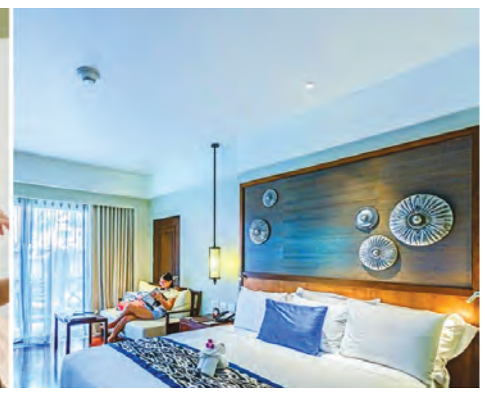

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का हमारे जीवन में बहुत महत्व बताया जाता है। हर दिशा एक तरह की एनर्जी से जुड़ी होती है। ऐसे में हम इन दिशाओं में जो भी काम किया जाता है, उस पर इन्हीं ऊर्जाओं का प्रभाव पड़ता है। जैसे, दक्षिण दिशा यमलोक और पितरों की दिशा मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक पौराणिक मान्यता भी है कि दक्षिण दिशा की तरफ से मुंह करके पूजा-पाठ या मांगलिक कार्य नहीं करना चाहिए। वास्तु शास्त्र में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि सोने के लिए कौन सी दिशा उत्तम मानी जाती है। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि ईशान कोण दिशा में शयन कक्ष यानी सोने वाले कमरे के होने से क्या होता है।

ईशान कोण दिशा

वास्तु के मुताबिक घर, ऑफिस या फिर किसी भवन की उत्तर-पूर्व दिशा को ईशान कोण दिशा कहा जाता है। यह दिशा परम पिता परमेश्वर की दिशा मानी जाती है, जिस पर देवगुरु बृहस्पति का आधिपत्य होता है। इसलिए ईशान कोण दिशा में शयनकक्ष नहीं बनाना चाहिए। क्योंकि मोग विलास और शयन सुख पर शुक्र का स्वामित्व है।

ईशान कोण दिशा का महत्व

घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी की ईशान कोण दिशा को ब्रह्म का स्थान और देवताओं का स्थान माना जाता है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक पूर्व दिशा में नियमों का पालन करते रहने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और सुख-समृद्धि आती है। वास्तु शास्त्र में भी उत्तर-पूर्व दिशा के महत्व के बारे में बताया गया है। इस दिशा में उचित व्यवस्था से लाभ मिलता है।

इस दिशा में शयनकक्ष होने से बढ़ते हैं झगड़े

ईशानकोण दिशा में शयनकक्ष होने से गुरु और शुक्र के प्रभाव में कमी आती है। जिसके कारण उचित शयनसुख नहीं मिल पाएगा। वहीं आपसी प्रेम में कमी और पति-पत्नी में तकरार की स्थिति बनी रहती है। वहीं इस दिशा में शयनकक्ष होने पर लंबी बीमारियों का भी सामना करना पड़ सकता है। ईशानकोण दिशा में शयनकक्ष होने से व्यक्ति भौतिकता की तरफ मुड़ता जाता है और पति-पत्नी में भावानात्मक सम्बधों की समझ कम होने लगती है। जिसकी वजह से पति-पत्नी के बीच झगड़े बढ़ जाते हैं।

किन लोगों के लिए ईशान कोण दिशा में बेहतर है शयनकक्ष

बता दें कि पति-पत्नी का ईशान-कोण दिशा में शयनकक्ष होना अच्छा नहीं माना जाता है। लेकिन आप 17-18 साल तक के बच्चे के लिए इस दिशा में शयनकक्ष बनवा सकते हैं। इस दिशा में बच्चों का शयनकक्ष होने से बच्चे अनुशासित और मर्यादित रहते हैं। क्योंकि इस क्षेत्र पर ज्ञान के स्वामी गुरु एवं बुद्धि के स्वामी बुध ग्रह का संयुक्त प्रभाव बना रहता है। वहीं इस क्षेत्र में जल तत्व अधिक होना बच्चे के विकास के लिए जरूरी है। सांसारिक कार्यों से विरक्त घर के वृद्ध जन को भी ईशान कोण दिशा में शयन कक्ष दिया जा सकता है।

बेहद शक्तिशाली होने के बावजूद क्यों लक्ष्मण रेखा नहीं पार कर पाया रावण?

रामायण में लक्ष्मण रेखा का प्रसंग एक महत्वपूर्ण घटना है। यह उस समय की बात है जब भगवान राम, सीता और लक्ष्मण वनवास में थे। रावण द्वारा सीता हरण की घटना से पहले लक्ष्मण ने अपनी कुटिया के चारों ओर एक रेखा खींची थी, जिसे 'लक्ष्मण रेखा' के नाम से जाना जाता है। यह रेखा इतनी शक्तिशाली थी कि स्वयं रावण भी इसे पार नहीं कर सका।

लक्ष्मण के तप और ब्रह्मचर्य की शक्तिः लक्ष्मण भगवान राम के परम भक्त थे और उन्होंने अपना जीवन ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए बिताया था। उनके तप और ब्रह्मचर्य की शक्ति उस रेखा में समाहित थी, जिसने उसे अभेद्य बना दिया था।

रेखा का दैवीय शक्ति से जुड़ा होनाः कुछ मान्यताओं के अनुसार लक्ष्मण ने यह रेखा केवल अपने बाण से नहीं खींची थी, बल्कि उन्होंने मंत्रों का भी प्रयोग किया था, जिससे इस रेखा में दैवीय शक्ति का समावेश हो गया था। यह दैवीय शक्ति ही रावण के लिए अवरोधक बनी।

रावण का अहंकारः रावण अपनी शक्ति और ज्ञान पर अत्यधिक अहंकार करता था। उसका यही अहंकार उसकी कमजोरी बन गया। शायद उसने लक्ष्मण रेखा को साधारण समझकर उस पर ध्यान नहीं दिया, या फिर उसने सोचा कि वह अपनी शक्ति से इसे आसानी से पार कर लेगा।

सीता की पवित्रताः सीता की पवित्रता भी इस रेखा की शक्ति का एक कारण थी। रावण एक पापी था और उसकी अपवित्रता के कारण वह उस पवित्र रेखा को पार नहीं कर सका।

लक्ष्मण रेखा का प्रसंग हमें यह भी सिखाता है कि बाहरी शक्ति से ज्यादा आंतरिक शक्ति महत्वपूर्ण होती है। लक्ष्मण का तप, ब्रह्मचर्य और भक्ति रावण की शारीरिक शक्ति और मायावी शक्तियों से कहीं अधिक शक्तिशाली थे। यह कहानी आज भी हमें धर्म, नीति, और मर्यादा का पालन करने की प्रेरणा देती है।

बेहद पॉवरफुल माने जाते हैं ये 3 नंबर्स, इन अंक के जातकों को मिलती है दौलत, शोहरत और तरक्की, कौनसे हैं वे?

नंबर 8

सबसे पहले बात करते हैं अंक 8 की। इसे अंक ज्योतिष में सबसे शक्तिशाली अंक माना जाता है। अंक 8 को समृद्धि और धन के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह अंक व्यापार, वित्तीय स्थिरता और भौतिक सुख के साथ जुड़ा हुआ है। जिन लोगों का जन्मांक या भाग्यांक 8 होता है, वे अक्सर संपन्न और सफल होते हैं। अंक 8 का संबंध शक्ति, अधिकार और प्रभाव से भी है। यह व्यक्ति को नेतृत्व की क्षमता प्रदान करता है और करियर में सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करता है। इसके अलावा, यह अंक कर्म के सिद्धांतों का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो जीवन में न्याय और धर्म का पालन करने का संदेश देता है।

नंबर 1

अब बात करते हैं अंक 1 की, जो सूर्य से जुड़ा हुआ है। अंक 1 को नई शुरुआत, आत्म-विश्वास और स्वतंत्रता का प्रतीक माना जाता है। जिनका जन्मांक या भाग्यांक 1 होता है, वे हमेशा जीवन में प्रेरणादायक और नए विचार वाले होते हैं। उनकी सोच में ऊर्जा और आत्मविश्वास भरपूर होता है। यह अंक उन्हें अपने लक्ष्यों को पाने के लिए साहस और ऊर्जा प्रदान करता है। अंक 1 का प्रभाव व्यक्ति को नेतृत्व, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करता है, जिससे वे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सफल होते हैं।

नंबर 4

अंत में, अंक 4 की शक्ति और महत्व की बात करते हैं। अंक 4 स्थिरता, संरचना और दृढ़ता का प्रतीक है। यह अंक उन लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है, जो जीवन में सुरक्षा और स्थिरता की तलाश में होते हैं। अंक 4 से जुड़े लोग भरोसेमंद और जिम्मेदार होते हैं और अपने परिवार या समाज के लिए सुरक्षा और संरक्षा का ध्यान रखते हैं। यह अंक उन लोगों को प्रेरित करता है जो अपने कर्तव्यों और वचनबद्धताओं का पालन करते हैं, जिससे उन्हें जीवन में स्थायित्व और सफलता मिलती है।

अनमोल वचन

सफल व्यक्तियों से अगर आप उनसे सफलता का राज पूछोगे तो यही बतायेगे हर कार्य समय के साथ पूरा किया उन्होंने ।

जहां आपका सम्मान ना हो वहाँ ना रहिए चाहे कितना धन से अमीर क्यों न हो वो मन से नहीं है ।

सीखना है कुछ तो उनसे सीखिए जो आपसे बड़े है भले वो सफल हो या ना हो अनुभव उनको आपसे कही ज्यादा है ।

आज के अंधेरे में अपना वक्त बर्बाद ना करे बल्कि कल उसको कैसे उजाले में बदलना है उस पर कार्य करे ।

हर व्यक्ति के पास अपनी क़ाबिलियत होती है बस सही वक़्त पर जो इस्तमाल करता है वो जीत जाता है ।

भले आपके जीवन में मित्र कम हो बस ये ध्यान रखे की उनसे आपको कुछ सीखने को मिले ।

भगवान राम नहीं मार सकते थे मेघनाद को, ऐसी कौन सी शक्ति थी उसके पास, फिर किसने किया वध

जब भगवान राम और उनकी पत्नी सीता 14 साल के लिए वनवास पर गए तो उनके छोटे भाई लक्ष्मण भी साथ में थे। पौराणिक कथाओं के अनुसार यह माना जाता है कि लक्ष्मण रात भर जागते रहते थे ताकि उनके भाई और भाभी को कोई दिक्कत न हो। वह पूरे वनवास के दौरान एक दिन भी नहीं सोए। वह राम और सीता की रखवाली के लिए लगातार जागते रहे। इसी कारण उन्हें 'गुडा केश' भी कहा जाता था। गुडा केश का मतलब होता है, जो निद्रा का स्वामी हो। अपनी इसी खासियत की वजह से लक्ष्मण लंका युद्ध में रावण के बड़े पुत्र और अति बलशाली मेघनाद का वध करने में सफल रहे थे। लक्ष्मण ने अपने बाण से मेघनाद का सिर धड़ से अलग कर दिया था।

मेघनाद को अजर-अमर बनाना चाहता था रावण

माना जाता है कि लंकापति रावण बहुत बड़ा विद्वान था। रावण अपने से भी कहीं ज्यादा गुणवान, पराक्रमी और विद्वान अपने बड़े पुत्र मेघनाद को बनाना चाहता था। सबसे बड़ा पुत्र होने के नाते मेघनाद लंका का युवराज भी था। धर्म ग्रंथों के अनुसार अपने पुत्र को सबसे ज्यादा शक्तिशाली और अजर अमर बनाने की कामना को लेकर त्रिलोक विजेता रावण ने उसके जन्म के समय सभी देवताओं को एक ही स्थान अर्थात ग्यारहवें घर में मौजूद रहने के लिए कहा था। लेकिन भगवान शनिदेव ने रावण की आज्ञा का पालन नहीं किया और 12वें घर में जाकर बैठ गए। जिससे मेघनाद अजर अमर न हो सके।

कैसे पड़ा मेघनाद और इंद्रजीत नाम

रावण ने अपने ज्येष्ठ पुत्र का नाम मेघनाद क्यों रखा इसके पीछे भी एक कहानी है। मंदोदरी ने जब पुत्र को जन्म दिया तो तब उसके रोने की आवाज किसी सामान्य बच्चे की तरह नहीं बल्कि बादलों की गड़गड़ाहट की तरह सुनाई दी। इस वजह से उनका नाम मेघनाद रखा गया। पौराणिक कथाओं के अनुसार रावण ने स्वर्ग पर अपना कब्जा जमाने के लिए देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस युद्ध में मेघनाद ने भी भाग लिया था। युद्ध के दौरान जब इंद्र ने रावण पर आक्रमण करना चाहा तो अपने पिता को बचाने के लिए मेघनाद आगे आ गए। मेघनाद ने इंद्र और उनके वाहन एरावत पर पलटवार करते हुए इंद्र सहित सभी देवताओं को परास्त कर दिया। जिसके बाद उन्हें इंद्रजीत के नाम से भी पुकारा जाने लगा।

ब्रह्मा ने क्या दिया वरदान

युद्ध जीतने के बाद मेघनाद जब स्वर्ग से निकलने लगे तो उन्होंने इंद्र को अपने साथ ले लिया। मेघनाद इंद्र को लंका ले आए। ब्रह्मा जी ने मेघनाथ से आग्रह किया कि वो इंद्र को मुक्त कर दें। तो मेघनाद ने ब्रह्मा जी का आग्रह ठुकरा दिया। फिर ब्रह्मा जी ने इंद्र को छोड़ देने के बदले एक वरदान मांगने का वचन दिया। मेघनाद ने उनसे अमर होने का वरदान मांगा। ब्रह्मा जी ने मेघनाद को समझाने का प्रयास किया कि यह तो किसी जीव के लिए संभव नहीं है, तुम कोई दूसरा वरदान मांग लो। लेकिन मेघनाद अपनी बात से डिगने को तैयार नहीं हुए।

फिर क्या मिला आशीर्वाद

उनके न मानने पर ब्रह्मा जी ने मेघनाद को वरदान दिया कि अगर वो अपनी कुल देवी निकुंभला देवी का यज्ञ करें और जब यज्ञ पूर्ण हो जाएगा तो उन्हें एक रथ प्राप्त होगा। इस रथ पर बैठकर लड़ने से न तो वह पराजित होगा और न ही उसकी मृत्यु होगी। ब्रह्मा जी ने इंद्र को यह आशीर्वाद भी दिया कि धरती पर केवल एक व्यक्ति ही उसका वध कर सकता है जो 14 सालों से सोया न हो। लक्ष्मण ही ऐसे थे जो मेघनाद का वध कर सकते थे, क्योंकि वनवास के दौरान वह 14 वर्षों तक सोए नहीं थे। यही वजह है कि राम-रावण युद्ध के दौरान लक्ष्मण के हाथों मेघनाद का अंत हुआ।

मेघनाद की भुजा ने किया लक्ष्मण का गुणगान

युद्ध में लक्ष्मण ने अपने घातक बाण से मेघनाद का सिर उसके धड़ से अलग कर दिया था और उसे भगवान राम के चरणों में रख दिया। राम मेघनाद की पत्नी सुलोचना को यह संदेश भेजना चाहते थे कि उसका पति युद्ध में मारा जा चुका है। इसके लिए राम ने मेघनाद की एक भुजा काटकर सुलोचना के पास भेजी। सुलोचना को अपने पति की मौत पर भरोसा नहीं हुआ। तब सुलोचना के कहने पर मेघनाद की कटी हुई भुजा ने लिखकर उसे भरोसा दिलाया। भुजा ने लिखकर लक्ष्मण का गुणगान किया। पति की मौत के बारे में जानकर सुलोचना शोक में डूब गईं। उन्होंने कहा कि वो सती होना चाहती हैं। इसके बाद मंदोदरी के कहने पर सुलोचना श्रीराम के पास पहुंची।

मैंने कास्टिंग काऊच से निपटने के लिए झूठ बोला : नायरा बनर्जी

फिल्म इंडस्ट्री हो या टी.वी. इंडस्ट्री, कास्टिंग काऊच इस चकाचौंध दुनिया का एक घिनौना सच है, जहां कई बार सितारे बुरे फंस जाते हैं, तो कुछ इस चंगुल से बच निकलने में सफल होते हैं। अब तक कई बड़े सितारे इस बारे में बात कर चुके हैं। हाल में ही नायरा बनर्जी ने भी कास्टिंग काऊच को लेकर अपना अनुभव शेयर किया। उसने मनोरंजन जगत में अपने सफर के बारे में एक इंटरव्यू में बातचीत करते हुए बताया कि करियर की शुरूआत में ही वह इस दर्द का सामना कर चुकी है। इससे बचने के लिए उसने झूठ बोला और जैसे-तैसे उस खतरनाक माहौल से बची थी। नायरा से जब इंटरव्यू के दौरान फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काऊच के बारे में पूछा गया कि क्या कभी उसके साथ बुरा व्यवहार किया गया है या उसे समझौता करने के लिए कहा गया हो, तो उसने अपनी आपबीती शेयर करते हुए कहा, हां, शुरूआत में तो मैं सबको कहती थी कि मैं वकील हूं और आप मुझसे ऐसे बात नहीं कर सकते हो।

फिर यह होता था कि लोग भिड़ने से पहले सोचते थे लेकिन फिर भी कुछ लीचड़ लोग ऐसे होते हैं जो फिर भी नहीं मानते। फिर मैं उन्हें अलग तरीके से हैंडल करने की कोशिश करती थी लेकिन आजकल रिस्पैक्ट का मतलब ही अलग हो गया है। मैं असल जिंदगी में काफी 'टॉम ब्वॉय टाइप' हूं। उसने बताया कि कई बार उसने कास्टिंग काऊच से निपटने के लिए झूठ बोला कि वह लैस्बियन यानी समलैंगिक है। उसने कहा, जब मैं साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रही थी तो मैंने यह अफवाह फैला दी थी कि मैं एक लैस्बियन हूं। और सच में यह बात बुरी तरह फैल गई थी। कई लोग इस पर सच में यकीन करने लगे थे।

मैं एक पूरी तरह से गीत-संगीत से भरपूर फिल्म करना चाहती हूं : तारा सुतारिया

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट एक्टिंग की शुरूआत करने वाली तारा सुतारिया ने 2019 में अनन्या पांडे और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह 'तप', 'हीरोपंती 2', 'एक विलेन रिटर्न्स 2' 'मरजावां' और अपूर्वा ' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही है लेकिन अब उसकी इच्छा एक म्यूजिकल फिल्म का हिस्सा बनने की है।

वह नए साल में रोमांचक काम करना चाहती है। इस बारे में बात करते हुए तारा ने कहा, मैं एक पूरी तरह से गीत-संगीत से भरपूर फिल्म करना चाहती हूं और वह इच्छा मेरे दिल के बहुत करीब है।

गत दिनों फैशन बौक में शानदार शोस्टॉपर बनी तारा ने फैशन को लेकर अपने विकल्पों के बारे में भी बताया। फैशन और स्टाइल एक से दूसरे व्यक्ति में कैसे भिन्न होते हैं. इस बारे में उसने कहा, मुझे भी लगता है कि 'मिनिमेलिज्म' (कम से कम चीजों का उपयोग) कभी फैशन से बाहर नहीं हो सकता और यह कुछ ऐसा है, जिसका मैं अपने दैनिक पहनावे में भी पालन करती हूं। जब फैशन शो के लिए रैम्प वॉक करने की बात आती मुझे 'मिनिमेलित्म' और 'मैक्सिमेलिज्म' दोनों पसंद हैं क्योंकि यह सब सीजन की कलैक्शन और स्टाइल पर निर्भर करता है।

गौरतलब है कि फिल्मों में बतौर एक्ट्रैस कदम रखने से पहले तारा ने बाल कलाकार के रूप में 'बिग बहा बूम', 'वैस्ट ऑफ लक निकी' और 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' जैसे शोज में काम किया था। उसने बॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा के बारे में बात करते हुए कहा कि सुहाना खान, खुशी कपूर जैसे कई नए चेहरों के फिल्मों में आने को वह वास्तय में किसी प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं देखती। उसने कहा कि प्रत्येक कलाकार अपने काम को कैसे करता है और वे किस तरह की फिल्में चुनते हैं, इसके बीच अंतर होता है। तारा ने कहा कि उसने अपनी पहली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' में अनन्या पांडे के साथ अभिनय किया था और वह अपनी जुड़वां बहन के साथ ही बड़ी हुई है, इसलिए प्रतियोगिता की भावना कभी उसके मन में पैदा ही नहीं हुई।

उसे ऐसा लगता था कि उसके करियर में सब कुछ सिर्फ उसके हिसाब से एकदम अनूठा रहा है और वह जो कुछ भी कर रही थी, यह बिल्कुल वैसा ही था. जैसा यह दिल से करना चाहती थी। तारा ने फिल्म इंडस्ट्री में एक आऊटसाइडर होने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की। बॉलीवुह में अपने शुरूआती दिनों के बारे में बात करते हुए, उसने स्वीकार किया कि इस क्षेत्र में आना अनूठा और चुनौतीपूर्ण दोनों था।

उसने कहा कि फिल्मी दुनिया को बड़े पैमाने पर गुटों या परिवारों की दुनिया के रूप में देखा जाता है और वह एक आऊटसाइडर है, इसलिए उसे यह बात बिल्कुल भी नहीं पता थी कि इस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा कैसे बनना है। हालांकि, उसने फिर भी ऐसी चीजों और तथाकथित चूहा दौड़ पर ध्यान दिए बिना फिल्म उद्योग में अपनी जगह बनाई। अबतक फिल्मों में अपनी प्रत्येक भूमिका के साथ, तारा ने साबित कर दिया कि वह बहुमुखी तथा प्रतिभाशाली है और इस प्रकार विभिन्न शैलियों तथा पात्रों के अनुकूल होने की अपनी प्रतिभा के लिए प्रशंसा प्राप्त की। इस तरह पिछले कुछ सालों में अपने प्रदर्शन के जरिए उसने इंडस्ट्री में अपनी जगह पकी कर ली।

तारा सुतारिया

क्या बदला फिल्मों में आकर

अन्य सितारों की ही तरह तारा के लिए भी फिल्मों में आने के बाद का जीवन पहले के जीवन से जरूर अलग रहा होगा। जब उससे पूछा गया कि पहले के समय को आज से तुलना करने पर उसे सबसे बड़ा बदलाव क्या लगता है तो उसका कहना था कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से पहले उसका जीवन थोड़ा अधिक निजी था। हालांकि, उसे पता है कि यह बदलाव इस पेशे के साथ आना ही था।

उसने कहा, वेशक, यह इस पेशे का हिस्सा है कि जब आप फिल्मों में आते हैं तो आपके जीवन का एक निशित हिस्सा और अधिक सार्वजनिक हो जाता है। मैं इसके लिए अपनी ओर से तैयार तो थी लेकिन आप यहां कदम रखे बिना पहले से इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं हो सकते।

यह बदलाव बहुत बड़ा था। मेरी डेब्यू फिल्म को एक अद्भुत प्रतिक्रिया मिली और उसके बाद सभी की ओर से मिलने वाला आकर्षण निश्चित रूप से मेरे लिए नया था। जीवन अलग हो गया है और तब से यह बहुत बदल चुका है। मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया। सौभाग्य से मेरे दोस्तों और परिवार के कारण जीवन में सब कुछ संतुलित है। तो यह बदलाव बहुत अधिक कठिन भी नहीं रहा।

मां से मिली सबसे अच्छी सलाह

जब उससे पूछा गया कि ऐसी कौन-सी सबसे अच्छी सलाह है जो वास्तव में उसके काम आई है तो उसने कहा कि यह उसे अपनी मां से मिली थी। उसने कहा, यह सलाह मुझे इंडस्ट्री में किसी से नहीं मिली बल्कि अपनी मां से मिली है।

मेरी पहली फिल्म' स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से पहले उन्होंने मुझे कहा था कि 'यह बहुत अच्छा है कि तुम फिल्म इंडस्ट्री में प्रवेश कर रही हो लेकिन महेशा याद रखना कि सुंदरता उसी में है जो सुंदर काम किए जाते हैं। बस यही करो जो तुम अच्छा कर रही हो, यही बात सबसे जरूरी है।

एक दिन सब कुछ डल जाएगा और किसी भी चीज की तुलना में तुम्हारा काम बोलेगा। 'उन्होंने मुझसे कहा कि मैं शालीनता के साथ पेश आऊं और एक अच्छी इंसान बनूं।

पुलिस ने सैफ अली खान का बयान किया दर्ज, अभिनेता ने सुनाई आपबीती

सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है। गुरुवार की शाम पुलिस ने अभिनेता का बयान दर्ज किया। इससे पहले उनकी पत्नी अभिनेत्री करीना कपूर खान का बयान दर्ज किया गया था। अभिनेता ने पुलिस से साझा किया कि पूरी घटना कब और कैसे हुई।

सैफ ने बयान में क्या कहा?

गुरुवार की शाम अभिनेता ने पुलिस को अपना बयान दर्ज कराया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ ने घटना को याद करते हुए बताया कि वह और उनकी अभिनेत्री पत्नी करीना कपूर खान सतगुरु शरण बिल्डिंग की 11वीं मंजिल पर अपने बेडरूम में थे, जब उन्होंने अपने छोटे बेटे जहांगीर के आया की चीख सुनी। उनकी चीख सुनकर जागने पर सैप और करीना अपने बेटे के कमरे में पहुंचे, जहां उन्होंने कथित हमलावर को देखा। अभिनेता ने पुलिस को बताया कि आया एलियामा फिलिप्स डरी हुई थी और चिल्ला रही थीं, जबकि जेह रो रहा था।

घायल होने के बाद भी हमलावर को कमरे में किया बंद

रिपोट्र्स के अनुसार पुलिस सूत्रों ने बताया कि जब सैफ ने आरोपी को रोकने की कोशिश की तो उसने अभिनेता की पीठ, गर्दन और हाथों पर कई बार चाकू से वार किया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बावजूद, अभिनेता ने हमलावर को कमरे के अंदर धकेल दिया, जबकि आया फिलिप्स जेह के साथ भाग गईं और उसे कमरे में बंद कर दिया। जब हमलावर 12वीं मंजिल के अपार्टमेंट में चोरी करने के लिए घुसा था तब सैफ अली खान और उनके परिवार के सदस्य पत्नी करीना कपूर और उनके दो बेटे जेह और तैमूर घर में ही थे। आया के मुताबिक हमलावर ने एक करोड़ रुपये की मांग की थी।

हमले के डेढ़ घंटे बाद अस्पताल पहुंचे थे सैफ

दूसरी ओर इस मामले में सैफ की मेडिकल रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अभिनेता पर हमला सुबह दो बजकर 30 मिनट पर हुआ था और अभिनेता अस्पताल सुबह 4:11 बजे पहुंचे थे यानी हमले के एक घंटे 41 मिनट बाद। जबकि उनके घर से अस्पताल की दूरी दस से 15 मिनट ही है।

'बाल-बाल बची' अलाना पांडे

लॉस एंजल्स (अमरीका) के जंगलों में लगी भीषण आग से जहां हॉलीवुड सितारों सहित कई लोग अपना घर छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं, वहीं अनन्या पांडे की कजिन अलाना पांडे ने भी वहां से बचकर भाग निकालने की दास्तां सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, आग के बारे में पता चलने के बाद हम धुएं के बादलों के बीच अपनी जिंदगी की कुछ बेहद जरूरी और खास यादों को सूटकेस और कार के पीछे रखखे बॉक्स में पैक करके भागे।

अब इस घर में अपनी जिदगी बिताने के लिए आना सपने जैसा लगता है। यह सब बाकई में काफी दुखद है। अलाना ने आगे लिखा, मैं कभी यह सोच भी नहीं सकती कि जो लोग पहले ही अपना घर खो चुके हैं, वे इस समय क्या फील कर रहे हैं। फिलहाल हम सेफ हैं और मदद करने वाले सभी लोगों को थैंक्स।

क्या अब पलक का 'पत्ता कट'!

बॉलीवुड के स्टारकिड्स अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। कभी अपने डेब्यू को लेकर तो कभी अपनी लव लाइफ को लेकर। सैफ अली खान का बेटा इब्राहिम अली खान भी बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा स्टारकिड्स में से एक है। फिल्मों में अपने डेब्यू से ज्यादा वह पलक तिवारी के साथ अपने रोमांटिक रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में रहता है।

पिछले दिनों सुर्खियां थीं कि न्यू ईयर उसने पलक के साथ मनाया। साथ में दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा भी गया था लेकिन हाल ही में इब्राहिम अली खान पलक तिवारी के साथ नहीं, बल्कि 23 साल की उस एक्ट्रैस के साथ नजर आया, जो 21 साल की उम्र में ही दो बच्चों की मम्मी बन चुकी है। दोनों को साथ में हंसते-मुस्कुराते देख, प्रशंसक सोशल मीडिया पर जम कर चुटकी ले रहे हैं।

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें इब्राहिम को साऊथ की लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीलीला के साथ देखा गया। दोनों हंसते हुए एक साथ एक बिल्डिग से बाहर निकले और फोटोग्राफरों को खूब पोज दिए। इतना ही नहीं, बल्कि इसके बाद इब्राहिम ने श्रीलीला को बड़े प्यार से गले भी लगाया।

वैसे सूत्रों की मानें तो कहा जा रहा है कि इब्राहिम और श्रीलीला फिल्म 'दिलेर' में एक साथ नजर आएंगे। रिपोट्र्स के अनुसार वे दोनों इसी सिलसिले में मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस पहुंचे थे जहां वे किसी मीटिंग में शामिल हुए थे। लेकिन इस वीडियो के वायरल होने के बाद फैन्स पलक तिवारी को लेकर चुटकी ले रहे हैं।

कोई उसे इब्राहिम की 'एक्स' बता रहा है तो कोई कह रहा है कि 'अब पलक की रिटायरमेंट हो गई।' वहीं एक अन्य यूजर ने कहा है, 'लगता है कि पलक का पत्ता कट गया है!'

मैं बहुत 'डरी' हुई थी : कीर्ति सुरेश

गत दिनों वरुण धवन के साथ साऊथ की चोटी की अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने फिल्म 'बेबी जॉन' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वैसे तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा सकी लेकिन इसे जिस साऊथ की फिल्म की रीमेक बनाया गया था, उसने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। कीर्ति ने खुलासा किया है कि इस फिल्म के लिए उसकी सिफारिश समांथा रुथ प्रभु ने की थी।

यह फिल्म विख्यात निर्देशक एटली की तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्म 'थेरी' की रीमेक है, जिसमें मूल रूप से दलपति विजय और समांथा रुथ प्रभु ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

'बेबी जॉन' के लिए कीर्ति ने उसका नाम सुझाने के लिए समांथा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, जब हिन्दी में इसके रिमेक की चर्चा हो रही थी, तब शायद वह मेरे बारे में सोच रही थी। यह बात वरुण ने मुझे बताई थी। मैं इसके लिए जितनी आभारी रहूं, कम है। 'थेरी' में उनका अभिनय मुझे बहुत पसंद है। ईमानदारी से कहूं तो इस फिल्म को लेकर मैं बहुत डरी हुई थी।

उसने आगे कहा, मैं इससे बेहतर बॉलीवुड डेब्यू की उम्मीद नहीं कर सकती थी। यह उन किरदारों में से एक है, जिन्हें मैं वाकई पसंद करती हूं और मुझे खुशी है कि मुझे इसे हिन्दी में निभाने का मौका मिला।

गौरतलब है कि कीर्ति के निजी जीवन की बात करें तो उसने 12 दिसम्बर को ही अपने लॉन्गटाइम ब्वॉयफ्रैंड एंटनी से शादी की है। दोनों ने गोवा में पारंपरिक दक्षिण भारतीय तरीके से शादी की। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। एंटनी व्यवसायी हैं जो दुबई और अपने गृहनगर कोच्चि, केरल से काम करते हैं।

कमजोरी नहीं ताकत है मेरी 'चुप्पी' : धनश्री

बीते कुछ समय से धनश्री और भारतीय क्रिकेट टीम के लैंग स्पिनर युजवेंद्र चहल के तलाक की खबरें लगातार आ रही हैं। यहां तक कि दोनों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया है। इन खबरों के बीच धनश्री ने पहला पोस्ट किया है। इसमें उसने ऐसी बात कह दी, जिसे तलाक की खबरों से जोड़कर देखा जा रहा है।

मुश्किल में बीते दिन धनश्री ने इंस्टा स्टोरी पर लंबी-चौड़ी पोस्ट में लिखा, बीते कुछ दिन मेरे और मेरे परिवार के लिए मुश्किल भरे रहे। मुझे सबसे ज्यादा जिससे तकलीफ हुई वह है आधारहीन बातें। यहां तक कि मेरे चरित्र पर भी सवाल उठे। मुझे ट्रोल किया गया और ब्री बातें कही गई। सफाई देने की जरूरत नहीं इसके आगे धनश्री ने लिखा, मैंने कई साल मेहनत की है और इस मुकाम तक खुद के बल पर पहुंची। मेरी चुप्पी कमजोरी की निशानी नहीं, बल्कि मेरी ताकत है। नैगेटिविटी बहुत जल्दी ऑनलाइन फैल जाती है। मैंने अपने सच पर भरोसा करने का फैसला किया है और उसी के साथ आगे बढने का। सच को किसी भी चीज की सफाई देने की जरूरत नहीं होती।₹ चहल की पोस्ट धनश्री से पहले युजवेंद्र चहल ने भी एक पोस्ट की थी, जिसे तलाक की खबरों से जोड़कर देखा जा रहा है।

चहल ने लिखा था- साइलैंस (चुप्पी) एक गहन संगीत है। शोर से ऊपर भी इसे सुन सकते हैं। युजवेंद्र चहल और धनश्री ने साल 2020 में शादी की थी। धनश्री एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के अलावा अभिनेत्री और एक कोरियोग्राफर भी है।

कौन हैं उमर नजीर जिन्होंने रोहित-अजिंक्य, शिवम और हार्दिक को आउट किया, पुलवामा से है खास रिश्ता

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और धाकड़ बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की घरेलू क्रिकेट में वापसी कुछ खास नहीं रही। दोनों छोटी पारियां खेलकर पवेलियन लौट गए। गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ शुरू हुए मुकाबले में मुंबई की शुरुआत झटकों के साथ हुई। विपक्षी टीम के घातक गेंदबाज उमर नजीर मुंबई के बल्लेबाजों के लिए घातक साबित हुए।

उमर ने लिए कुल चार विकेट

रणजी ट्रॉफी में ग्रुप ए के इस मुकाबले में सभी की नजरें रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे की वापसी पर थीं, लेकिन 31 वर्षीय गेंदबाज उमर नजीर ने अपनी खतरनाक गेंदबाजी का मुजायरा पेश करते हुए दिग्गजों को पवेलियन लौटने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कुल चार विकेट लिए। इनमें रोहित शर्मा, हार्दिक तमोरे, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे शामिल हैं।

2015 के बाद पहली बार रणजी मैच खेल रहे रोहित

न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित का बल्ला खामोश रहा था और वह छह पारियों में महज 93 रन बना सके थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह पांच पारियों में महज 31 रन बना सके थे। ऐसे में रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फॉर्म में वापसी के लिए रणजी में खेलने का फैसला लिया। नवंबर 2015 के बाद वह पहली बार कोई रणजी मैच खेलने उतरे, लेकिन यहां पर भी फ्लॉप रहे। अब उनसे दूसरी पारी में रन की उम्मीद होगी।

यशस्वी का बल्ला भी रहा खामोश

रोहित के अलावा टेस्ट में साथी ओपनर यशस्वी जायसवाल भी फ्लॉप साबित हुए। यशस्वी आठ गेंद में एक चौके की मदद से चार रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आकिब नबी ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वहीं, रहाणे 17 गेंद में दो चौके की मदद से 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें उमर नजीर ने क्लीन बोल्ड किया। श्रेयस अय्यर सात गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 11 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें युद्धवीर सिंह ने उमर के हाथों कैच कराया। वहीं, शिवम दुबे खाता नहीं खोल सके। रोहित, यशस्वी और श्रेयस के फ्लॉप होने ने टीम इंडिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ये तीनों चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

कौन हैं उमर नजीर

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आउट करने वाले उमर नजीर अब चर्चाओं में बने हुए हैं। बता दें कि, उमर का जन्म तीन नवंबर, 1993 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में हुआ था। उनके पिता लकड़ी के व्यापारी हैं। उन्होंने बेटे को फर्स्ट क्लास क्रिकेट तक पहुंचने में काफी मदद की। उमर की लंबाई छह फुट और चार इंच है। लंबे कद के ये गेंदबाज दिग्गजों के लिए मुसीबत बने हुए हैं।

उमर का करियर

उमर ने अपने अब तक के फर्स्ट क्लास करियर में कुल 57 मुकाबले खेले हैं। इनमें उनके नाम 446 रन और 138 विकेट दर्ज हैं। वहीं, लिस्ट ए में खेले 36 मैचों में उन्होंने 135 विकेट और 54 रन अपने नाम किए हैं। इसके अलावा वह 24 टी20 मैच भी खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 20 रन और 32 विकेट हासिल किए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 31 वर्षीय गेंदबाज की इकोनॉमी 3.13 की रही है।

दूसरे टी20 से पहले जोफ्रा आर्चर की भारत को चेतावनी, इंग्लैंड करेगा पलटवार?

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में एकतरफा जीत हासिल की। कोलकाता के ईडेन गार्डन्स के मैदान पर भारत के सामने जीते के लिए 133 रनों का लक्ष्य था। टीम इंडिया ने मुकाबले को 13वें ओवर में ही अपने नाम किया। इंग्लैंड को इस मैच में 7 विकेट से हार मिली थी। इस एकतरफा हार के बाद भी इंग्लैंड पेसर जोफ्रा आर्चर का कहना है कि भारत को किस्मत से जीत मिल गई थी।

जोफ्रा आर्चर ने क्या कहा?

जोफ्रा आर्चर ने उस मैच में 4 ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने दूसरे टी20 से पहले डेली मेल से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि अन्य गेंदबाजों की तुलना में परिस्थितियां मेरे लिए थोड़ी अधिक अनुकूल थीं। दूसरे गेंदबाजों ने भी अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन बल्लेबाज बेहद किस्मत वाले रहे। कुछ गेंदें नहीं बल्कि बहुत सारी गेंदें, हवा में उठीं लेकिन हाथ में नहीं आईं। शायद अगले गेम में वे सभी हाथ में आ जाएं और उनका स्कोर 40/6 हो।'

पावरप्ले में विकेट लेना जरूरी

जोफ्रा आर्चर के अनुसार पावरप्ले में विकेट गिर जाता तो ऐसे बल्लेबाज टीम इंडिया नहीं करती। उन्होंने कहा- आपको हमेशा शुरुआत में प्रयास करना चाहिए, क्योंकि अगर आप पावरप्ले में तीन या चार आउट कर देते तो तो आमतौर पर टीमें बीच के ओवर में अलग तरह से बल्लेबाजी करती हैं। हमने कोशिश की, लेकिन यह सफल नहीं हो पाई। इसलिए हम अगले गेम में फिर से प्रयास करेंगे।'

चेन्नई में होगा दूसरा मुकाबला

भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा। यह मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर होगा। 5 मैचों की सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-0 से आगे है। इस मैदान पर अभी तक भारतीय टीम ने दो मैच खेला है और एक में जीत हासिल की है। आईपीएल के दौरान यहां की पिच स्पिनर्स को मदद करती है और इस मैच में भी ऐसा हुआ तो इंग्लैंड के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है।

2024 की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम में भारत-ऑस्ट्रेलिया से एक भी नाम नहीं पाकिस्तान-अफगानिस्तान के 3-3 खिलाड़ी

साल 2024 में ज्यादा वनडे नहीं खेलने का भारत को एक और नुकसान हुआ है। आईसीसी की साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम में किसी भारतीय को जगह नहीं मिली है। शुक्रवार को आईसीसी ने टीम जारी की और इसकी कप्तानी श्रीलंका के चरिथ असलंका को सौंपी है। इस टीम में विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का भी कोई खिलाड़ी नहीं है। यानी 2023 विश्व कप फाइनल खेलने वाली दोनों टीमों से कोई खिलाड़ी नहीं है।

भारत ने साल 2024 में तीन वनडे खेले

आईसीसी की साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम में श्रीलंका के सबसे ज्यादा चार खिलाड़ी हैं। वहीं, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तीन-तीन खिलाड़ियों को इस टीम में शामिल किया गया है। वेस्टइंडीज का सिर्फ एक खिलाड़ी इस टीम में है। आईसीसी की टीम में एशिया का दबदबा दिखा है। 11 में से 10 खिलाड़ी एशियाई हैं, जबकि शेरफेन रदरफोर्ड एकमात्र बाहरी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम ने साल 2024 में सिर्फ तीन वनडे खेले थे। इसमें से भी दो में टीम इंडिया को हार मिली थी। भारत ने ये तीनों वनडे कोच गौतम गंभीर की देखरेख में खेले थे।

टीम में एशिया के बाहर का एक खिलाड़ी

साल 2024 में 16 वनडे मैचों में असलांका ने 50.2 की औसत से 605 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। श्रीलंका ने पिछले साल सबसे ज्यादा 18 वनडे मैच खेले और उनमें से 12 में जीत हासिल की। ओपनिंग की जिम्मेदारी पथुम निसांका और पाकिस्तान के सैम अयूब को दी गई है। मध्यक्रम में रहमनुल्लाह गुरबाज, खुद कप्तान असलंका और कुसल मेंडिस हैं। वेस्टइंडीज से एकमात्र खिलाड़ी रदरफोर्ड हैं, जो कि एक ऑलराउंडर हैं। इसके

अलावा ओमरजई के रूप में टीम में एक पेस बॉलिंग ऑलराउंडर भी है। स्पिन की जिम्मेदारी वानिंदु हसरंगा और गजनफर के हाथों में दी गई है। वहीं, शाहीन अफरीदी और रऊफ के रूप में टीम में विशेषज्ञ तेज गेंदबाज हैं। 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले रदरफोर्ड ने पिछले साल नौ मैचों में 106.2 की औसत से 425 रन बनाए थे।

2024 के लिए आईसीसी पुरुष वनडे टीम ऑफ द ईयरः चरिथ असलांका (कप्तान) (श्रीलंका), सैम अयूब (पाकिस्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (अफगानिस्तान), पथुम निसांका (श्रीलंका), कुसल मेंडिस (विकेटकीपर) (श्रीलंका), शेरफेन रदरफोर्ड (वेस्टइंडीज), अजमतुल्लाह ओमरजई (अफगानिस्तान)), वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका), शाहीन शाह अफरीदी (पाकिस्तान), हारिस रऊफ (पाकिस्तान), एएम गजनफर (अफगानिस्तान)।

क्यों चर्चा में हैं वीरेंद्र सहवाग? पत्नी आरती ने इंस्टा प्रोफाइल किया प्राइवेट, अटकलें तेज

भारत के कई क्रिकेटर्स इन दिनों चर्चा में हैं। सबसे पहले युजवेंद्र चहल और धनश्री का नाम सुर्खियों में आया था। मीडिया रिपोर्ट्स में यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों अलग हो रहे हैं और तलाक लेने जा रहे हैं। हालांकि, अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ है। इसके बाद मनीष पांडे और उनकी पत्नी आश्रिता शेट्टी के भी अलग होने की खबरें सामने आई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि दोनों ने इंस्टाग्राम से एक-दूसरे के साथ तस्वीरें हटा दी हैं। अब भारत के दिग्गज क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग चर्चा में हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि सहवाग और उनकी पत्नी आरती शादी के 20 साल बाद एक-दूसरे से अलग हो सकते हैं।

सहवाग और आरती की शादी 2004 में हुई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। इसने उनके रिश्तों में दरार की अटकलों को बढ़ावा दिया है। परिवार से जुड़े सूत्रों के हवाले से हिंदुस्तान टाइम्स ने बताया कि दोनों पिछले कई महीनों से एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी शैली के लिए जाने जाने वाले सहवाग और आरती के दो बेटे हैं- आर्यवीर और वेदांत। आर्यवीर का जन्म 2007 में और वेदांत का

जन्म 2010 में हुआ था। इतना ही नहीं इस रिपोर्ट के बाद फैंस की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। फैंस का कहना है कि दिवाली सेलिब्रेशन के दौरान सहवाग ने अपने बेटों और अपनी मां के साथ फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किए, लेकिन आरती का कोई जिक्र या तस्वीर नहीं दिखाई। इस चुप्पी ने अफवाहों को और हवा दे दी।

हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, दो हफ्ते पहले सहवाग ने पलक्कड़ में विश्व नागाक्षी मंदिर का दौरा किया था और अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यात्रा से तस्वीरें साझा की थीं। हालांकि, पोस्ट में आरती का कोई जिक्र नहीं था। इस भारतीय क्रिकेट आइकन ने अभी तक एक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन दोनों के बीच दूरी उनके फॉलोअर्स के बीच चर्चा का विषय बन गई है। नई दिल्ली की रहने वाली आरती अहलावत काफी हद तक लो प्रोफाइल मेंटेन करती हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आरती ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल को भी प्राइवेट मोड पर कर लिया है और सिर्फ फॉलोअर्स ही उनकी प्रोफाइल देख सकते हैं, जो कि पहले पब्लिक थी। हालांकि, आरती के नाम में अब भी सहवाग जुड़ा हुआ है। आरती का जन्म 16 दिसंबर, 1980 को हुआ था। आरती ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज से कंप्यूटर साइंस में डिप्लोमा पूरा करने से पहले लेडी इरविन सेकेंडरी स्कूल और भारतीय विद्या भवन से अपनी शिक्षा प्राप्त की।

दोनों की लव स्टोरी 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुई थी। साल 2004 में पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली के आवास पर दोनों ने शादी की थी। इस कपल को क्रिकेट में सबसे मजबूत और क्यूट कपल में से एक माना जाता है। सहवाग भी क्रिकेट की प्रतिबद्धताओं के बीच अपनी पारिवारिक जीवन को संतुलित रखते रहे हैं। हालांकि, हिंदुस्तान टाइम्स के सूत्रों का दावा है कि उनका रिश्ता अब पहले जैसा नहीं रहा है।

सहवाग ने 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और तब से वह विभिन्न भूमिकाओं में रहे। इसमें राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के डोपिंग रोधी अपील पैनल के सदस्य के रूप में काम करना भी शामिल है। वह आईपीएल में कोच की भूमिका भी निभा चुके हैं।

उनका नाम कई बार भारतीय टीम के कोच बनने से भी जुड़ा, लेकिन सहवाग ने हर बार इन अटकलों का खंडन किया। वह बोले कि अभी वह इस जिम्मेदारी को नहीं लेना चाहते, लेकिन भविष्य के बारे में उन्हें नहीं पता। हालांकि, न तो सहवाग और न ही आरती ने अभी तक कोई घोषणा की है।

'किसी को ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए', मनोज तिवारी ने कोच गौतम पर लगाए गंभीर आरोप

मनोज तिवारी और भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। तिवारी पिछले कुछ दिनों में गौतम पर कई गंभीर आरोप लगा चुके हैं। अब एक इंटरव्यू में उन्होंने फिर से भारतीय कोच को लेकर बयान दिए हैं। तिवारी ने गंभीर पर 'गाली और धमकी' का उपयोग करने का आरोप लगाया। तिवारी ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दिनों में हुई बहस को याद किया। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच लगभग भिड़ंत हो ही गई थी और लड़ने वाले थे। तिवारी ने कहा कि उनकी लगभग लड़ाई होने ही वाली थी, लेकिन केकेआर के तत्कालीन गेंदबाजी कोच वसीम

अकरम ने रोक दिया था।

तिवारी ने लल्लनटॉप से कहा, 'जब कोई नया खिलाड़ी उभरता है तो उसे अखबार में जगह दी जाती है। शायद यही एक कारण है कि गंभीर मुझसे नाराज हो गए थे। अगर पीआर टीम होती, तो मैं आज भारत का कप्तान होता।' उन्होंने कहा, 'एक बार ईडन गार्डेंस पर मेरे बल्लेबाजी क्रम को लेकर हमारी तीखी बहस हुई थी। मैं बहुत परेशान था और वॉशरूम गया था। गंभीर अंदर घुस गए और कहा, 'यह रवैया काम नहीं करेगा। तुझे कभी फिर से खिलाऊंगा नहीं। इसके अलावा उन्होंने कई और बातें कहीं। मैंने उनका सामना किया और उनसे पूछा कि वह इस तरह से क्यों बात कर रहे हैं। वह मुझे धमकी दे रहे थे। वसीम अकरम भी आए। वह हमारे गेंदबाजी कोच थे, इसलिए उन्होंने चीजों को शांत किया, अन्यथा हाथपाई भी हो सकती थी।'

दोनों के बीच 2015 में रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान भी विवाद हुआ था और तिवारी ने कहा था कि गंभीर मैदान पर उन्हें गालियां दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह रणजी ट्रॉफी मैच था और मैं क्रीज पर गार्ड कर रहा था। वह स्लिप से गाली दे रहे थे। किसी को भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। गंदी गंदी गाली दे रहे थे। फिर उन्होंने कहा, शाम को मिलो, मैं तुम्हारी पिटाई करूंगा। मैंने कहा, 'शाम को क्यों, चलो अब लड़ते हैं। मैं भी मजबूत था।'

उन्होंने कहा, 'अंपायर बीच में आए और गंभीर ने उन्हें भी धक्का दे दिया। फिर ओवर खत्म हुआ और मैं नॉन स्ट्राइकर एंड पर था। वो मिड ऑफ पर आकर मुझे फिर से गाली देने लगा। अंपायर ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। वह एक बड़ा खिलाड़ी है और वे डरते हैं कि वह उनके खिलाफ अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर सकता है।'

रणजी ट्रॉफी में अनुशासन को लेकर बीसीसीआई सख्त असहमति जताने पर महाराष्ट्र के अंकित बावने को मिली सजा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महाराष्ट्र के बल्लेबाज अंकित बावने पर पिछले साल रणजी ट्रॉफी मैच में मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ असहमति जताने पर एक मैच का निलंबन लगाया जिसके कारण वह बड़ौदा के खिलाफ नासिक में चल रहे मैच में नहीं खेल पाए। बीसीसीआई ने महाराष्ट्र की टीम को नासिक के गोल्फ क्लब मैदान में इस फैसले की सूचना दी जहां वह ग्रुप ए का रणजी मैच खेल रही है।

पिछले साल घटी थी घटना

यह घटना पिछले साल नवंबर में एमसीए मैदान पर हुई थी जहां अमित शुक्ला की गेंद पर सेना के शुभम रोहिल्ला द्वारा स्लिप में कैच लिए जाने के बाद बावने मैदान पर अपनी क्रीज पर डटे रहे थे। डीआरएस की अनुपलब्धता के कारण फैसले को चुनौती नहीं दिए जाने के कारण बावने ने करीब 15 मिनट तक मैदान छोड़ने से इनकार कर दिया। मैच रेफरी अमित शर्मा और महाराष्ट्र के कोच सुलक्षण कुलकर्णी के हस्तक्षेप के बाद मैच फिर से शुरू हुआ।

बावने पर एक मैच का प्रतिबंध

एमसीए ने गुरुवार को कहा, 'महाराष्ट्र क्रिकेट संघ आधिकारिक तौर पर सूचित करना चाहता है कि हमारे रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी अंकित बावने पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा एक मैच का प्रतिबंध लगा है और वह इसकी सजा भुगत रहे हैं।' विज्ञप्ति में कहा गया, 'इससे अंकित बावने बड़ौदा के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी मैच में चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, हमें यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि वह अगले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे और महाराष्ट्र टीम की सफलता में योगदान देना जारी रखेंगे।'

'बीसीसीआई के फैसलों का सम्मान'

एमसीए ने कहा, 'हम बीसीसीआई के फैसलों का सम्मान करते हैं और क्रिकेट के खेल में अनुशासन और खेल भावना के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आगामी मैच में अंकित की भागीदारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' महाराष्ट्र के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने उस समय ऑस्ट्रेलिया के भारत ए दौरे पर जाने के दौरान अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आउट होने की तस्वीरें पोस्ट की थीं जिससे पता चलता है कि बावने आउट नहीं थे और यह फैसला गलत था।

रोहित शर्मा को पवेलियन की राह दिखाने के बाद उमर नजीर ने क्यों नहीं मनाया जश्न, खुद बताई वजह

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की घरेलू क्रिकेट में वापसी कुछ खास नहीं रही है। वह महज तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। जम्मू और कश्मीर के गेंदबाज उमर नजीर ने उन्हें अपना शिकार बनाया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद 31 वर्षीय गेंदबाज ने बताया कि हिटमैन को पवेलियन की राह दिखाने के बाद उन्होंने जश्न क्यों नहीं मनाया।

रणजी ट्रॉफी में ग्रुप ए के इस मुकाबले में सभी की नजरें रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे की वापसी पर थीं,

लेकिन 31 वर्षीय गेंदबाज उमर नजीर ने अपनी खतरनाक गेंदबाजी का मुजायरा पेश करते हुए दिग्गजों को पवेलियन लौटने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कुल चार विकेट लिए। इनमें रोहित शर्मा, हार्दिक तमोरे, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे शामिल हैं।

क्यों नहीं मनाया जश्न

पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद उमर नजीर ने कहा- 'मेरे दिमाग में पहला विचार यह था... मैं रोहित का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और इसलिए मैंने आज उनका विकेट लेने के बाद जश्न नहीं मनाया। अगर हम यह मैच जीतते हैं तो यह गर्व का क्षण होगा क्योंकि भारत का कप्तान विपक्षी टीम में खेल रहा है।' उन्होंने आगे कहा- 'एक अच्छी गेंद किसी भी खिलाड़ी के सामने अच्छी गेंद ही होती है। रोहित शर्मा का विकेट हासिल करना बड़ी उपलब्धि है, मैं खुश हूं।'

2015 के बाद पहली बार रणजी मैच खेल रहे रोहित

न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित का बल्ला खामोश रहा था और वह छह पारियों में महज 93 रन बना सके थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह पांच पारियों में महज 31 रन बना सके थे। ऐसे में रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फॉर्म में वापसी के लिए रणजी में खेलने का फैसला लिया। नवंबर 2015 के बाद वह पहली बार कोई रणजी मैच खेलने उतरे, लेकिन यहां पर भी फ्लॉप रहे। अब उनसे दूसरी पारी में रन की उम्मीद होगी।

डोनाल्ड ट्रम्प का मेक इन अमेरिका का ऐलान

क्या सिर्फ चीन को होगा नुकसान या भारत भी आएगा लपेटे में?

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।अमेरिका का राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले भाषण में कहा था कि अब से अमेरिका खुद को फिर से 'विकासशील देश' मानेगा और वह अमेरिका को एक अमीर मुल्क बनाने पर काम करेंगे। वह अपनी इस बात को लेकर कितना सीरियस हैं इसका अंदाजा आप उनके 'मेक इन अमेरिका' के ऐलान से लगा सकते हैं। तो क्या उनकी ये रणनीति सिर्फ चीन को नुकसान पहुंचाएगी या भारत के 'मेक इन इंडिया' पर भी इसकी आंच आएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को दुनिया के बिजनेस लीडर्स से अपने प्रोडक्ट अमेरिका में बनाने का आह्वान किया। उनका ये आह्वान ही 'मेक इन अमेरिका' प्रोग्राम है। उन्होंने साफ कर दिया कि कंपनियों को अपने प्रोडक्ट अमेरिका में मैन्यूफैक्चर करने पर फोकस करना चाहिए, नहीं तो ज्यादा टैक्स या ड्यूटी देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

क्या सिर्फ चीन को होगा नुकसान ?

डोनाल्ड ट्रंप का पहला कार्यकाल भी चीन के साथ ट्रेड वॉर वाला रहा है। कोविड शुरू होने से ठीक पहले तक दुनियां की इन दोनों आर्थिक महाशक्तियों के बीच ट्रेड और टैरिफ वॉर चल रहा था। इसका तनाव पूरी दुनिया के व्यापार पर भी देखा गया। डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में वापसी के साथ ही चीन को सबक सिखाने, पनामा कैनाल पर उसकी भूमिका सीमित करने का ऐलान कर दिया, जिसने ये साफ कर दिया कि अमेरिका और चीन के रिश्ते आने वाले दिनों में तनावपूर्ण हो सकते हैं। इतना ही नहीं अपने पहले भाषण में ही डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा कि वह अमेरिका के बड़े ट्रेडिंग पार्टनर देश कनाडा, मेक्सिको और चीन पर भारी टैरिफ लगा सकते हैं। वह ये जितना जल्दी हो सके उतना जल्दी जैसे कि एक फरवरी से ही कर देंगे। इन देशों की लिस्ट में फिलहाल भारत का नाम शामिल नहीं है। उन्होंने अमेरिका को पेरिस जलवायु समझौते और विश्व स्वास्थ्य संगठन से भी खुद को अलग कर लिया है।

क्या भारत भी आएगा लपेटे में ?

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाने वाले देशों की सूची में भले भारत का नाम नहीं लिया हो, लेकिन स्विट्जरलैंड के दावोस में चल रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बात कही, जो भारत की चिंता बढ़ा सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा," आप अमेरिका में अपने प्रोडक्ट बनाइए और हम आपको धरती पर किसी भी देश की तुलना में सबसे कम टैक्स का फायदा देंगे। अगर आप अमेरिका में अपने प्रोडक्ट नहीं बनाते हैं, जिसका फैसला आपको करना है, तो सामान्य तौर पर आपको ज्यादा टैक्स चुकाना होगा।"कोविड के दौरान जब दुनिया की कई बड़ी कंपनियों का चीन से मोहभंग हुआ और उन्होंने अपनी सप्लाई चेन में अलग-अलग देशों को शामिल करना शुरू किया। तब भारत ने अपने 'मेक इन इंडिया' प्रोग्राम को पुश किया। वहीं कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' (पीएलआई स्कीम) पेश की।ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप का सबसे कम टैक्स का वादा भारत को परेशान कर सकता है। वैसे भी डोनाल्ड ट्रंप अपने पिछले कार्यकाल में भारत की इंपोर्ट ड्यूटी पॉलिसी पर ऐतराज जता चुके हैं। उनका ये बयान हार्ले डेविडसन बाइक के संदर्भ में आया था।

मांग बढ़ाने के लिए घटाई जाएं ब्याज दरें

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की डांवाडोल, कर्ज के बोझ से दबी इकोनॉमी को रिवाइव करने के लिए फिर मांग बढ़ाने पर जोर देने की बात कही है। इसके लिए उन्होंने फेडरल रिजर्व बैंक से तत्काल ब्याज दरों में कटौती के लिए कहा है। अगर ऐसा होता है तो दुनिया भर के शेयर मार्केट से लेकर कई देशों की इकोनॉमी और ग्लोबल महंगाई पर इसका असर पड़ेगा।

खेती-किसानी का बजट 15% बढ़ा सकती है सरकार, किसानों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। देश का बजट पेश होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में देश की 50 प्रतिशत से ज्यादा आबादी जिस सेक्टर पर निर्भर करती है, उस सेक्टर के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना खजाना खोल सकती हैं। इस बार देश में खेती-किसानी और कृषि सेक्टर का बजट 15 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

देश के किसानों को क्या फायदा होगा ?

देश में ग्रामीण आय को बढ़ावा देने और ग्रामीण इलाकों में महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सरकार लगातार कोशिश कर रही है। ऐसे में सरकार कृषि के बजट को 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.75 लाख करोड़ रुपए) तक कर सकती है। ये बीते 6 साल में कृषि बजट में सबसे बड़ी ग्रोथ होगी। वर्तमान में कृषि बजट 99.41 अरब रुपए है।

सरकार ग्रामीण इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने पर ध्यान दे रही है। किसानों को सरकार पहले ही 'किसान सम्मान निधि योजना' का लाभ दे रही है। इसके तहत उन्हें हर साल 3 समान किस्तों में कुल 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता मिलती है। वही बजट में होने वाली धन की बढ़ोतरी से सरकार की कोशिश ज्यादा उपज देने वाली बीज किस्मों को विकसित करने, स्टोरेज और सप्लाई इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने के साथ-साथ दलहन, तिलहन, सब्जियों और डेयरी उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा।

पैदावार के बावजूद महंगाई की समस्या

सरकार के सामने इस समय एक बड़ी समस्या महंगाई की है। चावल, गेहूं और चीनी के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

इसके बावजूद वह खाद्यान्नों की ऊंची कीमतों से जूझ रहा है। अक्टूबर 2024 में खाद्य महंगाई दर सालाना आधार पर 10% से अधिक बढ़ गई थी। उसके बाद इसमें नरमी आई है फिर भी बीते पूरे दशक में ये औसत 6% से अधिक रही है।

बिटकॉइन या मुकेश अंबानी का जियोकॉइन

आपके लिए क्या है ज्यादा फायदेमंद

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आप भी क्रिप्टो करेंसी से कमाई करना चाहते हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है। क्रिप्टोकरेंसी वर्चुअल करेंसी है। क्रिप्टो वर्ल्ड में सबसे मजबूत करेंसी मौजूदा समय में बिटकॉइन है, जिसके एक कॉइन की कीमत करीब 1 लाख रुपए के बराबर है। ऐसे में छोटे निवेशक जो क्रिप्टो से कमाई करना चाहते हैं वो बिटकॉइन नहीं खरीद पाते हैं। वहीं, मुकेश अंबानी ने भी जियो कॉइन को मार्केट में लाकर तहलका मचा दिया है। ऐसे में आइए जानते हैं आपके लिए क्या फायदेमंद है?

क्या है बिटकॉइन ?

बिटकॉइन एक आभासी यानी वर्चुअल कॉइन है। अमेरिका में डोनाल्ड ड्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद से ये लगातार उछाल मार रहा है। 5 नवंबर को अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने के बाद से इसकी कीमत कई गुना बढ़ चुकी है। बिटकॉइन क्रिप्टो वर्ल्ड में सबसे मजबूत करेंसी है। इंडियन करेंसी में 1 बीटीसी की कीमत 91,05,605.47 है। बिटकॉइन में निवेश करने के लिए आपको मोटी रकम चाहिए होगी। वहीं, जितनी तेजी से क्रिप्टो करेंसी बढ़ती है उतनी ही तेजी से इसमें गिरावट भी आती है। इसके अलावा आपको इसपर 30 फीसदी टैक्स और 4 फीसदी सेस और 1 फीसदी टीडीएस भी देना पड़ता है। यानि आपकी कमाई का 35 फीसदी तो टैक्स में ही कट जाएगा।

क्या है जियो कॉइन ?

जियो कॉइन मुकेश अंबानी की संभावित क्रिप्टो कॉइन है। एशिया के दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी जल्द जियोकॉइन के साथ क्रिप्टो मार्केट में एंट्री कर सकते हैं, हालांकि ये अभी केवल अकटलें हैं। लेकिन कुछ जियो प्लेटफॉर्म्स पर ये जियो क्वाइन दिखने लगे हैं। जियो कॉइन बिट कॉइन के मुकाबले काफी सस्ते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जियो कॉइन जियो यूजर्स को फ्री मिलेगा। अभी इसकी कोई वैल्यू नहीं है प्लेटफॉर्म्स पर इसकी वैल्यू 0यूएसडी है।

क्या है फायदेमंद ?

जहां बिटकॉइन महंगा निवेश है वहीं, जियो कॉइन बेहद सस्ता या यूं कहें फ्री का सौदा है। जियो कॉइन जियो यूजर्स को फ्री में मिलेंगे। इसके अलावा आप जियोस्फीयर ब्राउजर का इस्तेमाल करके भी धीरे-धीरे रिवॉर्ड्स के रूप में जियो क्वाइन फ्री में ले सकते हैं। यहां पर ध्यान देने बात ये है कि फ्री के जियो क्वाइन ऐप में दिए बहुभुज वॉलेट में क्रेडिट किए जाएंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	मकर मे
चंद्र-	वृश्चिक मे
मंगल	मिथुन (व) मे
बुध-	धनु मे
गुरु-	वृष मे
शुक्र-	कुंभ मे
शनि-	कुंभ मे
राहु-	मीन मे
केतु-	कन्या मे

लग्नारंभ समय	
मकर...	06-09 बजे
कुंभ...	08-00 बजे
मीन...	09-38 बजे
मेष...	11-14 बजे
वृष...	13-00 बजे
मिथुन	15-00 बजे
कर्क..	17-11 बजे
सिंह...	19-24 बजे
कन्या...	21-32 बजे
तुला....	23-36 बजे
वृश्चिक...	01-45 बजे
धनु......	04-00 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् •2051,हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-53
सूर्यास्त. - 18-03
कलियुग संवत् •5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल • पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी . 20-32 तक उपरान्त द्वादशी
मास • माघ कृष्ण , शनिवार 25 January
नक्षत्र • अनुराधा 07-07 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग • धुव्र 04-37 तक उप व्याघात
करण- बव 08-04 तक उप बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार • षटतिला एकादशी व्रत सर्वे.

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:40 से 11:04 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:53 - 08:15	अशुभ	लाभ	18:07 - 19:42	शुभ
शुभ	08:15 - 09:40	शुभ	उत्पात	19:42 - 21:18	अशुभ
रोग	09:40 - 11:04	अशुभ	शुभ	21:18 - 22:53	शुभ
उत्पात	11:04 - 12:29	अशुभ	अमृत	22:53 - 00:28	शुभ
चंचल.	12:29 - 13:53	शुभ	चंचल	00:28 - 02:04	शुभ
लाभ.	13:53 - 15:18	शुभ	रोग	02:04 - 03:39	अशुभ
अमृत.	15:18 - 16:42	शुभ	काल.	03:39 - 05:15	अशुभ
काल	16:42 - 18:03	अशुभ	लाभ.	05:15 - 30:53	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें । आप काम के पीछे इतने पागल हैं कि कई बार तो अपनी उपलब्धियों पर खुश होना भी भूल जाते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा । आज का दिन कोई भी नयी शुरुआत करने के लिए बहुत अच्छा है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा । अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे । आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं ।आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी । आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा । आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है । अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें |आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमेरिका के प्रतिबंधों का नहीं होगा कोई बड़ा असर, भारत के पास भी हैं सीक्रेट पार्टनर

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।अमेरिका के रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का असर भारत पर नहीं होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी ने को कहा कि रूस के खिलाफ किसी भी और प्रतिबंध का भारत की कच्चे तेल की जरूरतों पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वैश्विक कीमतें 75-80 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में स्थिर रहेंगी। उन्होंने कहा कि इसका कारण हमें पहले से ही प्रतिबंध की आशंका थी।

आपात स्थिति से निपटने के लिए क्या है विकल्प

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऐसे कई ऊर्जा स्रोत हैं जिनका उपयोग किसी भी आपात स्थिति में भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जा सकता है। दावोस में भारत की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर साहनी ने कहा कि यहां भारत की बड़ी उपस्थिति देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा, इससे बहुत मदद मिलती है क्योंकि हम यहां एक ही स्थान पर कई वैश्विक कंपनियों से मिल सकते हैं। हम उन सभी के साथ विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं, और यह कंपनी और अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है।

कच्चे तेल पर क्या बोले आईओसी के चेयरमैन

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का दूसरी बार राष्ट्रपति बनने और भारत पर इसके प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि यह ऊर्जा क्षेत्र के लिए सकारात्मक होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि हमें अधिक ऊर्जा का उत्पादन करना होगा और हम अधिक ऊर्जा स्रोतों के खिलाफ नहीं हैं। अधिक से अधिक ऊर्जा स्रोत होना हमेशा बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि भारत कच्चे तेल का लगभग 87 प्रतिशत आयात करता है और अगर देश को एक से अधिक स्रोत मिलें तो यह बेहतर होगा।

कच्चे तेल की नहीं है कमी

इस आशंका पर कि अगर युद्ध नहीं रुका तो ट्रंप रूस पर और प्रतिबंध लगा सकते हैं, उन्होंने कहा कि इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं होगा। साहनी ने कहा, यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले भारत को रूस से दो प्रतिशत से भी कम तेल मिलता था। युद्ध शुरू होने के बाद और रूस को यूरोप आदि को तेल बेचने की अनुमति नहीं मिलने के बाद, हमें रूस से अधिक तेल मिलना शुरू हो गया। उन्होंने कहा, यदि प्रतिबंधों के कारण इसमें कमी आती है, तो हमारे पास इसकी भरपाई के लिए अन्य स्रोत हैं।

पतंजलि फूड्स : चार टन लाल मिर्च पाउडर बाजार से वापस मंगाया

ग्राहकों से उत्पाद वापस करने और रिफंड लेने की अपील

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)।पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने खाद्य नियामक एफएसएसएआई के निर्देश के बाद बाजार से 4 टन लाल मिर्च पाउडर वापस मंगाया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की ओर से पतंजलि फूड्स को खाद्य सुरक्षा मानदंडों के अनुरूप न होने के कारण पैक किए गए लाल मिर्च पाउडर के एक विशेष बैच को वापस लेने को कहने के बाद कंपनी ने यह कदम उठाया। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव अस्थाना ने एक बयान में कहा, पतंजलि फूड्स ने 4 टन लाल मिर्च पाउडर (200 ग्राम पैक) के छोटे बैच को वापस मंगाया है। उन्होंने कहा, उत्पाद के नमूनों की जांच करने पर पाया गया कि उनमें कीटनाशक अवशेषों की अधिकतम स्वीकार्य सीमा नहीं है। एफएसएसएआई ने लाल मिर्च पाउडर सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के लिए कीटनाशक अवशेषों की अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) निर्धारित की है। अस्थाना ने कहा कि बताए गए नियामक मानदंडों के अनुरूप कंपनी ने अपने वितरण चैनल साझेदारों को सूचित करने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। उत्पाद खरीदने वाले उपभोक्ताओं तक यह सूचना पहुंचाने के लिए कंपनी ने विज्ञापन भी जारी किए हैं। कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे उत्पाद को, जहां से उसे खरीदा है, वहां जाकर लौटाएं और पूरा पैसा वापस ले लें। अस्थाना ने कहा, वापस लिए गए उत्पाद का मूल्य और मात्रा बहुत कम है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने कृषि उत्पाद आपूर्तिकर्ताओं का मूल्यांकन कर रही है और कृषि उत्पादों की खरीद के लिए कठोर गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाएं अपनाने व एफएसएसएआई नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है। अस्थाना ने कहा, कंपनी अपने सभी उत्पादों में उच्चतम गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पतंजलि फूड्स ने गुरुवार को कहा, खाद्य सुरक्षा नियामक ने पतंजलि फूड्स को निर्देश दिया है कि वह खाद्य सुरक्षा और मानक (संदूषक, विषाक्त पदार्थ और अवशेष) विनियम, 2011 का अनुपालन न करने के कारण, बैच संख्या - एजेडी2400012 के समूचे खाद्य पदार्थ (अर्थात लाल मिर्च पाउडर पैक) को वापस बुलाए। वर्ष 1986 में स्थापित बाबा रामदेव के नेतृत्व वाली पतंजलि आयुर्वेद समूह की कंपनी पतंजलि फूड्स (पूर्व में रुचि सोया) भारत की शीर्ष एफएमसीजी कंपनियों में से एक है। कंपनी खाद्य तेल, खाद्य और एफएमसीजी और पवन ऊर्जा उत्पादन क्षेत्रों में कारोबार करती है। पतंजलि, रुचि गोल्ड, न्यूट्रेला आदि जैसे विभिन्न ब्रांडों के तहत उत्पाद बेचती है।

सोना ऑल टाइम हाई पर, 10 ग्राम की कीमत 80,430 रुपए

24 दिन में 4,268 महंगा ; चांदी 91,265 रु. प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। सोना आज यानी 24 जनवरी को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 391 रुपए बढ़कर 80,430 रुपए हो गया है। इससे पहले गुरुवार को इसका दाम 80,039 रुपए प्रति दस ग्राम था। सोने ने दो दिन पहले 22 जनवरी को 80,194 रुपए प्रति दस ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, चांदी की कीमत में भी आज तेजी है। ये 632 रुपए बढ़कर 91,265 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 90,633 रुपए पर थी। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

बीते 24 दिन में 4,268 महंगा हुआ सोना

31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 76,162 रुपए था, जो इस महीने के 24 दिन में 4,268 रुपए बढ़कर 80,430 रुपए पर पहुंच गया है।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,570 रुपए है। **मुंबई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,420 रुपए है। **कोलकाता :** 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 75,550 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 82,420 रुपए है। **चेन्नई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,420 रुपए है। **भोपाल :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,470 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 82,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 75,550 रुपये है।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी फिसले

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई। शुक्रवार को सेंसेक्स 329.92 (0.43%) अंक टूटकर 76,190.46 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर,निफ्टी 113.15 (0.49%) अंक गिरकर 23,092.20 के स्तर पर पहुंच गया। शुक्रवार को रुपया 22 पैसे मजबूत होकर 86.22 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों के मिले-जुले रुख के बीच निवेशकों की ओर से रियल्टी, तेल व गैस और स्वास्थ्य सेवा शेयरों में बिकवाली करने से शुक्रवार को भारतीय बाजार के बेंचमार्क सूचकांक फिसल गए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में दो दिन से जारी तेजी पर विराम लग गया। विदेशी पूंजी के निरंतर बहिर्गमन से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बीएसई सेंसेक्स 329.92 अंक या 0.43 प्रतिशत गिरकर 76,190.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 428.63 अंक या 0.56 प्रतिशत गिरकर 76,091.75 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 113.15 अंक या 0.49 प्रतिशत गिरकर 23,092.20 पर आ गया। 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में महिंद्रा एंड महिंद्रा, जोमैटो, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टूब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से पिछड़ गए। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा, नेस्ले, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में दिखा मिला-जुला रुख, यूरोपीय बाजार में बढ़त

एशियाई बाजारों में सियोल, शंघाई और हांगकांग सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि टोक्यो में गिरावट दर्ज की गई। बैंक ऑफ जापान ने अपनी प्रमुख ब्याज दर 0.25 प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग 0.5 प्रतिशत कर दी। यूरोप के बाजार हरे निशान में कारोबार करते दिखे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को विश्व आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए व्यापारिक नेताओं को अमेरिका में अपने उत्पादों का निर्माण करने पर कम कर लगाने की पेशकश की, और ऐसा न करने पर टैरिफ लगाने की धमकी दी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए फोरम की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए ट्रंप ने यह भी कहा कि वह सऊदी अरब और ओपेक से तेल की कीमतें कम करने के लिए कहेंगे। ट्रंप ने कहा कि अगर कीमतें कम हो गईं तो रूस-यूक्रेन युद्ध तुरंत समाप्त हो जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि पूरी दुनिया में खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं और उनके प्रशासन ने अमेरिका में महंगाई को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने कहा, मैं हर नए नियम के लिए 10 पुराने नियमों को समाप्त करने का वादा करता हूं... मैं अपने लोगों की मदद के लिए अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी कर कटौती पारित करने जा रहा हूं। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 5,462.52 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत बढ़कर 78.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले सत्र में सेंसेक्स 115.39 अंक या 0.15 प्रतिशत बढ़कर 76,520.38 पर बंद हुआ था। निफ्टी 50 अंक या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 23,205.35 पर बंद हुआ था।

दिल्ली में कांग्रेस का त्रिकोण बिगाड़ सकता है आप का गणित

नई दिल्ली, 24 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दिल्ली की सत्ता पर 10 वर्षों से काबिज आम आदमी पार्टी की नजर इस बार जीत की हैट्रिक पर है लेकिन राह आसान नहीं लग रही। उसके रास्ते को बीजेपी चट्टान बनकर रोकने के लिए भले ही पूरा जोर लगा रही है लेकिन कांग्रेस का त्रिकोण टीम अरविंद केजरीवाल के लिए उससे भी बड़ी बाधा के रूप में दिख रहा है। आम आदमी पार्टी इस बात को अच्छे से जानती है कि अगर कांग्रेस मजबूत हुई तो उसका सीधा नुकसान उसे ही उठाना पड़ेगा। उसे डर ये नहीं कि कुछ सीटों पर कांग्रेस जीत जाएगी, बल्कि डर ये है कि बीजेपी बाजी मार ले जाएगी।

क्या कांग्रेस अपना रही नरम रुख?

आम आदमी पार्टी कांग्रेस की आक्रामकता से डरी हुई है। दिल्ली कांग्रेस के हमलावर तेवरों के बाद अरविंद केजरीवाल ने इंडिया गठबंधन के बाकी नेताओं के जरिए कांग्रेस आलाकमान को आप के खिलाफ नरम रुख अपनाने के लिए मनाने की कोशिश की थी। इस दावे पर यकीन करें तो उसके बाद कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली यूनिट के नेताओं को आम आदमी पार्टी के खिलाफ हमलावर रुख अख्तियार नहीं करने का संदेश भेजा था। ये बात तब की है जब अजय माकन ने केजरीवाल को 'देशद्रोही' कहा था।

यूथ कांग्रेस ने महिला सम्मान योजना और बुजुर्गों के लिए कथित हेल्थ स्कीम के लिए आप कार्यकर्ताओं की तरफ से घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन करने को जनता के साथ धोखाधड़ी बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। संदीप दीक्षित भी लगातार आप और केजरीवाल पर हमले कर रहे थे। दावा किया जा रहा है कि आलाकमान से संदेश मिलने के बाद कांग्रेस नेताओं का आप पर हमलावर रुख नरम हुआ।

तो क्या सच में कांग्रेस दिल्ली में आम आदमी पार्टी के खिलाफ नरम रुख अख्तियार कर रही है? ऐसा दिखता तो नहीं है।

पार्टी नेताओं का आप के खिलाफ हमलावर रुख बदस्तूर जारी है। कभी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर तो कभी वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए पार्टी के नेता आप के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। हालांकि, चुनाव प्रचार के बीच राहुल गांधी की तबीयत का

खराब होना कांग्रेस के लिए झटके की तरह है। खराब सेहत की वजह से उनकी अबतक दो रैलियां रद्द हो चुकी हैं। दिल्ली के चुनाव प्रचार युद्ध में अबतक प्रियंका गांधी वाड्रा की भी एंट्री नहीं हुई है।

कांग्रेस से डरी हुई है आप!

इस चुनाव में आम आदमी पार्टी को बीजेपी से कहीं ज्यादा कांग्रेस का डर सता रहा है। बिना नाम दिए आप के एक वरिष्ठ नेता के हवाले से बताया जा रहा है कि पार्टी को इसकी चिंता नहीं है कि कांग्रेस कुछ सीटें छीन लेगी, बल्कि ये है कि वह बीजेपी को मजबूत करने में मदद करेगी। आम आदमी पार्टी के नेता अपनी रैलियों और प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगातार ये आरोप लगा रहे हैं कि कांग्रेस दिल्ली में बीजेपी को मदद पहुंचा रही है। सीएम आतिशी और संजय सिंह तो ये तक आरोप लगा चुके हैं कि कांग्रेस के उम्मीदवार बीजेपी दफ्तर से चुने जा रहे हैं। कई कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए बीजेपी फंडिंग कर रही है, ऐसा उनका आरोप है।

आम आदमी पार्टी ओखला, चांदनी चौक और बादली समेत लगभग 10 सीटों पर कांग्रेस के अभियान पर कड़ी नजर रखे हुए है। आप को इन सीटों पर कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। ओखला में आप के अमानतुल्लाह खान के खिलाफ कांग्रेस के पूर्व विधायक आसिफ अहमद खान की बेटी अरीबा खान चुनाव मैदान में हैं। चांदनी चौक में मौजूदा विधायक प्रह्लाद सिंह साहनी के बेटे आप के पुनर्दीप सिंह साहनी के खिलाफ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जेपी अग्रवाल के बेटे मुदित अग्रवाल मैदान में हैं। बादली से दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव आप के मौजूदा विधायक अजेश यादव को चुनौती दे रहे हैं।

आप के चिंता की बात यह नहीं है कि कांग्रेस सीट जीत लेगी, बल्कि यह है कि वह बीजेपी को अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगी। बीजेपी के लिए, जो 27 सालों से दिल्ली विधानसभा में सत्ता से बाहर है, यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस के वोट शेयर में वृद्धि से उन्हें ही मदद मिलेगी।'

आप नेता के हवाले से अखबारों ने लिखा है, '2017 के एमसीडी चुनावों में क्या हुआ था, उसी को देख लीजिए। आप ने दो साल पहले ही विधानसभा चुनाव 54% वोट शेयर के साथ जीता था और कांग्रेस 10% पर सिमट गई थी। लेकिन कांग्रेस ने एमसीडी चुनाव अच्छी तरह लड़ा। आप का वोट शेयर गिरकर 26% हो गया, जबकि कांग्रेस का 21% हो गया। बीजेपी का वोट शेयर केवल 4 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन उसने चुनाव में जीत हासिल की थी।'

ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को कुचला

दोनों गंभीर रूप से घायल दोनों के पैर में लगी चोट दुकान जाते वक्त हुआ हादसा

गिरिडीह, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह के जमुआ मुख्य मार्ग पर द्वारपहरी झींझरी पहाड़ी के पास शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में दो चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान चरगो-कर्मा निवासी अर्जुन प्रसाद वर्मा और सुरेश प्रसाद वर्मा के रूप में हुई है।

दोनों भाई रोज की तरह सुबह अपने घर कर्मा से बाइक पर द्वारपहरी में स्थित कपड़ा दुकान खोलने जा रहे थे। इसी दौरान द्वारपहरी झींझरी पहाड़ी के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाइयों के पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस ने भी मौके का मुआयना किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर अक्सर तेज रफ्तार वाहनों की वजह से हादसे होते रहते हैं।

दो साल में 2.07 लाख सरकारी पद घटे

बाबूलाल मरांडी ने कहा– बिना कोई परीक्षा कराए हेमंत सोरेन युवाओं की नौकरी खा गए

रांची, 24 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में सरकारी नौकरियों के 2.07 लाख स्वीकृत पद घट गए हैं। वित्त विभाग के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में वर्ष 2022 में कुल स्वीकृत पद 5.33 लाख थे। वर्ष 2023 में यह घटकर 4.66 लाख हो गए। वहीं 2024 के आंकड़ों के मुताबिक यह संख्या घटकर 3.27 लाख पर पहुंच गई। इधर, शुक्रवार को इस मामले पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने X अकाउंट पर लिखा है कि बिना कोई परीक्षा कराए हेमंत सोरेन युवाओं के 2 लाख 7 हजार की नौकरी खा गए।

दरअसल, विधानसभा में बजट के साथ हर साल फिस्कल पॉलिसी स्ट्रेटजी स्टेटमेंट एंड मीडियम टर्म फिस्कल प्लान पेश होता है। इसमें राज्य के कर्मचारियों और अधिकारियों का स्वीकृत पद और कार्यरत लोगों का ब्योरा रहता है। इसमें वर्ष 2022 में 5.33 लाख और वर्ष 2023 में 4.66 लाख स्वीकृत पदों का विभागवार ब्योरा था। 2024 में पेश हुए बजट के दौरान स्वीकृत पदों की संख्या घटकर 3.27 लाख हो गई। पद कैसे घट गए, इस पर कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। वहीं, इस मामले में बाबूलाल मरांडी ने अपने X अकाउंट पर लिखा- 'झारखंड में एक अनोखा घोटाला सामने आया है। तरह-तरह के भ्रष्टाचार के लिए, कुख्यात हेमंत सोरेन ने सरकारी विभागों के रिक्त पदों की संख्या में बड़ा घोटाला कर दिया है। पिछले दो सालों में रिक्त पदों की संख्या 4.66 लाख से घटकर महज 1.59 लाख रह गई है। यानी बिना कोई परीक्षा कराए हेमंत सोरेन युवाओं की 2 लाख 7 हजार की नौकरी खा गए।

हेमंत सोरेन बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के प्रति कितने गंभीर हैं, उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिना नियुक्ति दिए ही 2 लाख से अधिक रिक्त पद गायब हो गए।

छह हजार करोड़ का फॉरन इन्वेस्टमेंट

छत्तीसगढ़ में पहली बार इतने बड़े निवेश का प्रस्ताव

रायपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार गुरुवार को मुंबई में इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इस समिट में जिस तरीके से उद्योगपतियों में उत्साह दिखा, उससे हमें पूरी उम्मीद है कि उद्योगपति छत्तीसगढ़ का रुख करेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, आज हमारे देश की जो आर्थिक राजधानी है, मुंबई वहां पर हमारे वाणिज्य उद्योग विभाग की तरफ से एक छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन किया गया था। जिसमें हमारे अधिकारियों ने हमारी जो नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी है, नई उद्योग नीति वर्ष 2024-2030 इसको बहुत विस्तार से उद्योगपतियों के सामने रखा और इस कनेक्ट कार्यक्रम में मुम्बई और महाराष्ट्र के भारी संख्या में उद्योगपति एकत्र हुए थे। वे बहुत प्रभावित हुए हमारी प्रदेश की नई उद्योग निति

से और पहली बार 6 हजार करोड़ का फॉरन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट निवेश करने का प्रस्ताव मिला है। सीएम ने कहा कि सौभाग्य की बात है छत्तीसगढ़ के लिए अनेक लोगों से वन टू वन चर्चा भी हुई है। जिसमें आदित्य बिड़ला ग्रुप के अध्यक्ष श्री कुमार मंगलम बिड़ला हैं।

गोदरेज समूह की कार्यकारी निदेशक तान्या दुबास, बांबे हॉस्पिटल ट्रस्ट, विल्सपन ग्रुप, क्रिकेट टेक्नोलॉजी, एस आर ग्रुप, रिसर्च एसोसियन, ग्रोथ मैन्युफैक्चरिंग एसोसियन ऑफ इंडिया ऐसे बड़ी कंपनियों के लोगों से मुलाकात हुई है। अमेरिका कौन्सलेट दूतावास के काउंसलर श्री जनरल माइक थिंकी और रूस के काउंसलर जनरल युआन केगीसो से मुलाकात हुई है। सभी लोग इच्छुक हैं छत्तीसगढ़ आने के लिए, और यहां पर इन्वेस्ट करने के लिए। यह बड़ा सौभाग्य होगा छत्तीसगढ़ के लिए। यहां पर निवेश भी करेंगे और हमारे यहां के बेटा बेटियों को रोजगार भी मिलेगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली से पहले रायपुर में भी इसी तरह के एक कार्यक्रम में 35 हजार करोड़ रुपये के निवेश के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि मुंबई के समिट में भी जिस तरीके से उद्योगपतियों में उत्साह दिखा, उससे पूरी उम्मीद है कि उद्योगपति छत्तीसगढ़ का रुख करेंगे। राज्य में प्राकृतिक संसाधनों की कोई कमी नहीं है। गुरुवार को अमेरिका के जो हमारे अधिकारी हैं, उनसे भी मुलाकात हुई है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ के लोग सौभाग्यशाली हैं कि यहां पर लिथियम भी मिला है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां लिथियम की नीलामी हो चुकी है।

हमने अमेरिकी उद्योगपतियों से आग्रह किया है कि प्रदेश में लिथियम से जुड़े उद्योग लगाएं। हम चाहते हैं कि हर तरीके का इनवेस्टमेंट छत्तीसगढ़ में आए ताकि हमारे लोगों का विकास हो सके। पिछले दिनों गौतम अदाणी ने छत्तीसगढ़ में कई निवेश किए हैं। इसके बावजूद उन्होंने 60 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश का आश्वासन दिया है।

नौकरी गई तो शादियां टूटी, ससुराल में एंट्री हुई बंद

कोर्ट-कचहरी में 2 करोड़ से ज्यादा खर्च अब आचार संहिता के बीच फंसे बीएड शिक्षक

रायपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। गायत्री देवी मिंज केवल बानगी हैं। लगभग ऐसा ही हाल उनके जैसे 2,896 और शिक्षकों का है। ये बीएड कैंडिडेट्स हैं। नए साल के मौके पर सरकार ने इनके घरों में तोहफे के रूप में टर्मिनेशन लेटर भेजा। जो नौकरी हाथ से गई, वो किसी का सपना थी, किसी की जरूरत और किसी के शादी की गारंटी।

ये लोग लगभग एक महीने से छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में शहर की भीड़ से करीब 25 किलोमीटर दूर तूता गांव में धरने पर बैठे हुए थे। लेकिन नगरी निकाय चुनाव की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लग गई। जिसके चलते इन बीएड कैंडिडेट्स को अपना धरना बंद करना पड़ा।

हालांकि इनका कहना है कि आचार संहिता खत्म होते ही ये सभी लोग फिर से धरने पर बैठेंगे। इन शिक्षकों का दर्द जानने हम कुछ दिन पहले रात दो बजे तूता पहुंचे। जहां ये खुले आसमान के नीचे, ठंडी हवाओं के बीच 12 डिग्री टेम्प्रेचर में दिन भर की थकान के बाद गहरी नींद में सोए हुए थे। कुछ जमीन पर पड़े थे और कुछ एक बड़े से चबूतरे पर।

हमारे कैमरे के फ्लैश और पैरों की थाप ने इनकी नींद तोड़ी। इसके बाद एक-एक कर हमने इनकी कहानी पूछी। यहां पता चला कि नौकरी जाने के बाद कई लोगों की शादी टूट गई है। कुछ के ससुराल वालों ने उनकी एंट्री बंद कर दी है। महिलाएं दुधमुंहे बच्चों को साथ लेकर प्रदर्शन पर बैठी हुई हैं। वहीं कोर्ट और प्रदर्शन में अब तक दो करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च हो चुके हैं।

जो नींद से सबसे पहले जगे उन्होंने अपना नाम धनश्याम पटेल (39 साल) बताया।। घनश्याम कहते हैं कि वो आईटी इंजीनियर थे। 60–70 हजार महीने के आ रहे थे। लेकिन जॉब सिक्योरिटी के चक्कर में सरकार नौकरी के झांसे में आ गए। घर पर एक बच्चा और पत्नी हैं, जिन्हें वो सब कुछ ठीक हो जाने की दिलासा भर दे पाते हैं। धनश्याम की आवाज सुनकर उनके बगल में लेटे हुए साथी हेमचरण की नींद खुली। 31 साल के हो चुके हेमचरण ने बताया इसी नौकरी के बेस पर उनका रिश्ता तय हुआ था। इस महीने शादी होने वाली थी, लेकिन टर्मिनेशन लेटर आने के बाद शादी टल गई। आगे बढ़े तो जीतराम साहू से बात हुई। जीतराम ने बताया वो डीएवी रायगढ़ से नौकरी छोड़कर सरकारी नौकरी में आए थे। जिसमें उन्हें महीने के 40 हजार मिल रहे थे। इसमें से 30 हजार रुपए किस्त में जा रहे थे। मुझ पर छह से सात लाख का कर्जा है। अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या होगा, कैसे होगा?

फांसी पर लटका 7वीं का छात्र

कोरबा, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 7वीं के छात्र की फंदे पर लटकी लाश मिली है। डेडबॉडी के पास खाली बीयर की बोतलें, पानी पाउच और एक चाकू भी मिला है। इस इलाके में शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा भी रहता है। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र के कृष्णा नगर का है। मिली जानकारी के मुताबिक छात्र का नाम अनुराग श्रीवास (14) है। मृत छात्र के पिता का नाम रामचंद्र श्रीवास है।

छात्र गुरुवार शाम को अचानक लापता हो गया था। परिवार के लोग रातभर खोजते रहे, लेकिन वह नहीं मिला। छात्र के पिता रामचंद्र श्रीवास ने बताया कि वह टॉयलेट जाने के नाम से घर से निकला था। जब काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो उसकी तलाश शुरू की। रात में ही मानिकपुर चौकी में इसकी सूचना दी गई थी।

पुलिस भी रातभर बच्चे को खोजती रही, लेकिन नहीं मिला।

स्कूल में दिखे दो अजगर

एक 9 फीट, दूसरा 6 फीट लंबा, स्टोर रूम में कुंडली मारकर बैठे थे

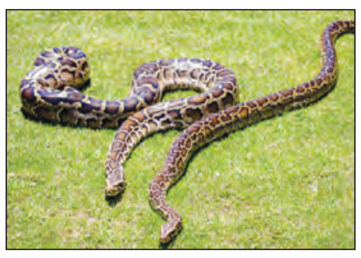

रायगढ़, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक प्राइवेट स्कूल के स्टोर रूम में 2 अजगर देखे गए। हालांकि पहले एक अजगर दिखने की सूचना पर वन विभाग के कर्मचारी और सांप रेस्क्यू टीम के सदस्य पहुंचे थे। जैसे ही रेस्क्यू शुरू किया उन्हें एक नहीं 2 अजगर दिखे। जानकारी के मुताबिक, बुधवार को साधुराम विद्या मंदिर स्कूल की छुट्टी होने के बाद स्टोर रूम में कुछ सामान शिफ्ट किया जा रहा था। तभी शाम करीब साढ़े 4 बजे स्कूल के स्टाफ की नजर अजगर पर पड़ी। ऐसे में स्टाफ घबरा गए और मामले की जानकारी स्कूल प्राचार्य को दी गई। जिसके बाद वन अमले की टीम स्कूल पहुंची थी। वन विभाग ने पहले सर्पसक्ष समिति के सदस्यों से संपर्क किया। इस पर टीम के मेंबर पुष्पेन्द्र त्रिपाठी और उनके सहयोगी शरद बेक साधुराम स्कूल स्कूल पहुंचे। यहां स्टोर रूम में सांप को खोजा गया, तो अजगर कुछ कबाड़ के नीचे कुंडली मारकर बैठा हुआ था। वहां से सभी सामानों को हटाया गया और एक अजगर को रेस्क्यू किया गया, लेकिन तभी दूसरे अजगर पर भी नजर पड़ी। इसके बाद दूसरे अजगर का भी रेस्क्यू किया गया। एक अजगर 9 फीट और दूसरा साढ़े 6 फीट लंबा था। सर्परक्षक टीम ने दोनों अजगर को रेस्क्यू कर अलग-अलग बोरी में बंद किया। फिर दोनों अजगरों को सुरक्षित पास के मैदान क्षेत्र में छोड़ा गया।

पद्मश्री-वैद्यराज समेत 6 लोगों को जनअदालत में मौत का फरमान

नक्सलियों ने जारी किया पर्चा, लिखा- यह सभी माइंस के दलाल, कब तक बचोगे

जगदलपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों ने पद्मश्री वैद्यराज हेमचंद मांझी समेत 6 लोगों के लिए मौत का फरमान जारी किया है। उन पर आरोप है कि, ये सभी माइंस की दलाली और पुलिस कैंप का समर्थन कर रहे हैं। कब तक गांव के बाहर रहोगे। इन्हें जनअदालत में मौत की सजा दी जाएगी।

नक्सलियों की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने नारायणपुर के धौड़ाई के पास यह पर्चा फेंका है। जिसमें लिखा है कि, आमदाई खदान का समर्थन और मदद करने वालों को मौत की सजा दी जाए। जिसमें वैद्यराज हेमचंद मांझी, सरपंच हरिराम मांझी, नारायण नाग, तिलक बेलसरिया, परिवहन संघ अध्यक्ष मदद और रामेश्वर बघेल दलाल शामिल है।

पर्चा में लिखा है कि, यह पुलिस कैंप और माइंस का

समर्थन करते हैं। कब तक गांव से बाहर रहोगे। इन सभी को जनअदालत में मौत की सजा दी जाएगी। सागर साहू के जैसी इनको मौत दी जाएगी। वहीं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले नक्सलियों के इस धमकी भरे पर्चे के बाद सभी में दहशत है। ऐसा बताया जा रहा है कि पुलिस पर्चे की जांच कर रही है।

बता दें कि, नक्सलियों एक महीने पहले ही वैद्यराज हेमचंद मांझी के भतीजे की हत्या की थी। वहीं वर्तमान में हेमचंद मांझी नारायणपुर जिला मुख्यालय में रहते हैं। इन्हें पिछले साल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पद्मश्री से भी सम्मानित की थीं।

तीन नाइजीरियन स्टूडेंट्स ने करोड़ों ठगे

पैसे देश के बाहर भेजे, किसी दूसरे के अकाउंट से लेनदेन करते थे, 62 अन्य भी गिरफ्तार

रायपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए, रायपुर रेंज में साइबर शील्ड ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इसके तहत एक बड़ी कामयाबी पुलिस को मिली है। 3 नाइजीरियन स्टूडेंट करोड़ों की ठगी के आरोपी निकले। ये तीनों रायपुर की ही निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं। इन तीनों विदेशी छात्रों ने ठगी के पैसे भी देश से बाहर भेजे। पुलिस ने साइबर फ्रॉड के अलग-अलग मामलों में 8 महिलाओं समेत 62 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। आईजी अमरेश मिश्रा ऑपरेशन शील्ड चला रहे हैं। उन्होंने दैनिक भास्कर को बताया कि इस बार म्यूल बैंक अकाउंट की जांच के बाद एक्शन लिया गया है।

मिश्रा ने बताया– हमें जानकारी मिली थी कि इनमें से ज्यादातर अकाउंट दूसरे लोग साइबर ठगी के पैसों के लेनदेन के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके बदले वे लोग अकाउंट मालिक को मंथली या

कमीशन बेसिस पर पैसे दिया करते थे। पुलिस ने इन आरोपियों की लोकेशन और टेक्निकल इनपुट के आधार पर धरपकड़ शुरू की। पुलिस जांच में रायपुर के एक निजी यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे 3 विदेशी नाइजीरियन स्टूडेंट भी ठग निकले। आईजी के मुताबिक, इन्होंने ठगी के रुपए विदेशों में भी भेजे थे। पुलिस ने बशीर सुलेमान, अमीनू गरबा, अब्दुल अजीज को हॉस्टल से गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने दूसरे राज्यों से भी गिरफ्तारी की है। अलग-अलग मामलों में अलग-अलग भूमिका निभाने वाले राजस्थान, ओडिशा समेत छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव और महासमुंद से भी आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में ऐसे कई लोगों से पूछताछ की जा रही है, जिन्होंने ठगों को कमीशन बेसिस पर अपने खाते उपलब्ध करवाए थे।

घाटशिला के माकुली जंगल पहुंचा बाघ

घाटशिला, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला के माकुली जंगल क्षेत्र में बाघ के पगचिन्ह देखे जाने की खबर ने स्थानीय ग्रामीणों के बीच खौफ का माहौल पैदा कर दिया है। इसी गांव के एक ग्रामीण का बैल दो दिनों से लापता है, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि वह बाघ का शिकार बन गया है।

घाटशिला वन क्षेत्र के डीएफओ और रेंज कर्मियों की टीम ने माकुली जंगल क्षेत्र का मुआयना किया और सतर्कता के मद्देनजर बाघ के भ्रमण क्षेत्र की विस्तृत जानकारी एकत्र की। इस दौरान बाघ के विचरण के स्पष्ट पगचिन्ह मिलने की पुष्टि हुई। यह बाघ बंगाल चला गया था, पर बीते सोमवार 13 जनवरी को पटमदा के बाटालुका-हमवेड़ा गांव में तीन जगहों पर बाघ के पंजे के निशान मिले थे। ग्रामीणों का कहना है कि माकुली जंगल क्षेत्र में पहले भी जंगली जानवरों का विचरण होता रहा है, लेकिन बाघ की उपस्थिति ने उन्हें और अधिक भयभीत कर दिया है। बच्चों और पालतू जानवरों को जंगल के करीब जाने से रोका जा रहा है। वन विभाग की टीम लगातार इलाके में निगरानी कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की योजना बाघ के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप लगाने की है, ताकि उसकी गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

झारखंड के जंगलों में छिपा सेहत का खजाना

रांची, 24 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड अपनी समृद्ध संस्कृति और खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। यहां के आदिवासियों की अपनी विशिष्ट परंपराएं और व्यंजन हैं। रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम समेत कई जिलों में आदिवासियों का एक खास व्यंजन है 'लाल चींटियों की चटनी'।

सर्दी और ठंड से बचने में भी लाल चींटियों की चटनी काफी मददगार है। लाल चींटियों की चटनी का स्वाद बेहद स्वादिष्ट होता है। इसके साथ ही यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। पड़ोसी राज्य ओडिशा में इस चटनी को इसके अनूठे स्वाद और गुणों के लिए जीआई टैग भी मिला है।

आदिवासी समाज के लोगों की मान्यता है कि ठंड के दिनों में अगर इस चींटी की चटनी खाई जाए तो ठंड भी नहीं लगेगी और भूख भी अच्छी तरह से लगेगी। इसमें टेटिक एसिड पाया जाता है, जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। रांची, जमशेदपुर और चाईबासा समेत अन्य जिलों के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले कई आदिवासी परिवारों का पसंदीदा व्यंजन है।

रांची से करीब 50 किलोमीटर दूर घने जंगलों के बीच स्थित गडरी गांव के आदिवासी लोगों का कहना है कि ठंड पड़ते ही यहां के साल और करंज के पेड़ों पर लाल चींटी अपना घर बना लेती हैं। इनके घर हर तरफ से पत्तों से ढका हुआ होता है, जो पेड़ की ऊंचाई पर बनता है। ग्रामीणों को यह तब पता चलता है, जब पेड़ पर चींटी का आना-जाना शुरू हो जाता है।

खाने के लिए खेत में घुसा, कुएं में गिरा, मौत

मुंह के बल कुएं में गिरा मिला हाथी, देखने के लिए लोगों की जुटी भीड़

बोकारो, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बोकारो में झुंड से बिछड़े एक हाथी की पानी से भरे कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना गोमिया के गोपो गांव में हुई। लोगों को इस हादसे की जानकारी शुक्रवार की सुबह तब हुई, जब कुछ लोग कुएं से पानी निकालने पहुंचे। हाथी मुंह के बल कुएं में गिरा मिला।

इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम क्रेन की मदद से हाथी के शव को बाहर निकालने का प्रयास कर रही है।

धवैया पंचायत के मुखिया तेजलाल महतो के अनुसार, हाथी रात के समय खेतों में लगी फसल खाने के लिए गांव में आया था। इससे पहले भी कई बार हाथी इस ओर आ चुके हैं। मुखिया ने बताया कि रात में हाथी को कुआं नजर नहीं आया और वो मुंह के बल उसमें गिर गया। हाथी व्यस्क है। रात में किसी तरह की लोगों ने आवाज भी नहीं सुनी। इससे यह माना जा रहा है कि यह हाथी अकेला ही होगा। सुबह जैसे ही लोगों को इस घटना की सूचना मिली, वो भागते हुए मौके पर पहुंचे। कुएं के पास लोगों की काफी भीड़ हो गई।

ट्रम्प की जंग रोकने की धमकी पर रूस बोला

इसमें कुछ नया नहीं, पहले भी बैन लगा चुके, शांति के लिए यूक्रेन को राजी करें

मॉस्को, 24 जनवरी (एजेंसियां)। रूस ने डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ लगाने की धमकी पर प्रतिक्रिया दी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन (राष्ट्रपति ऑफिस) ने कहा कि ट्रम्प की रूस पर प्रतिबंध लगाने और टैरिफ थोपने की धमकी में कुछ भी नया नहीं है।

रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि ट्रम्प को ये तरीके पसंद हैं। कम से कम पहले राष्ट्रपति काल के दौरान उन्होंने यह जरूर पसंद था। उन्होंने पहले टर्म में भी रूस पर कई प्रतिबंध लगाए थे।

पेस्कोव ने कहा कि पुतिन ने पहले भी जंग रोकने की बात कही है। लेकिन अगर जंग रोकनी है तो इसके लिए यूक्रेन को तैयार करना पड़ेगा। हम इस पहल का इंतजार कर रहे हैं। राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने कहा कि रूस बराबरी की बातचीत के लिए तैयार है।

इससे पहले यूनाइटेड नेशन में रूस के डिप्टी एंबेस्डर दिमित्री पोलांस्की ने कहा था कि रूस कोई भी अगला कदम उठाने से

पहले यह जानना चाहेगा कि जंग खत्म करने के लिए ट्रम्प क्या चाहते हैं। रूस की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने रूस को चेतावनी दी थी कि अगर मॉस्को ने यूक्रेन में जंग को खत्म करने के लिए समझौता नहीं किया तो उस पर और ज्यादा प्रतिबंध लगाए जाएंगे। ट्रम्प ने कहा कि वे रूस और पुतिन को इस जंग को खत्म करने के लिए राजी करके उन पर बहुत बड़ा उपकार करेंगे। ट्रम्प ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा था, "मैं रूस को नुकसान पहुंचाने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैंने राष्ट्रपति पुतिन से हमेशा अच्छे रिश्ते बनाए रखे। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस ने दूसरा विश्व युद्ध जीतने में हमारी मदद की थी।" इसके बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि यूक्रेन में जंग कभी शुरू ही नहीं होनी चाहिए थी, यहां भयंकर स्थिति है, लाखों लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा- अगर अमेरिका में एक सक्षम राष्ट्रपति होता, तो यह जंग कभी नहीं होती। अगर मैं राष्ट्रपति होता, तो ऐसा नहीं होता।

ट्रम्प ने सोमवार को शपथ के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने के लिए समझौता न करके रूस को तबाह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि रूस बड़ी मुसीबत में पड़ने वाला है। उन्हें समझौता करना चाहिए।

जेलेंस्की ने मुझसे कहा है कि वे एक सौदा करना चाहते हैं। मुझे नहीं पता है कि पुतिन ऐसा करते हैं या नहीं। हो सकता है कि वह ऐसा न करें। लेकिन मुझे लगता है कि पुतिन को डील करनी चाहिए।

ट्रम्प ने कहा कि रूस एक तरह से बड़ी मुसीबत में है। आप उनकी इकोनॉमी पर नजर डालें, उनकी महंगाई दर को देखिए। मैं पुतिन के साथ बहुत अच्छा रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि वह यूक्रेन जंग को खत्म करने को लेकर डील करना चाहेंगे।

मोहम्मद यूनुस बोले- भारत से खराब रिश्ता परेशान करता है

ढाका, 24 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत से तनाव को लेकर कहा कि इस विवाद ने उन्हें निजी तौर पर परेशान किया है। भारत से खराब रिश्ते उनके दिल को दुखाते हैं। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक के दौरान यूनुस ने रॉयटर्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि आप बांग्लादेश का नक्शा बनाए बिना भारत का नक्शा नहीं बना सकते। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि बांग्लादेश की भूमि सीमा लगभग पूरी तरह से भारत के साथ लगी हुई है। यूनुस ने कहा कि दोनों अहम पड़ोसी देश हैं। इसलिए इस दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत होने चाहिए। मोहम्मद यूनुस ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा फिर से उठाया। उन्होंने कहा कि भारत शेख हसीना को बांग्लादेश भेजे ताकि वे उन मुकदमे का सामना कर सकें जो उन पर चलाए जा रहे हैं। यूनुस ने शेख हसीना के कार्यकाल में हुए विकास को झूठा बताया।

ट्रम्प को तीसरी बार राष्ट्रपति बनाने के लिए बिल पेश

रिपब्लिकन सांसद बोले-उन्हें एक और मौका मिले, यूएस में 2 बार ही प्रेसिडेंट बनने की इजाजत

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प को तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की अनुमति देने के लिए गुरुवार को संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में एक बिल पेश किया गया। यह बिल ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के सांसद एंडी ओगल्स ने पेश किया। बिल पेश करते हुए ओगल्स ने कहा कि सिर्फ ट्रम्प ही वो इंसान हैं, जो अमेरिका को फिर से महान बना सकते हैं। ओगल्स का कहना है कि अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए ट्रम्प को और ज्यादा समय दिया जाना चाहिए। यह जरूरी है कि हम जो बाइडेन के कार्यकाल में की गई गलतियों को सही करने के लिए ट्रम्प को सभी जरूरी संसाधन दें।

इस बिल में कहा गया है कि कोई भी इंसान जो लगातार दो बार राष्ट्रपति रह चुका है, वो तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित नहीं होगा। ट्रम्प 2020 में जो बाइडेन से चुनाव हार गए थे, ऐसे में वो तीसरी बार भी राष्ट्रपति चुने जाने के लिए योग्य होंगे। फिलहाल अमेरिकी संविधान के मुताबिक एक इंसान सिर्फ दो बार ही देश का राष्ट्रपति चुना जा सकता है। राष्ट्रपति पद पर दो कार्यकाल की सीमा 1951 में 22वें संविधान संशोधन द्वारा लागू की गई थी। अमेरिकी में सिर्फ फ्रैंकलिन रूजवेल्ट ही 4 बार राष्ट्रपति पद पर रहे थे।

अमेरिकी संसद के दोनों सदन सीनेट और हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है, लेकिन फिर भी इस बिल के पास होने की संभावना बहुत कम है। क्योंकि इसे पास होने के लिए दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। जबकि रिपब्लिकन के पास सीनेट में 100 में से 53 सीटें और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में 435 में से 220 सीटें हैं। इसके अलावा इस बिल को 50 में से 38 राज्यों का समर्थन भी चाहिए होगा। फिलहाल 22 राज्यों में विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी की सरकार है।

ट्रम्प खुद भी कई बार कह चुके हैं कि वो दो कार्यकाल के बाद भी सत्ता में बने रहना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर ट्रम्प को तीसरा कार्यकाल नहीं मिलता है तो वे सत्ता में बने रहने के लिए दूसरे तरीके अपना सकते हैं।

हैमिल्टन कॉलेज के प्रोफेसर फिलिप क्लिंकनर ने मुताबिक ट्रम्प 2028 में उपराष्ट्रपति बन सकते हैं और जेडी वेंस या किसी और को नाममात्र का राष्ट्रपति बना सकते हैं। ऐसा ही कुछ पुतिन ने रूस में किया था।इसके अलावा वो अपने परिवार के किसी सदस्य को राष्ट्रपति बना सकते हैं, ताकि पर्दे के पीछे से सरकार पर उनका कंट्रोल बना रहे।

'किम जोंग समझदार व्यक्ति', ट्रंप ने उत्तर कोरिया पर साफ किया रुख

वाशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में वापसे के साथ ही अपनी नीति और नीयत साफ कर दी है। इसके तहत उन्होंने रूस से लेकर उत्तर कोरिया तक से अमेरिका के संबंध पर खुलकर बातचीत की। साथ ही इन देशों के लिए सकारात्मक संदेश भी जारी किए, जो कि दुनियाभर के लिए चौकाने वाला था। इसी सिलसिले में राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने दक्षिण कोरियाई नेता किम जोंग के बारे में बात की। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान किम को स्मार्ट आदमी बताते हुए उत्तर कोरियाई यात्रा करने की बात पर सहमति जताई है।

इंटरव्यू में बातचीत के दौरान जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उत्तर कोरियाई नेता के साथ किम जोंग के साथ संबंध पर सवाल किए तो उन्होंने उन्हें स्मार्ट आदमी बताते हुए कहा कि वह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग से संपर्क करने वाले है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने किम के साथ अच्छा संबंध स्थापित किया है और किम धार्मिक कट्टरपंथी नहीं हैं।

जल्द बात करने की बात कही

साथ ही ट्रंप ने चीन के साथ संबंध पर भी बातचीत की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे राष्ट्रपति शी जिनपिंग बहुत पसंद हैं, मैं हमेशा से उन्हें पसंद करता रहा हूं। हमारे बीच हमेशा बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि वुहान से कोविड-19 के आने के बाद अमेरिका और चीन के संबंध बहुत तनावपूर्ण थे, लेकिन इससे इतर हमारे बीच हमेशा बढ़िया संबंध रहे हैं। हम चीन के साथ बहुत अच्छे संबंध रखने के अलावा साथ मिलकर काम करने की उम्मीद करते हैं।

क्या किम जोंग, क्या शी जिनपिंग ट्रंप, पुतिन से भी बिगड़ते रिश्ते को सुधारने की पहल करते हुए दिखें। जहां उन्होंने अपने बयान में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बुद्धिमान बताया था। उन्होंने मंगलवार को दोहराया कि उन्हें पुतिन से बहुत जल्द बात करने की उम्मीद है।

ब्रिटेन में 18 वर्षीय लड़के को 52 साल की सजा

डांस क्लास में चाकू घोंपकर 3 बच्चियों की हत्या की थी

लंदन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक डांस क्लास में 3 बच्चियों की चाकू घोंपकर हत्या करने वाले लड़के को कोर्ट ने 52 साल की सजा सुनाई है। दोषी एक्सल रुदाकुबाना पर हत्या के अलावा, हत्या की कोशिश के भी 10 मामले चल रहे थे। जज ने गुरुवार को सजा सुनाते हुए इसे सबसे गंभीर अपराध में से एक बताया। जज जूलियन जूज ने कहा कि 18 साल का एक्सल रुदाकुबाना निर्दोष बच्चियों की सामूहिक हत्या करना चाहता था। उन्होंने कहा कि दोषी को हिरासत में बिताए गए 6 महीने को छोड़कर 52 साल की सजा काटनी होगी। एक्सल रुदाकुबाना ने लिवरपूल के पास साउथपोर्ट में 29 जुलाई की शाम कई बच्चियों पर चाकू से हमला किया था। इसमें एलिस दा सिल्वा अगुइर (9 साल), एल्सी डॉट स्टैनकॉम्ब (7 साल) और बेबे किंग (6 साल) की मौत हो गई थी और लगभग 1 दर्जन लोग जख्मी हो गए थे। घायलों में अधिकतर बच्चे थे। इनकी उम्र 7 से 13 साल के बीच थी। इस घटना के बाद ऑनलाइन अफवाह फैली कि डांस क्लास में चाकू से हमला करने वाला एक मुस्लिम शरणार्थी था, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क गया। इसके बाद ब्रिटेन के 17 शहरों में दंगे भड़क गए थे। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे और संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा था। हालांकि पुलिस ने साफ किया था कि आरोपी का इस्लाम से कोई संबंध नहीं है।

लेकिन इसके बावजूद अप्रवासी विरोधी और मुस्लिम विरोधी दंगे कई दिनों तक जारी रहे। ब्रिटेन में 18 साल से कम उम्र के संदिग्धों का नाम नहीं बताया जाता है। लेकिन इस मामले में अदालत को अलग फैसला लेना पड़ा। कोर्ट ने वेल्स में रवांडा मूल के एक्सेल रुदाकुबाना की पहचान उजागर करने का आदेश दिया, ताकि अफवाह फैलने को रोका जा सके।

अमेरिका में जॉन रैटक्लिफ सीआईए प्रमुख नियुक्त

सीनेट ने रक्षा मंत्री के लिए पीट हेगसेथ का नाम आगे बढ़ाया

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए मंत्रिमंडल में जॉन रैटक्लिफ को सीआईए निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने की मंजूरी दे दी है। इसी के साथ ट्रंप को अपने मंत्रिमंडल में दूसरा सदस्य मिल गया। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति के तौर पर पहले कार्यकाल के दौरान रैटक्लिफ राष्ट्रीय खुफिया निदेशक थे। पिछले सप्ताह सीनेट की सुनवाई में रैटक्लिफ ने कहा था, रूस और चीन से निपटने के लिए एआई जैसी तकनीक का इस्तेमाल करने के मामले में सीआईए को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। अमेरिका को अपनी खुफिया क्षमताओं में सुधार करने की जरूरत है, साथ ही उसे अमेरिकियों के नागरिक अधिकारों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल में गृह मंत्री के रूप में पीट हेगसेथ का नाम को आगे बढ़ाया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने हेगसेथ पर लगे आरोपों और अमेरिकी सेना का नेतृत्व करने में अनुभव की कमी को लेकर उनके नाम पर आपत्ति जताई। अलास्का की सीनेटर लीसा मुर्कोव्स्की और माइने की सीनेटर सुसान कोलिन्स ने उनके नाम का समर्थन करने से इनकार कर दिया। हेगसेथ पर शराब पीने और महिलाओं के प्रति आक्रमक व्यवहार करने का आरोप है। हेगसेथ के नाम की पुष्टि के लिए 49 के मुकाबले 51 वोट पड़े। अंतिम वोट शुक्रवार को होने की उम्मीद है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने अपने सहयोगियों से हेगसेथ के नाम पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया। उन्होंने पूछा, क्या हेगसेथ वह सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति हैं जो विश्व की सबसे बड़ी सेना का नेतृत्व कर सकते हैं? अलास्का की सीनेटर लीसा मुर्कोव्स्की ने कहा, उनका (हेगसेथ) व्यवहार सेना से अपेक्षित व्यवहार से बिल्कुल

विपरीत है। उन्होंने हेगसेथ के उन बयानों को याद किया जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को सैन्य लड़ाकू भूमिकाएं नहीं निभानी चाहिए। हालांकि, हेगसेथ ने पुष्टि प्रक्रिया के दौरान उन बयानों को लेकर रुख नरम करने की कोशिश की। पीट हेगसेथ पर 2017 में एक महिला का यौन उत्पीड़न करने का भी आरोप है। पीड़िता को उन्होंने 50,000 अमेरिकी डॉलरका भुगतान भी किया था। हेगसेथ के वकील ने गुरुवार को महिला को दी गई रकम पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पिछले सप्ताह अपने नाम की पुष्टि करते हुए हेगसेथ ने अपने ऊपर लगे आरोपों को झूठ बताया।

ट्रम्प के राष्ट्रपति बनते ही 538 अवैध प्रवासी गिरफ्तार

इनमें से कई खतरनाक अपराधी मिलिट्री प्लेन से डिपोर्ट किया जा रहा

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही प्रशासन ने अवैध प्रवासियों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प के शपथ लेने के बाद पहले दिन में ही 538 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अब तक 538 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 373 को हिरासत में लेकर फिलहाल कैंप भेज दिया गया है। लेविट ने कहा कि ये सभी अपराधी हैं। इन पर रेप, हत्या और किडनैपिंग के आरोप हैं। लेविट ने फॉक्स न्यूज से बात करते हुए कहा कि ट्रम्प प्रशासन इतिहास का सबसे बड़ा डिपोर्टेशन ऑपरेशन चला रही है। अपराधियों को गिरफ्तार कर मिलिट्री प्लेन से डिपोर्ट किया गया है। हालांकि इन्हें कहां भेजा गया है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक एस इमिग्रेशन एंड कस्टम एनफोर्समेंट (आईसीई) वाशिंगटन डीसी समेत कई शहरों में अवैध प्रवासियों को पकड़ने के लिए छापे मार रही है और बड़े पैमाने पर अप्रवासियों से पूछताछ कर रही है। प्रेस सचिव ने कहा कि ट्रम्प ने चुनाव से पहले जो वादा किया था, अब पूरा किया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रम्प देश की सीमाओं की हिफाजत करने के लिए अपनी एग्जीक्यूटिव पावर का हर संभव इस्तेमाल कर रहे हैं। वे दुनिया को साफ संदेश भेज रहे हैं कि आप हमारे देश में अवैध रूप से घुसने और अमेरिकी कानूनों को तोड़ने के बारे में सोचते हैं तो आपको इसका अंजाम भुगतना होगा।

डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका में अवैध प्रवासियों को लेकर काफी सख्त रहे हैं। उन्होंने शपथ ग्रहण में भी कहा कि वे अपने देश में एक भी अपराधी को घुसने नहीं देना चाहते हैं।

ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता खत्म करने के आदेश पर रोक

कोर्ट ने 14 दिन का स्टे लगाया कहा- यह आदेश परेशान करने वाला

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की फेडरल कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता अधिकार समाप्त करने के फैसले पर 14 दिनों के लिए रोक लगा दी। फेडरल कोर्ट के जज जॉन कफनौर ने वॉशिंगटन, एरिजोना, इलिनोइस और ओरेगन राज्य की याचिका पर यह फैसला सुनाया।

बता दें कि ट्रम्प ने अपने शपथ ग्रहण वाले दिन यानी 20 जनवरी को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर बर्थ राइट सिटीजनशिप पर रोक लगा दी थी। इससे हर साल 1.5 लाख नवजातों की नागरिकता पर संकट आ गया। इस आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन यानी 19 फरवरी तक का समय दिया गया है।

ट्रम्प के इस फैसले के बाद मंगलवार को 22 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने दो फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में इसके खिलाफ मुकदमा दायर कर आदेश को रद्द करने के लिए कहा था। अमेरिका उन 30 देशों में से एक है जहां जन्मजात नागरिकता या जूस सोली (मिट्टी का अधिकार) का सिद्धांत लागू होता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इन राज्यों ने तर्क दिया था कि 14वें संशोधन के तहत मिलने वाली जन्मजात नागरिकता पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रपति और कांग्रेस (संसद) के पास संवैधानिक अधिकार नहीं हैं। न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल मैथ्यू प्लैटकिन का कहना था कि राष्ट्रपति शक्तिशाली होते हैं, लेकिन वो राजा नहीं हैं। वे कलम के एक झटके से संविधान को फिर से नहीं लिख सकते।

1865 में अमेरिकी गृहयुद्ध खत्म होने के बाद, जुलाई 1868 में अमेरिकी संसद में 14वें संशोधन को मंजूरी दी गई थी। इसमें कहा गया था कि देश में पैदा हुए सभी अमेरिकी नागरिक हैं। इस संशोधन का मकसद गुलामी के शिकार अश्वेत लोगों को अमेरिकी नागरिकता देना था। हालांकि, इस संशोधन की व्याख्या इस प्रकार की गई है कि इसमें अमेरिका में जन्में सभी बच्चों को शामिल किया जाएगा, चाहे उनके माता-पिता का इमिग्रेशन स्टेट्स कुछ भी हो। इस कानून का फायदा उठाकर गरीब और युद्धग्रस्त देशों से आए लोग अमेरिका आकर बच्चों को जन्म देते हैं। ये लोग पढ़ाई, रिसर्च, नौकरी के आधार पर अमेरिका में रुकते हैं। बच्चे का जन्म होते ही उन्हें अमेरिकी नागरिकता मिल जाती है।

नागरिकता के बहाने माता-पिता को अमेरिका में रहने की कानूनी वजह भी मिल जाती है। अमेरिका में यह ट्रेंड काफी लंबे समय से जोरों पर है। आलोचक इसे बर्थ टूरिज्म कहते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक 16 लाख भारतीय बच्चों को अमेरिका में जन्म लेने की वजह से नागरिकता मिली है।

महिला बिशप की ट्रम्प से अपील-समलैंगिकों पर दया करें

ऐसी बातें न कहें कि पछताना पड़े, ट्रम्प समर्थक भड़के, वामपंथी बताया

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मंगलवार को राजधानी वॉशिंगटन के नेशनल कैथेड्रल चर्च में एक प्रार्थना में हिस्सा लिया था।

रॉयटर्स के मुताबिक इस दौरान एपिस्कोपल बिशप राइट रेव मैरिएन एडगर बुडे ने ट्रम्प से समलैंगिक समुदाय और अवैध प्रवासियों पर दया करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने कहा ऐसी बातें न कहें जिसके लिए आपको पछताना पड़े।

बिशप का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कई ट्रम्प समर्थकों को गुस्सा उन फूड पड़ा।

उन्होंने बिशप पर वामपंथी होने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प की बेटी टिफनी ने विशप के बयान को पागलपन बताया। वहीं ट्रम्प ने कहा कि उनका भाषण काफी उबाऊ और प्रेरणाहीन था।

15 मिनट के प्रवचन में बिशप बुडे ने कहा- राष्ट्रपति, मैं आपसे एक अंतिम निवेदन करना चाहती हूं। लाखों लोगों ने आप पर भरोसा किया है। और जैसा कि आपने कल (20 जनवरी) देश को बताया कि जब आप पर हमला हुआ था तब आपने अपने साथ एक दैवीय हाथ को महसूस किया। मैं आपसे ईश्वर के नाम पर, उन लोगों पर दया करने के लिए कहती हूं जो डरे हुए हैं।

मारियान एडगर बुडे कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट और फोर मैरीलैंड काउंटियों में 86 एपिस्कोपल काउंटी और 10 एपिस्कोपल स्कूलों की स्पिरिचुएल लीडर हैं। वह प्रोटेस्टेंट एपिस्कोपल कैथेड्रल फाउंडेशन की अध्यक्ष भी हैं, जो वॉशिंगटन नेशनल कैथेड्रल और कैथेड्रल स्कूलों की देखरेख करने वाला संगठन है।

उन्होंने न्यूयॉर्क की रोचेस्टर यूनिवर्सिटी से हिस्ट्री में बैचलर्स किया है। इसके साथ ही वर्जीनिया थियोलॉजिकल सेमिनरी से मास्टर्स इन डिविनिटी और डॉक्टर ऑफ मिनिस्ट्री की डिग्री भी प्राप्त की है।

उन्होंने तीन पुस्तकें 'हाउ वी लर्न टु बी ब्रेवः डिसिसिव मोमेंट्स इन लाइफ एंड फेथ (2023)', 'रिसीविंग जीससः द वे ऑफ लव (2019)' और 'गैदरिंग अप द फ्रैगमेंट्सः प्रीचिंग ऐज स्पिरिचुअल प्रैक्टिस (2007)' भी लिखी हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करने के बाद अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने की मुहिम शुरू कर दी है।

इसके साथ ही ट्रम्प ने थर्डजेंडर की मान्यता खत्म करते हुए कहा था कि अब देश में सरकार के लिए सिर्फ दो जेंडर होंगे महिला और पुरुष।

जॉन एफ कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्या का खुलेगा राज

वॉशिंगटन, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका अपने राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या के 6 दशक बाद उनकी मौत से जुड़े गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को सार्वजनिक करने जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को इसे लेकर कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इसमें 1963 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की हत्या के साथ ही उनके भाई रॉबर्ट एफ कैनेडी और सिविल राइट लीडर डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की मौत से जुड़े हजारों सरकारी दस्तावेजों को जारी करने का निर्देश दिया गया। ट्रंप ने कहा कि और कहा कि अमेरिकी लोगों के लिए 'सच्चाई' जानने का समय आ गया है।

विस्तृत दस्तावेज जारी करते हुए वॉइट हाउस ने कहा, '6 दशकों की गोपनीयता के बाद अमेरिकियों की सच्चाई प्रदान करना।' बयान में कहा गया कि 'कार्यकारी आदेश यह नीति स्थापित करता है कि इन हत्याओं के 50 से अधिक वर्षों के बाद, पीड़ितों के परिवार और अमेरिकी लोग सच्चाई के हकदार हैं।'

कार्यकारी आदेश विशेष रूप से जॉन एफ कैनेडी की हत्या के सभी रिकॉर्डों को जारी करने के लिए 15 दिनों के भीतर योजना प्रस्तुत करने और रॉबर्ड एफ कैनेडी व मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित रिकॉर्ड की तुरंत समीक्षा करने और 45 दिनों के भीतर उन्हें पूरी तरह से जारी करने की योजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

जहाजों को जबरन अपने जलक्षेत्र में ले जाने की कोशिश कर रहे ईरानी

यरुशलम, 24 जनवरी (एजेंसियां)। फारस की खाड़ी में समुद्री यात्रियों को ईरान की क्रांतिकारी गार्ड की तरफ से जहाजों को जबरदस्ती ईरानी जलक्षेत्र में लाने की कोशिशों पर सतर्क रहने के लिए चेतावनी दी गई है। हालांकि, ईरान का जहाजों को परेशान और जब्त करने का पुराना इतिहास है, हाल के समय में उसने सीधे ऐसे कई हमले नहीं किए हैं। इसके बजाय, नवंबर 2023 से ईरान समर्थित हूती विद्रोही जहाजों पर हमले कर रहे थे। लेकिन अब गाजा में हुए

ब्रिटेन ने यात्रियों को चेताया

युद्धविराम के बाद इस अभियान में कमी आ रही है। ब्रिटिश सैन्य केंद्र यूके मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने शुक्रवार को एक नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया कि 'कई घटनाओं में जहाजों को रेडियो के माध्यम से चेतावनी दी गई।' यूकेएमटीओ ने कहा कि यह ईरानी क्रांतिकारी गार्ड के बड़े पैमाने पर अभ्यास 'ग्रेट प्रोफेट XVIII' का हिस्सा हो सकता है। इस बीच, युद्धग्रस्त गाजा के उत्तर से विस्थापित फलस्तीनी लोग युद्धविराम के बाद अपने घरों की स्थिति जानने के लिए बेचैनी से इंतजार कर रहे हैं। दरअसल, गाजा के मध्य और दक्षिणी भागों में रहने वाले फलस्तीनी, युद्धग्रस्त उत्तर में अपने घरों की स्थिति देखने के लिए बेचैन हैं। गाजा पट्टी में युद्धविराम के समझौते की शर्तों के तहत उन्हें शनिवार से उत्तर की ओर जाने की अनुमति मिलेगी। इस दिन इस्राइली सैनिक एक महत्वपूर्ण सड़क से हटेंगे, और हमास चार इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा, जिसके बदले में कई फलस्तीनी कैदियों को छोड़ा जाएगा।

चाबहार पोर्ट पर ईरान संग तजाकिस्तान ने उठाया बड़ा कदम

पाकिस्तानी आईएसआई के मंसूबे होंगे फेल, भारत की बल्ले-बल्ले

तेहरान, 24 जनवरी (एजेंसियां)। तालिबानी सेना और टीटीपी आतंकियों के हमले से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए एक और बुरी खबर है। तजाकिस्तान ने ईरान के साथ चाबहार पोर्ट के इस्तेमाल को लेकर बातचीत शुरू कर दी है।

तजाकिस्तान और ईरान के बीच में भारत के बनाए हुए चाबहार पोर्ट से सामानों की आवाजाही को लेकर यह बातचीत हो रही है। तजाकिस्तान और ईरान में यह डील होती है तो भारत के लिए तिहरी खुशखबरी होगा। एक तरफ जहां इससे भारत के लिए भी मध्य एशिया तक पहुंचने का रास्ता साफ होगा, वहीं चाबहार पोर्ट से कमाई भी होगी। भारत ने चाबहार पोर्ट को बनाने में करोड़ों डॉलर का निवेश किया है और साल 2024 में इस बंदरगाह के प्रबंधन को लेकर 10 साल का समझौता भी किया है। भारत की इस डील से पाकिस्तान को भी बड़ा झटका लगेगा जो तजाकिस्तान को तालिबान के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

सीएम भजनलाल से 'बाबू' नाराज

> वेतन विसंगति वाली खेमराज कमेटी की 800 पेज के रिपोर्ट में ठन-ठन गोपाल

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के 9.5 लाख से ज्यादा कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतन-भत्तों में विसंगतियों का परीक्षण करने वाली खेमराज कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक होते ही बवाल शुरू हो गया है। कर्मचारी संगठनों ने इस रिपोर्ट को यह कहते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया है कि इसमें उनकी कोई मांग नहीं मानी गई। खास तौर पर कर्मचारियों के सबसे बड़े बाबू संवर्ग की लगभग सभी मांगों को कमेटी ने खारिज कर दिया है। ऐसे में अब विधानसभा के बजट सत्र से पहले कर्मचारी आंदोलन की राह पकड़ सकते हैं।

राजस्थान में छठां वेतनमान लागू होने के बाद आई वेतन-भत्तों से जुड़ी विसंगतियां दूर करने के लिए तत्कालीन वसुंधरा सरकार ने तीन नवंबर 2027 को सबसे पहले डीसी सामंत कमेटी गठित की थी। कमेटी के गठन के बाद अगले साल राजस्थान में सत्ता परिवर्तन हो गया। सामंत कमेटी ने अपने गठन के 20 महीने बाद गहलोत सरकार को अपनी रिपोर्ट पेश की। गहलोत सरकार ने इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया। इसके बाद तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत ने वेतन विसंगतियों के परीक्षण के लिए पांच अगस्त 2021 को रिटायर्ड आईएएस खेमराज की अध्यक्षता में नई कमेटी बना कर सामंत कमेटी का काम इसे दे दिया।

मौजूदा भजनलाल सरकार ने खेमराज कमेटी की रिपोर्ट को कैबिनेट में ले गई और परीक्षण के बाद इसे मंजूरी दे दी। वित्त विभाग ने दो वोल्यूम में इस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है। इसमें पहला वोल्यूम वेतन विसंगतियों का है और दूसरा भत्तों से जुड़ी मांगों को लेकर है। वेतन विसंगतियों की बात करें तो बड़े संवर्गों की लगभग सभी प्रमुख मांग अनसुनी कर दी गई है। वहीं, भत्तों में भी कोई विशेष परिवर्तन नहीं किया गया है। हालांकि, सरकार ने पिछले बजट में यह घोषणा की थी कि वेतन विसंगतियों और वेतन सुधार संबंधित सिफारिशों को एक सितंबर 2024 से लागू किया जाएगा।

मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन

इसमें 17 संगठनों ने सरकार को अपनी 40 डिमांड्स कमेटी को सौंपी थी। इनमें प्रमुख डिमांड मंत्रालयिक संवर्ग के लिए सचिवालय पेटर्न, प्रमोशन में अनुभव की शिथिलता, कॉडर रिस्ट्रक्चर और शुरुआती ग्रेड पे 3600 किया जाना शामिल था।

निजी सहायक संवर्ग-कोई मांग नहीं मानी

निजी सहायक संवर्ग ने पदोन्नति के चैनल 3 से बढ़ाकर 5 करने की मांग की थी। वहीं, प्रमुख निजि सचिव के लिए एल 21 का पद मांगा था। इसके साथ निजी सचिव की ग्रेड पे 6000 से बढ़ाकर 6600 करने की मांग की थी।

सब ऑर्डिनेट अकाउंट्स सर्विसेज-पांचों मांग खारिज

जूनियर अकाउंटेंट की पे लेवल एल-10 से बढ़ाकर एल-11 करने, थर्ड एसीबी एल 13 की जगह एल 14 करने तथा प्रमोशन में अनुभव की छूट तथा स्टेट सर्विस में प्रमोशन कोटा 50:50 से बढ़ाकर 80:20 देने तथा एएओ-2 की पोस्ट को राजपत्रित करने की मांग की गई थी। कमेटी ने इनमें से कोई भी मांग नहीं मानी।

राजस्थान की स्टेट सर्विसेज जैसे आरएएस, आरपीएस, आरएसीएस और एसआईपीएफ की तरफ से एक समान प्रमोशन और टाइम बाउंड प्रमोशन की मांग कमेटी में रखी थी। लेकिन कमेटी का कहना है कि स्टेट सर्विस में लागू करियर अश्योर्ड प्रोग्राम टाइम बाउंड प्रमोशन की समस्या को काफी हद तक कम कर रही है। इसलिए टाइम बाउंड प्रमोशन की मांग खारिज कर दी गई। वहीं, पे-परेटी की मांग को भी कमेटी ने लागू करने योग्य नहीं माना। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि कमेटी ने कॉडर रिव्यू, ग्रेड पे रिविजन, सचिवालय पेर्टन जैसी सभी मांगों को खारिज कर दिया है।

ईआरसीपी परियोजना के कार्यों को गति प्रदान करने के लिए भूमि आवंटन की दी स्वीकृति

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में ईआरसीपी परियोजना (रामजल सेतु लिंक परियोजना) के कार्यों को गति प्रदान करने और बारां जिले में जनजाति बहुल क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भूमि आवंटन के महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। शर्मा ने रीको को राजस्थान पेट्रोजोन की स्थापना के लिए भूमि आंवटन की स्वीकृति भी प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने बजट घोषणा 2024-25 के क्रम में कोटा संभाग में बालिका सैनिक विद्यालय की स्थापना के लिए कोटा जिले की रामगंजमण्डी तहसील में 22 हैक्टेयर भूमि का आंवटन स्कूल शिक्षा विभाग को करने की स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने ईआरसीपी परियोजना के अन्तर्गत बांरा जिले में रामगढ एवं महलपुर बैराज के निर्माण से डूब क्षेत्र में होने वाले विस्थापितों एवं प्रभावित परिवारों को अन्यत्र बसाने हेतु आबादी के लिए ग्राम कोयला में 35 हैक्टेयर भूमि आंवटन की स्वीकृति प्रदान की। इसी प्रकार, वन भूमि प्रत्यावर्तन के तहत तहसील शाहाबाद की 381 हैक्टेयर भूमि एवं तहसील किशनगंज की 551 हैक्टेयर भूमि वन विभाग को आंवटित करने की मंजूरी दी गई है, इससे ईआरसीपी परियोजना के अन्तर्गत किये जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध हो सकेगी। एक अन्य निर्णय के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों की महत्वाकांक्षी पीएम जनमन योजना के तहत बारां जिले की स्वीकृत 14 सड़कों के निर्माण के लिए वन भूमि प्रत्यावर्तन के अंतर्गत 21 हैक्टेयर भूमि के आवंटन की स्वीकृति प्रदान की गई।

वसुंधरा राजे ने राजमाता विजया राजे सिंधिया की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया

जोधपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता वसुंधरा राजे शुक्रवार को जोधपुर से भाद्राजून रवाना होने से पहले रेजिडेंसी रोड स्थित राजमाता विजया राजे सिंधिया स्मारक पहुंची। यहां पर उन्होंने राजमाता विजया राजे सिंधिया की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। वसुंधरा राजे ने इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने जोधपुर में राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्मारक के खराब रखरखाव की आलोचना की। उन्होंने राजमाता के योगदान के बावजूद उपेक्षा को उजागर किया और राजस्थान में शासन और महिलाओं के साथ व्यवहार पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि एक स्मारक की साफ सफाई नहीं रखी जा रही। राजमाता ने न केवल प्रदेश के लिए बल्कि देश के लिए भी बहुत कुछ किया है, उसके बावजूद भी सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है तो यह सोचने वाली बात है। बता दें कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे गुरुवार को जोधपुर पहुंची थी। एयरपोर्ट पर उनके समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया था। राजे का रात्रि विश्राम जोधपुर में रहा। वसुंधरा राजे ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शेरगढ़ विधायक श्री बाबू सिंह राठौड़ जी के सुपुत्र श्री भानु प्रताप सिंह के विवाह समारोह में सम्मिलित होकर वर और वधू को आशीर्वाद दिया। इससे पहले उन्होंने एक पोस्ट में कहा था, आज राजाराम आश्रम शिकारपुरा धाम पहुंचकर श्री राजेश्वर भगवान के दर्शन कर, महन्त श्री दयारामजी महाराज से लिया आशीर्वाद। धाम में पूजा अर्चना कर देश प्रदेश में खुशहाली की कामना की। बता दें कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस समारोह में हिस्सा लेने के लिए शाम को जोधपुर पहुंचे थे।

अलवर में सीए पर आईटी रेड, करोड़ों का कैश-गोल्ड मिला

अलवर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। 2 दिन से त्रेहान बिल्डर के सीए सुमित गुप्ता पर चल रही कार्रवाई में इनकम टैक्स को 15 करोड़ कैश और 7 किलो सोना मिला है। इनकम टैक्स की 23 लोगों की टीम ने गुरुवार सुबह त्रेहान ग्रुप से जुड़े 3 लोगों के ठिकानों पर कार्रवाई करने पहुंची थी। इसमें अपना घर शालीमार में स्थित सीए सुमित गुप्ता के 2 मंजिला मकान से कैश, गोल्ड और त्रेहान ग्रुप से जुड़े डॉक्युमेंट्स मिले हैं। गुप्ता के घर के बाहर 60 लाख की मर्सिडीज भी खड़ी मिली। विभाग की 2 टीमें त्रेहान ग्रुप के पार्टनर अशोक सैनी और कुलदीप कालरा के ठिकानों पर भी सर्च कर रहीं हैं। इसके अलावा अलवर, भिवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद स्थित ठिकानों पर भी कार्रवाई जारी है। जानकारी के अनुसार, इनकम टैक्स विभाग को त्रेहान ग्रुप में बड़ी मात्रा में कैश के लेनदेन की सूचना थी। इसके बाद त्रेहान ग्रुप से जुड़े सीएम गुप्ता, अशोक सैनी और कुलदीप कालरा के घर गुरुवार सुबह 7 बजे एकसाथ रेड दी। सीए गुप्ता के यहां इनकम टैक्स विभाग के 10 अधिकारी और कर्मचारी रात भर से मकान के अंदर सर्च कर रहे हैं।

बस और कार की आमने-सामने टक्कर, 3 लोगों की मौत

बीकानेर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर शुक्रवार को बस और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। ये हादसा नेशनल हाईवे पर श्रीडूंगरगढ़ के पास ही स्थित कीतासर गांव में हुआ है।

न्यू दीप ट्रेवल्स की बस जयपुर जा रही थी और कार जयपुर से बीकानेर की ओर आ रही थी। इस दौरान नेशनल हाईवे पर कीतासर के पास स्थित पेट्रोल पंप के मोड़ पर बस और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। गरीब सेवा संस्थान के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर टोल कंपनी की एंबुलेंस में गंभीर रूप से घायल युवती को इलाज के लिए श्रीडूंगरगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बड़ी संख्या में लोग भी जुट गए।

पूर्व विधायक बलजीत यादव पर ईडी की छापेमारी

10 ठिकानों पर रेड, करोड़ों के घोटाले का आरोप

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व विधायक बलजीत यादव के ठिकानों पर शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की है। पूर्व विधायक यादव की फर्म पर सरकारी स्कूलों में घटिया सामान की आपूर्ति का आरोप है। ईडी सूत्रों के मुताबिक यादव के जयपुर में 8 ठिकानों के साथ दौसा व अलवर स्थित एक-एक ठिकाने पर टीमें पहुंची हैं। रेड की कार्रवाई पीएमएलए कानून के तहत हो रही है।

3.72 करोड़ के घोटाले का आरोप

विधायक व उनसे जुड़े कुछ लोगों पर आरोप है कि इनकी कुछ कंपनियों ने सरकारी स्कूल के अंदर विधायक कोष से सामान की आपूर्ति में 3.72 करोड़ रुपए का घोटाला किया। विधायक कोष को दुरुपयोग कर नियमानुसार जो अनुमति लेनी थी, वह परमिशन नहीं ली गई। इसके साथ ही टेंडर देने वाली फर्मों ने फेक डॉक्यूमेंट का यूज किया।

ढाई गुना ज्यादा में की खरीद

साल-2022-23 में बहरोड़ क्षेत्र में बलजीत यादव व उसके सहयोगियों की कंपनियों ने विधायक कोष में क्रिकेट-बैडमिंटन किट की खरीद की थी। आरोप है कि विधायक फंड में हेरफेर कर 2.50 गुना अधिक में खरीद कर सरकार को नुकसान पहुंचाया गया।

इसमें कुल 32 स्कूलों को सामान दिया गया था। प्रत्येक स्कूल के लिए 9 लाख का खेल सामान खरीद किया था। दावा किया गया कि क्रिकेट के बैट खरीदे गए उसकी कीमत भी 15,600 तक बताई गई थी। ज्यादातर स्कूलों को 50-50 बैट दिए गए। इस घोटाले में पहले एसीबी की ओर से मामला दर्ज किया गया था। इसमें बलजीत यादव और 8 अधिकारी- कर्मचारियों की मिलीभगत का आरोप था।

51 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी, पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया

बीकानेर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस की यह बड़ी कार्रवाई नागणेची मंदिर क्षेत्र में हुई, जहां इन आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी बैंक खातों को किराए पर लेते थे और उन्हें ठगी के लिए इस्तेमाल करते थे। आरोपी इन्हें ठगी करने वालों तक पहुंचाकर बदले में मोटा कमीशन कमा रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में पवनपुरी निवासी समर्थ सोनी, धर्मनारायण सिंह, रोहित सिंह, शिव नारायण सिंह, राजीव नगर निवासी विकास बिश्नोई, एमपी कॉलोनी निवासी गुरदेव विश्नोई शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज और बैंकिंग सामग्री बरामद की है।

डीटीओ के पास मिली 6.18 करोड़ की संपत्ति

परिवार के साथ यूरोप-अमेरिका घूमने गए, खर्च किसने उठाया?; रिश्तेदारों के नाम खरीदी प्रॉपर्टी

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के विद्याधर नगर जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) संजय शर्मा के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की रेड में आय से दोगुना संपत्ति मिली है। राजस्थान और उत्तर प्रदेश स्थित 10 ठिकानों में छापेमारी में एसीबी टीम को करीब 6.18 करोड़ की संपत्ति मिली। परिवार के विदेश घूमने पर लाखों रुपए का खर्च करना भी सामने आया है, जिसका खर्चा किसी अन्य ने उठाया या उन्होंने खुद ने, इसकी जांच की जा रही है।

एसीबी डीजी डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया- डीटीओ संजय शर्मा के 10 ठिकानों पर एसीबी की टीमों ने छापेमारी की थी। प्रारंभिक जांच में संजय की आय से 209 फीसदी यानी दोगुना से ज्यादा आय मिली है। करीब 6.18 करोड़ की संपत्ति मिली, जो आय से 4 करोड़ रुपए अधिक है। डीटीओ संजय के घर में पत्नी और बच्चों सहित 10 लोगों के बैंक अकाउंट, 3 बड़े लॉकर, शेयर्स, प्रॉपर्टी के डॉक्युमेंट, सोने-चांदी के गहने मिले हैं। संजय ने रिश्तेदारों के नाम संपत्तियां खरीद रखी है। एसीबी को डीटीओ के खिलाफ सवा साल पहले आय से अधिक संपत्ति मामले की शिकायत मिली थी। जांच एजेंसी तब से सत्यापन कर रही थी। अब कार्रवाई की है।

यूरोप-अमेरिका ट्रिप पर लाखों किए खर्च

डीटीओ संजय शर्मा के दो बेटे और एक बेटी हैं। बड़ा बेटा यूएसए में पढ़ाई कर रहा है। दूसरा सिंधिया स्कूल ग्वालियर में पढ़ाई करने के बाद लंदन में पढ़ रहा है। बेटी ने डीपीएस से पढ़ाई करने के बाद कजाकिस्तान से एमबीबीएस किया है।

दस्तावेजों की जांच में एसीबी टीम को परिवार के लोगों के यूरोप और अमेरिका दौरों पर लाखों रुपए खर्च करने की जानकारी मिली है। विदेश दौरे पर संजय शर्मा खुद के खर्च पर गए या टिकट व रहने-खाने का खर्च किसी दूसरे ने उठाया, इसकी जांच की जाएगी।

सात लाख से अधिक की अवैध एमडीएमए और डोडा चूरा जब्त

बोलेरो कैंपर सहित दो आरोपी गिरफ्तार

नागौर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर की रोल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब सात लाख 88 हजार रुपये का अवैध डोडा पोस्त और एमडीएमए जब्त की। साथ में तस्करी में काम आने वाली बोलेरो कैंपर, स्कॉर्पियो गाड़ी और मोटरसाइकिल को भी जब्त किया है। रोल थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बता दें कि रोल थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने बढ़ते अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने को लेकर एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। रोल थाना पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि थाना इलाके के सरहद रातंगा में अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई कर रहे दो युवक बैठे हैं। डीएसटी टीम और रोल थाना पुलिस ने अलग-अलग अचानक दबिश दी और दो आरोपी सुरेंद्र पुत्र काशीराम जाट निवासी मुड़िताल और गोविंद शर्मा पुत्र नागरमल शर्मा निवासी छोरडिया पुलिस थाना रतनगढ़ जिला चूरू को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार किलो 553 किलो अवैध डोडा पोस्त चूरा और 36 ग्राम एमडीएमए अवैध मादक पदार्थ जब्त किया। साथ ही अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के लिए काम लिए जाने वाले बिना नंबरी कैंपर गाड़ी और स्कॉर्पियो और मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने जब्त किया है। रोल थानाधिकारी मुकेश चंद्र ने बताया कि मुखबिर की सूचना मिलते ही डीएसटी टीम और हमारी थाने की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। हमने अवैध मादक पदार्थों के साथ दो युवकों और उनके कब्जे से मादक पदार्थ और तस्करी में काम आने वाले तीन गाड़ियों को भी जब्त किया है।

विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा-ये समुदाय विशेष के लिए रकम जमा करने का षड्यंत्र

जयपुर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने हलाल सर्टिफिकेशन पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि इस पूरे मामले में जांच की आवश्यकता है। अब सरिए और सीमेंट में भी हलाल लिखा जा रहा है। आखिर ऐसा करके क्या विशेष समुदाय के लिए रकम जमा करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। बता दें कि इस मामले में विधायक बालमुकंद आने वाले विधानसभा सत्र में सवाल उठाएंगे। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय संत समिति की तरफ से इसको लेकर एक पत्र सरकार को लिखा जाएगा। पत्र में मांग की जाएगी कि राजस्थान में हलाल ब्रांड क्यों तैयार किया जा रहा है। नए-नए टैग कहां से आ रहे हैं? उन्होंने कहा कि पहले से शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के लिए सरकार ने टैग तय किए हैं। फिर ये हलाल का टैग कैसे तैयार हो रहा है। इसे कौन बना रहा है, सभी की जांच होगी। वहीं, बालमुकुंद आचार्य ने घुमंतू जातियों के उत्थान की भी बात की। उन्होंने कहा कि इस इन लोगों ने मुगलों के आक्रमण के समय एक रहकर देशहित में काम किया है। इन्होंने महाराणा प्रताप और रानी लक्ष्मी बाई के साथ मिलकर मुगलों के खिलाफ युद्ध लड़ा पर कभी समझौता नहीं किया और अपने आप को बचाए रखा। इन लोगों को भी शिक्षा का अधिकार है। इनके उत्थान के लिए हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। इन लोगों को घर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए पीएम और मुख्यमंत्री आवास योजना है। इनके बच्चों को भी शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। अगर शिक्षा के लिए इन जातियों के बच्चे विदेश जाना चाहते हैं तो उनको ये सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

शिव मंदिर के दावे की याचिका पर हुई सुनवाई

दरगाह कमेटी ने जवाब के लिए समय मांगा, अगली तारीख तय

अजमेर, 24 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर दरगाह में मंदिर होने के दावे वाली याचिका पर आज कोर्ट में सुनवाई हुई। दरगाह कमेटी ने यह कहते हुए कि यह सुनवाई योग्य नहीं है, याचिका को खारिज करने की मांग की।

इसके बाद कोर्ट ने याचिका दायर करने वाले विष्णु गुप्ता से जवाब मांगा और उनके द्वारा पेश किए गए जवाब पर दरगाह कमेटी ने और समय मांगा। इसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए तारीख तय कर दी।

यह मामला हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा अजमेर दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने के दावे को लेकर दायर किया गया था। गुप्ता ने अदालत में यह कहा कि उनके पास इस दावे को साबित करने के लिए कई सबूत हैं और इस मामले में वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता, क्योंकि यह एक्ट केवल मंदिर, मस्जिद, गिरिजाघर और गुरुद्वारों पर लागू होता है, जबकि दरगाह और कब्रिस्तान इसके दायरे में नहीं आते हैं। दूसरी ओर अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने इस दावे को नकारते हुए कहा कि यह सिर्फ एक ट्रेंड बन चुका है, जिसमें हर जगह मंदिर खोजे जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दरगाह में तीन मस्जिदें हैं और ऐसे दावों का कोई आधार नहीं है। अजमेर दरगाह के वर्शिप एक्ट में आने को लेकर अंजुमन सैयद जादगान के एडवोकेट आशीष कुमार सिंह ने कहा कि यह मामला पेंडिंग है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही इस पर कोई निर्णय लिया जाएगा। मामले में आगे की सुनवाई के लिए तारीख तय की गई है और अब तक कुल 11 प्रतिवादियों ने याचिका दायर की है, जिन पर अगली सुनवाई के दौरान विचार किया जाएगा।

महिला सुरक्षा विंग ने राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बालिका दिवस, 2008 में शुरू किया गया, शिशु मृत्यु दर, बाल विवाह और दहेज हत्या जैसे सामाजिक मुद्दों को संबोधित करता है, जिसका उद्देश्य लड़कियों को उन अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करना है जिनकी वे हकदार हैं।

महिला सुरक्षा विंग, हैदराबाद ने भरोसा केंद्र, एचएसीए भवन, हैदराबाद में एक जीवंत कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में बच्चों, उनके परिवारों और प्रमुख हितधारकों की उत्साही भागीदारी के साथ बालिकाओं को सशक्त बनाने और उनका उत्सव मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में उल्लेखनीय गणमान्य व्यक्तियों और मुख्य अतिथि एन. स्वेता आईपीएस, डीसीपी, सीसीएस डीडी हैदराबाद आई/सी एडिशनल सीपी क्राइम एंड एसआईटी की गरिमामयी उपस्थिति रही, सुनील (कामिनेनी अस्पताल), विजया भास्कर (डीडब्ल्यूओ), श्रीनिवास (डीसीपीयू), राम रेड्डी, और प्रताप रेड्डी (कानूनी विभाग पीपीएस)। भरोसा के निरीक्षण से पता चला है कि भरोसा हैदराबाद द्वारा 3340 बच्चों की देखभाल की जाती है, जिनमें से 241 को आश्रय प्रदान किया जाता है, वर्ष 2024 में, 132 बच्चों को शहर भर के विभिन्न स्कूलों में प्रवेश दिया गया और 304 बच्चों को भरोसा हैदराबाद के माध्यम से 2024 में डीडब्ल्यूओ और डीएलएसए से 2,31,87,500 रुपये का मुआवजा मिला। श्रीमती एन. श्वेता, डीसीपी, सीसीएस डीडी हैदराबाद ने भरोसा के प्रयासों की सराहना की और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और उन उपलब्धि हासिल करने वालों की सफलता की सराहना की जो अपने शिक्षाविदों और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

मैडम ने जोर देकर कहा कि शिक्षा एक ऐसी चीज है जिसे नष्ट या चुराया नहीं जा सकता. सभी को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। पुलिस और भरोसा आपकी मदद के लिए 24/7 मौजूद है। महिला सुरक्षा विंग की डीसीपी डॉ. पी. लावण्या नाइक जाधव ने कार्यक्रम में शामिल प्रत्येक बालिका को संबोधित किया और उसकी सराहना की।

उन्होंने एक लक्ष्य चुनने और उसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने तथा एक बार लक्ष्य प्राप्त करने के बाद रुकने पर जोर दिया। हितधारकों को उनके अमूल्य सहयोग के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए और उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वालों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। गीत, नृत्य और नाटकों सहित सांस्कृतिक प्रदर्शनों ने बालिकाओं के महत्व को रेखांकित किया, जबकि कार्यक्रम ने महिलाओं और बच्चों के लिए एक सुरक्षित और सशक्त वातावरण बनाने के लिए महिला सुरक्षा विंग की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

दो महिलाएं लापता, खोजबीन जारी

कुमरमभीम आसिफाबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जैनूर एसआई सागर ने बताया कि एक विवाहित महिला की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया है। सागर के मुताबिक जैनूर मंडल जेंदगुडा गांव के गुगुल बार श्रीराम और गोदावरी को छह बच्चे हैं और उनकी 5वीं बेटी शारदा को उसी गांव के मदापु पवार को दिया गया और पिछले साल जातिगत परंपराओं के अनुसार शादी कर दी। इस महीने की 21 तारीख को जाति के बुजुर्गों की मौजूदगी में पति और पति के बीच मतभेदों के कारण इस महीने की 21 तारीख को तलाक लेने का फैसला लिया गया था। इसी क्रम में 23 तारीख की रात बाथरूम गई मेरी बेटी शारदा वापस नहीं लौटी। उसके आसपास तलाशी ली गई तो उसका पता नहीं चला। फोन स्विच होने के कारण, परिवार के सदस्यों ने जैनूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जांच की जा रही है।

इसी तरह एक अन्य मामले में भी युवती के लापता होने की घटना जैनूर थाने की सीमा में घटी है। जैनूर मंडल के शिवनूर गांव की युवती शिल्पा (20) भद्राचलम के पलवंचा प्राइवेट कॉलेज में बीटेक द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। वह संक्राति त्योहार की छुट्टियों के दौरान शिवनूर गांव में अपने घर आई थी। इस महीने की 20 तारीख को सुबह 9:30 बजे पलवंचा कॉलेज जाने के इरादे से कार से जैनूर के लिए निकली। सुबह 11:30 बजे युवती के पिता पवार सुभाष ने अपनी बेटी शिल्पा को फोन किया। उसने कहा, मैं बस में हूं पापा। बस में बहुत सारे लोग हैं। मैं आपको बाद में फोन करूंगी। फिर उसने फोन बंद कर दिया। दोपहर में जब युवती के पिता ने दोबारा फोन किया तो स्विच आफ आया। जब उनके भतीजे जाधव प्रदीप ने फोन किया तो उनका फोन भी बंद था। भतीजा प्रदीप भी घर से नकदी लेकर चला गया। परिवार ने आसपास के इलाकों में खोजबीन की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। रिश्तेदारों से पूछताछ के बावजूद उसका कहीं पता नहीं चला। शुक्रवार को युवती के पिता पवार सुभाष ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

सरकारी सलाहकार के.केशवराव, वेम नरेंद्र रेड्डी, जीएचएमसी मेयर गडवाला विजयलक्ष्मी, विधायक सुदर्शन रेड्डी, भूपति रेड्डी और प्रेम सागर राव ने अपनी दावोस यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद हैदराबाद लौटने पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को उनके जुबली हिल्स आवास पर बधाई दी।

दावोस शिखर सम्मेलन की सफलता से तेलंगाना में रियल एस्टेट कारोबार को बढ़ावा : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा है कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच के आयोजन स्थल के रूप में तेलंगाना की ओर किए गए पर्याप्त निवेश से रियल एस्टेट क्षेत्र में वृद्धि की महत्वपूर्ण संभावना का संकेत मिलता है।

शुक्रवार को गांधी भवन में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान, टीपीसीसी नेता ने टिप्पणी की कि दावोस की घटनाओं ने इस बात की पुष्टि की है कि पर्याप्त निवेश केवल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के तहत ही संभव है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस)

पार्टी तेलंगाना में कांग्रेस के शासन के वर्ष के दौरान किए गए निवेश की तुलना में बीआरएस शासन के दशक के दौरान किए गए निवेश के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार है।

महेश कुमार गौड़ ने कहा, "यह देखना उत्साहजनक है कि सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सौर, एयरोस्पेस, बुनियादी ढांचे, दवा और स्वास्थ्य सेवा उद्योगों की प्रमुख कंपनियां दावोस में तेलंगाना मंडप में निवेश करने में रुचि व्यक्त कर रही हैं। तेलंगाना की स्थापना के बाद से इस तरह के महत्वपूर्ण निवेश का यह पहला उदाहरण है।"

उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में घोषित स्वच्छ और हरित नीति के साथ-साथ तेलंगाना सरकार द्वारा लागू की जा रही औद्योगिक नीति ने वैश्विक उद्योगपतियों का ध्यान आकर्षित किया है।

सरकारी नौकरी की अधिसूचनाओं का इंतजार हुआ लंबा

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेरोजगार युवाओं और सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को राज्य सरकार द्वारा जारी की जाने वाली भर्ती अधिसूचनाओं के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। जिला चयन समिति (डीएससी) के साथ-साथ विभिन्न विभागों में अन्य भर्ती अधिसूचनाओं के भी जल्द ही अमल में आने की संभावना नहीं है, क्योंकि भर्ती का संबंध राज्य में चल रहे एससी उप-वर्गीकरण और आसन्न चुनावों से जुड़ा हुआ है।

राज्य सरकार ने फरवरी महीने में अधिसूचना के साथ नौकरी कैलेंडर में इसे शेड्यूल करने के अलावा डीएससी के माध्यम से 6,000 शिक्षक रिक्तियों को भरने की योजना की घोषणा की थी। इससे नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों में काफी उम्मीदें जगी हैं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, डीएससी भर्ती केवल तभी की जाएगी जब चल रहे एससी उप-वर्गीकरण का समापन हो जाएगा और सरकार एक नई आरक्षण नीति लेकर आएगी। देश में एससी वर्गीकरण लागू करने के पक्ष में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मद्देनजर, राज्य सरकार ने उप-वर्गीकरण पर शमीम अख्तर की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया। सरकार ने राज्य में शिक्षा और सरकारी नौकरी की भर्ती में एससी उप-वर्गीकरण लागू करने का फैसला किया था।

वर्तमान में शिक्षा और नौकरियों के मामले में अनुसूचित जातियों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजातियों के लिए 6 प्रतिशत, पिछड़ी जातियों के लिए 29 प्रतिशत तथा शेष 50 प्रतिशत के लिए खुली प्रतिस्पर्धा है। इसके अलावा, राज्य में दो शिक्षक और एक स्नातक एमएलसी पदों और स्थानीय निकायों के चुनाव होने वाले हैं। स्थानीय निकाय पिछले फरवरी से विशेष अधिकारियों के साथ चल रहे हैं, क्योंकि राज्य सरकार ने आम चुनावों के कारण मार्च में स्थानीय निकायों के चुनाव नहीं कराए हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि फरवरी माह में स्थानीय निकाय चुनाव हो सकते हैं। इसके बाद दो शिक्षक और एक स्नातक एमएलसी चुनाव होंगे। यह बताया गया कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होते ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है और आचार संहिता हटने तक भर्ती अधिसूचनाएं जारी नहीं की जा सकतीं।

पुलिस अधिकारी की रिश्वतखोरी का ऑडियो और वीडियो वायरल

करीमनगर, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद डिवीजन के एक सर्कल इंस्पेक्टर का 3 लाख रुपये रिश्वत लेने का ऑडियो और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घूम रहा है। ऑडियो और वीडियो प्रसारित किए गए हैं, लेकिन कोई सबूत नहीं मिला। इसके अलावा, पुलिस अधिकारियों ने भी इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ऑडियो के अनुसार, पुलिस अधिकारी ने एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज होने से बचने के लिए फोन करने वाले से 3 लाख रुपये की रिश्वत ली। रिश्वत लेने के बाद भी पुलिस अधिकारी ने मामला कैसे दर्ज किया, इस बारे में व्यक्ति ऑडियो में सीआई से सवाल करता सुनाई दे रहा है।

व्यक्ति ने सीआई से सवाल किया कि आप (सीआई) 3 लाख रुपए की रिश्वत लेने के बाद भी एससी/एसटी अत्याचार का मामला कैसे दर्ज कर सकते हैं? आपके निर्देश के आधार पर, मैंने आपके कार्यालय के शौचालय में राशि रख दी। मैंने पूरे घटनाक्रम को पेन कैमरे से रिकॉर्ड किया। लेकिन, आपको इसके बारे में पता नहीं है।

इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने जम्मीकुंट सीआई रवि के खिलाफ डीजीपी, एसीबी डीजी और आईजी के पास शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया। जम्मीकुंटा सर्किल ऑफिस ही नहीं, एसीपी ऑफिस में भी अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की वर्दी पहनकर रिश्वत लेना उचित नहीं है। वह चाहते हैं कि पुलिस अधिकारी सीआई के खिलाफ कार्रवाई करें।

अधूरी फसल ऋण माफी के लिए किसानों से माफी मांगें सीएम : केटीआर

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना में पूर्ण फसल ऋण माफी लागू करने के झूठे दावे करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को किसानों को धोखा देने के लिए उनसे माफ़ी मांगनी चाहिए। वह स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा द्वारा एक बैठक के दौरान स्वीकार किए जाने पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के एक गांव में फसल ऋण माफी पूरी तरह से लागू नहीं की गई थी।

रामा राव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अब, किसे शर्म आनी चाहिए? किसे इस्तीफा देना चाहिए? कौन झूठ बोल रहा है और कौन सच बोल रहा है? यह हम नहीं, बल्कि आपके कैबिनेट सहयोगी हैं जिन्होंने आपके झूठ को उजागर किया है। पूर्ण कृषि ऋण माफी के आपके दावे पूरी तरह से दिखावा साबित हुए हैं। उन्होंने मांग की कि रेवंत रेड्डी को कोंडारेड्डीपल्ली या कोडंगल में अपनी नाक रगड़नी चाहिए और किसानों से माफ़ी मांगनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के बहुचर्चित किसान घोषणापत्र को एक धोखा और पूर्ण ऋण माफ़ी के वादे को एक सफ़ेद झूठ करार दिया। उन्होंने कांग्रेस सरकार को तेलंगाना के किसानों के लिए अभिशाप बताया।

राजस्थानी प्रगति समाज व्दारा संचालित इमली बन श्मशान वाटिका एवं गौशाला परिसर में अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल के निर्देशन में स्नान घर एवं प्रसाधन कक्ष का शुभारंभ किया गया। अवसर पर समाज के महामंत्री गोविन्द राठी, नन्दगोपाल भट्टड़, महेन्द्र व्यास, अजय शर्मा, अखिलेश कुमार, चितरंजन आचार्य आदि उपस्थित थे।

स्वदेशी जागरण मंच की टीम ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वदेशी जागरण मंच, तेलंगाना क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंच के राष्ट्रीय संयुक्त आयोजन सचिव सतीश के नेतृत्व में यहां राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से शिष्टाचार भेंट की।बैठक के दौरान, सतीश ने तेलंगाना में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहलों और राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर चर्चा की। चर्चा में स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया गया।

डीजीपी ने साइबराबाद सीपीओ में क्रेच का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस कर्मियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ाने और उनकी कार्यकुशलता में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, तेलंगाना के डीजीपी, डॉ. जितेन्द्र ने आज साइबराबाद आयुक्तालय परिसर में एक क्रेच का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में साइबराबाद के पुलिस आयुक्त, अविनाश मोहंती, संयुक्त पुलिस आयुक्त, डी. जोएल डेविस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए, तेलंगाना राज्य के डीजीपी, डॉ. जितेन्द्र ने इस पहल के सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला, जो कार्यरत पुलिस कर्मियों, विशेषकर महिला अधिकारियों पर उनके पेशेवर कर्तव्यों के साथ-साथ बच्चों की देखभाल का प्रबंधन करने में सहायक होगा। उन्होंने इस सुविधा को स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से साइबराबाद पुलिस के साथ साझेदारी करने के लिए माई स्कूल इटली के प्रति आभार व्यक्त किया। साइबराबाद पुलिस आयुक्त, अविनाश मोहंती ने कहा कि यह साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में अपनी तरह की पहली पहल है और इसकी निगरानी सीधे महिला एवं बाल सुरक्षा विंग (डब्ल्यूएंडसीएसडब्ल्यू) द्वारा की जाएगी, जिसका नेतृत्व डीसीपी, श्रीमती सृजना कर्णम करेंगी। यह पहल पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करती है, खासकर महिला अधिकारियों के लिए, जिससे वे अपने बच्चों की उचित देखभाल सुनिश्चित करते हुए अपनी जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। संयुक्त पुलिस आयुक्त, डी. जोएल डेविस ने इस बात पर प्रकाश डाला कि क्रेच बाल देखभाल चुनौतियों का समाधान करके पुलिस कर्मियों का समर्थन करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा अधिकारियों को अपने बच्चों की सुरक्षा और देखभाल की चिंता किए बिना अपने कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगी। डीसीपी, श्रीमती सृजना कर्णम ने बताया कि क्रेच को छोटे बच्चों के साथ पुलिस महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस सुविधा में वर्तमान में 15 बच्चे रह सकते हैं, तथा 30 तक की क्षमता है। इसका प्रबंधन पांच शिक्षकों और एक देखभालकर्ता की टीम द्वारा किया जाता है, जो बच्चों के लिए उच्च-गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करता है। क्रेच सुबह 8:00 बजे से शाम %:00 बजे तक संचालित होता है और 7 वर्ष तक के बच्चों के लिए खुला है। डॉ. माई स्कूल इटली की संस्थापक अपर्णा वोलुरु ने कहा: "समावेशी और सहायक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, हमने कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक सुरक्षित और पोषण वातावरण प्रदान करने की आवश्यकता को पहचाना।

एजीएम ने "फोर्टिफाई व्याख्यान श्रृंखला' का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में सतर्कता विभाग द्वारा की गई क्षमता निर्माण पहल के तहत "फोर्टिफाई व्याख्यान श्रृंखला' का शुभारंभ किया। राजेश पी. खाड़े, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक (पीसीएमएम); श्री जे. विनयन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। वाणिज्य मंत्रालय के जीईएम (गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस) के निदेशक श्री अनुज कुमार ने "जीईएम के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद' पर श्रृंखला का पहला व्याख्यान दिया। गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जीईएम), विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों/सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आवश्यक सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा प्रदान करता है। जीईएम का उद्देश्य सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाना है। रेलवे एक प्रमुख सरकारी मंत्रालय है, जिसकी यात्रियों और माल यातायात के परिवहन में बहुत बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है। सरकारी नीतियों के अनुपालन में, रेलवे जीएफआर 2017 के प्रावधानों के अनुसार वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के लिए जीवीएम पोर्टल का

उपयोग करता है। इस अवसर पर बोलते हुए, नीरज अग्रवाल ने कहा कि फोर्टिफाई व्याख्यान श्रृंखला एससीआर के सतर्कता विभाग द्वारा की गई एक बड़ी पहल है जो कर्मचारियों की क्षमता और ज्ञान को मजबूत करने में योगदान देगी। उन्होंने कहा कि गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस पोर्टल ने रेलवे में वस्तुओं और सेवाओं की खरीद में अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता लाई है और इसे बनाए रखने के लिए प्रयास जारी रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह व्याख्यान अधिकारियों और कर्मचारियों को जीवीएम पोर्टल के बारे में अपनी जागरूकता और विशेषज्ञता को और बढ़ाने में बहुत लाभकारी होगा। अनुज कुमार, निदेशक जीईएम ने अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके नियमित कामकाज में आम गलतियों से बचने के लिए पोर्टल की प्रक्रियाओं, प्रथाओं और प्रावधानों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने सभी हितधारकों को वर्तमान आईटी संचालित युग में वस्तुओं और सेवाओं की खरीद में नवीन तकनीकों को अपनाने के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने उपयोगकर्ताओं की सुविधा और उनके पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करने के लिए पोर्टल के विभिन्न उपकरणों जैसे ई-बिडिंग, रिवर्स ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कर्मचारियों से उनकी शंकाओं को दूर करने के लिए बातचीत भी की। जे. विनयन, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक ने कहा कि सतर्कता विभाग का वास्तविक कार्य संभावनाओं को देखना और भ्रष्टाचार को रोकना है। उन्होंने कहा कि निवारक सतर्कता समय की मांग है और फोर्टिफाई व्याख्यान श्रृंखला की योजना इस तरह से बनाई गई है कि काम के सभी क्षेत्रों को कवर किया जा सके जो कदाचार के लिए प्रवण/संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि हमें बाद में दंडित करने के बजाय भ्रष्टाचार को रोकने का प्रयास करना चाहिए। श्री राजेश पी. खाड़े, पीसीएमएम ने कहा कि व्याख्यान श्रृंखला सतर्कता विभाग द्वारा की गई एक विचारशील पहल है जो अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अत्यधिक लाभकारी होगी।

तेलंगाना सरकार ने किडनी रैकेट मामले की सीआईडी जांच के आदेश दिए

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने शहर के अलकनंदा अस्पताल में सामने आए किडनी रैकेट मामले की जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी है। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने इस कार्रवाई को अधिकृत किया है और मामले की व्यापक जांच का आह्वान किया है। साथ ही, पुलिस सक्रिय रूप से अपनी जांच कर रही है। विशेष टीमें वर्तमान में शामिल संदिग्धों का पीछा कर रही हैं। अब तक, पुलिस ने अस्पताल के अध्यक्ष सुमंत और गोपी नामक एक अन्य संदिग्ध सहित आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

सुमंत और गोपी दोनों को न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया है। पिछले किडनी रैकेट मामले से जुड़ी एक संबंधित घटना में, कानून प्रवर्तन ने मंगलवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, इस व्यक्ति के माध्यम से कई व्यक्तियों के नाम और फोन नंबर एकत्र किए, जिन्होंने तमिलनाडु और कर्नाटक से किडनी दाताओं और प्राप्तकर्ताओं की सुविधा में भूमिका निभाई थी। बताया गया है कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अलकनंदा अस्पताल में पहले भी किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी की जा चुकी है। इन सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए डॉक्टरों और सहायक कर्मचारियों सहित कम से कम 15 से 20 चिकित्सा कर्मियों की आवश्यकता होती है। चिकित्सकों के अलावा, उचित देखभाल और उपचार सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया से पहले और बाद में गहन चिकित्सा इकाई और ऑपरेटिंग रूम दोनों में नर्स और तकनीशियन उपलब्ध होना आवश्यक है। इस मामले में शामिल कई व्यक्तियों के स्रोत का पता लगाने के लिए वर्तमान में एक जांच की जा रही है। रंगारेड्डी जिले के स्वास्थ्य विभाग ने सरकार को एक प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें संकेत दिया गया है कि यह अस्पताल केवल 9 बिस्तरों के साथ शुरू हुआ था और इसमें विशेष सुविधाओं का अभाव है।

पी.वी. मुरली कृष्णा ने प्रिंसिपल चीफ सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर का पदभार संभाला

हैदराबाद , 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पी.वी. मुरली कृष्णा ने शुक्रवार को दक्षिण मध्य रेलवे में प्रिंसिपल चीफ सिग्नल एवं टेलीकॉम इंजीनियर (पीसीएसटीई) का पदभार संभाला है। वे भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएसई) के 1990 बैच के हैं। पी.वी. मुरली कृष्णा, चेन्नई के प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के पूर्व छात्र हैं, जहां से उन्होंने 1990 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। उसी वर्ष उन्हें आईआरएसएसई के लिए चुना गया था। उन्होंने प्रतिष्ठित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद से रणनीतिक प्रबंधन में एक उन्नत पाठ्यक्रम भी पूरा किया है। उनका कैरियर दक्षिणी रेलवे से शुरू हुआ, जहां उनकी पहली पोस्टिंग 1994 में जोन के बैंगलोर डिवीजन में दावणगेरे में सहायक सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर के रूप में हुई।

उन्होंने 1996 से 2007 के बीच दक्षिणी रेलवे के सिग्नल और दूरसंचार विंग में कई महत्वपूर्ण कार्यभार संभाले, ज्यादातर चेन्नई डिवीजन में। इसमें डिवीजनल सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर/यात्री आरक्षण प्रणाली, चेन्नई; सीनियर डिवीजनल सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर, चेन्नई और डिप्टी चीफ सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर, प्रोजेक्ट्स, चेन्नई के पद शामिल हैं। बाद में वे प्रतिनियुक्ति पर सिकंदराबाद में महाप्रबंधक/परियोजना के रूप में रेलटेल कॉर्पोरेशन में शामिल हुए और 2007 से 2012 के बीच सफलतापूर्वक पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। भारतीय रेलवे के कोर सिग्नल और दूरसंचार क्षेत्र में प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण के प्रति उनके मजबूत रुझान ने उन्हें 2012 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान (आईआरआईएसईटी), सिकंदराबाद मुरली कृष्ण दक्षिण रेलवे में वापस लौटे और मदुरै डिवीजन में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, एसएंडटी वर्कशॉप, पोदनूर में मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, मुख्य सिग्नल इंजीनियर, मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर तथा दक्षिण रेलवे में प्रिंसिपल मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर के रूप में कार्य किया, उसके बाद उन्होंने एससीआर में अपना नया कार्यभार संभाला।उनकी व्यावसायिक उपलब्धियों का उच्चतम बिंदु 2007 में दक्षिण मध्य रेलवे पर रिकॉर्ड 2000 किलोमीटर लंबाई की ऑप्टिक फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाना है, जिसने इस क्षेत्र में निर्बाध दूरसंचार कनेक्टिविटी के लिए बेंचमार्क स्थापित किया।

उनके करियर में एक और मील का पत्थर दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिणी रेलवे को कवर करते हुए दक्षिणी क्षेत्र में डेंस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (डीडब्ल्यूडीएम) और नेक्स्ट जेन नेटवर्क (एनजीएन) को चालू करने का काम संभालना है। उन्होंने 2012 में सिकंदराबाद में रेलटेल के डेटा सेंटर के डिजाइन और अंतिम रूप देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने इस क्षेत्र में रेलवे प्रणाली की दूरसंचार शक्ति को काफी बढ़ावा दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ऑस्ट्रेलियन ओपन : जोकोविच ने सेमीफाइनल मुकाबला छोड़ा

> मसल्स में खिंचाव के कारण फैसला लिया

> ज्वेरेव पहली बार फाइनल में

स्पोर्ट्स डेस्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले को बीच में ही छोड़कर हट गए हैं। शुक्रवार को सर्बियाई खिलाड़ी ने चोट की वजह से मुकाबले से हटने का फैसला लिया। जोकोविच के हटने से उनके प्रतिद्वंद्वी वर्ल्ड नंबर-2 एलेक्जेंडर ज्वेरेव को वॉकओवर मिल गया और वे पहली बार इस ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंच गए।

मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में जोकोविच को पहले सेट में 7-6 से हार झेलनी पड़ी। टेनिस के ओलिंपिक चैंपियन जोकोविच ने मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में बुधवार को तीसरी सीड स्पेन के कार्लोस अल्काराज को 4 सेट तक चले मुकाबले में पिछड़ने के बाद हराया था। जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के सबसे सफल मेंस सिंगल्स खिलाड़ी हैं। वे 10 बार यह खिताब जीत चुके हैं।

मैच से हटने के बाद मीडिया से बात करते हुए जोकोविच ने कहा-

मैंने मसल्स के चोट को संभालने के लिए हर संभव कोशिश की, लेकिन पहला सेट खत्म होने के बाद मुझे और भी ज्यादा दर्द होने लगा और इसे संभालना बहुत मुश्किल हो गया।

दर्शकों ने जोकोविच के खिलाफ हूटिंग की जोकोविच के हटने के बाद रॉड लेवर एरिना में मौजूद दर्शकों ने उनके खिलाफ हूटिंग करनी शुरू कर दी। इसके बाद ज्वेरेव ने उनका बचाव किया।

ज्वेरेव ने कहा-कृपया आप लोग चोट के कारण बाहर जाने पर किसी खिलाड़ी के खिलाफ हूटिंग न करें। मुझे पता है कि सभी ने टिकटों के लिए पैसे दिए हैं, लेकिन नोवाक ने पिछले 20 सालों में खेल को अपना सब कुछ दिया है।

ज्वेरेव अब तक एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीते

वर्ल्ड नंबर-2 एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश है। वे पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्हें पिछले साल ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

जोकोविच के नाम 24 ग्रैंडस्लैम

जोकोविच ने अपने करियर में 24 ग्रैंड स्लैम जीते हैं, इनमें सबसे ज्यादा 10 बार उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन पर ही कब्जा किया। जोकोविच ने 7 बार विंबलडन का खिताब भी जीता है। वहीं उनके नाम 4 यूएस ओपन और 3 फ्रेंच ओपन के खिताब भी हैं। जोकोविच टेनिस में गोल्डन स्लैम जीतने वाले 13वें प्लेयर हैं। गोल्डन स्लैम यानी ओलिंपिक में गोल्ड समेत चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी।

जोकोविच टेनिस में गोल्डन स्लैम जीतने वाले 13वें प्लेयर हैं। गोल्डन स्लैम यानी ओलिंपिक में गोल्ड समेत चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी।

सबालेंका-कीज के बीच खेला जाएगा विमेंस सिंगल्स का फाइनल

डिफेंडिंग चैंपियन एरिना सबालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के फाइनल में पहुंच गई हैं। सबालेंका ने लगातार तीसरी बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई। 25 जनवरी को खिताबी मुकाबले में उनका सामना अमेरिका की मैडिसन कीज से होगा।

1905 से खेला जा रहा है ऑस्ट्रेलियन ओपन

ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया 'टेनिस ऑस्ट्रेलिया' बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

साल का पहला ग्रैंड स्लैम है

टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में यूएस ओपन होता है। यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

जय शाह वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्ट्स एडवाइजरी बोर्ड में शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी अध्यक्ष और बीसीसीआई के पूर्व सेक्रेटरी जय शाह को मैरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के नए सलाहकार बोर्ड वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्टस में शामिल किया गया है। उनके अलावा सौरव गांगुली को भी इसमें शामिल किया गया है। ये एक स्वतंत्र ग्रुप है। वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्ट्स एडवाइजरी बोर्ड 7 और 8 जून को लॉर्ड्स में होने वाली मीटिंग में खेल के सामने आने वाली चुनौतियों और समस्याओं पर चर्चा करेगा। जय शाह ने पिछले साल 1 दिसंबर को आधिकारिक तौर पर आईसीसी चेयरमैन का पद संभाला था। वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्ट्स बोर्ड में 13 मेंबर्स शामिल हैं। इसकी अध्यक्षता पूर्व श्रीलंकाई कप्तान कुमार संगकारा करेंगे। अन्य संस्थापक सदस्यों में सौरव गांगुली, ग्रीम स्मिथ, एंड्रयू स्ट्रॉस और इंग्लैंड की महिला टीम की कप्तान हीथर नाइट शामिल हैं।

एमसीसी ने पिछले साल वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्ट्स फोरम का उद्घाटन किया था। इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा क्रिकेटर्स खेल के बारे में चर्चा करने के लिए भाग लिए थे। जय शाह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए थे। एमसीसी के अध्यक्ष मार्क निकोलस ने कहा, 'हम वर्ल्ड क्रिकेट पर हावी होने वाले सबसे महत्वपूर्ण विषयों पर बहस करने के लिए खेल के कई सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

वर्ल्ड क्रिकेट कनेक्टस एडवाइजरी बोर्ड वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी की जगह लेगा। वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी का गठन 2006 में हुआ था। इस कमेटी की आखिरी बैठक पिछले साल गर्मियों में आखिरी बार हुई थी। वर्ल्ड क्रिकेट कमेटी एक स्वतंत्र निकाय थी जिसके पास कोई औपचारिक शक्ति नहीं थी, लेकिन इसकी सिफारिशों को अक्सर आईसीसी ने अपनाया है।

सिर्फ कप्तान नहीं, मैं लीडर बनना चाहता हूं : सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली । भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव सिर्फ कप्तान नहीं, बल्कि समूह के लीडर बनना चाहते हैं। उन्होंने चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से पहले अपने विचारों को व्यक्त किया।

सूर्यकुमार की अगुआई वाले भारत ने बुधवार को ईडन गार्डन्स में सीरीज के पहले मैच में इंग्लैंड को सात विकेट से हराया। घरेलू टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में शुरुआती 1-0 की बढ़त हासिल की। सूर्यकुमार ने हॉटस्टार के विशेष शो 'सुपरस्टार्स' पर कहा, मुझे लगता है कि मैं सिर्फ कप्तान नहीं बनना चाहता; मैं लीडर बनना चाहता हूं। अगर हम एक समूह के रूप में कुछ हासिल करना चाहते हैं, तो सभी को एक ही पृष्ठ पर होना चाहिए। ये छोटी-छोटी बातें हैं जो मैं उन्हें बताता रहता हूं - बुनियादी बातें, मैदान पर और मैदान के बाहर पालन करने की अच्छी आदतें। और जब आप मैदान पर कदम रखते हैं, तो बस अपने शरीर को छोड़ दें और जो हो रहा है उसका आनंद लें। सूर्यकुमार को पिछले साल भारत के टी20 कप्तान के रूप में नियुक्त किया गया था, जब उनके पूर्ववर्ती रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

रोहित, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद अपने टी20 करियर को अलविदा कह दिया। भारत के टी20 कप्तान बनने पर अपने विचारों को दर्शाते हुए, सूर्यकुमार ने इसे एक भावनात्मक क्षण बताया, जिसका जश्न उन्होंने अपने परिवार के साथ मनाया। उन्होंने कहा, यह एक भावनात्मक क्षण था। मैंने अपने परिवार को फोन किया, और हमने अच्छी बातचीत की। फिर मैंने एक गहरी सांस ली, उस पल को महसूस किया, और जश्न मनाया। हम घर पर बैठे, मैंने पत्नी की मदद से कुछ खाना बनाया - और शाम का आनंद लिया।

आउट होने पर श्रेयस अय्यर ने किया बवाल अजिंक्य रहाणे के साथ अंपायर को घेरा

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन के दूसरे फेज की शुरुआत हो चुकी है। दूसरे फेज में रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा और श्रेयस अय्यर जैसे सीनियर खिलाड़ी मैदान पर उतरे हैं। यही कारण है कि रणजी ट्रॉफी का यह दूसरा फेज रोमांचक हो गया है। ऐसा ही रोमांच मुंबई और जम्मू-कश्मीर के बीच खेले जा रहे मैच में भी देखने को मिला, जब श्रेयस अय्यर आउट होने के बाद अंपायर से भिड़ गए। इस घटना के बाद मैदान पर खूब ड्रामा देखने को मिला है। दरअसल हुआ ये था कि श्रेयस अय्यर जब 16 गेंद पर 17 र बनाकर खेल रहे थे जो आकिब नबी की गेंद पर बैट का किनारा लेते हुए गेंद विकेटकीपर के दस्ताने में चली गई। आकिब ने कैच की अपील की और अंपायर ने श्रेयस अय्यर को आउट करार दे दिया, लेकिन अय्यर अंपायर के इस फैसले से खुश नहीं थे।

टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में गुकेश का सामना अब्दुसत्तोरोव से, वेई से भिड़ेंगे प्रज्ञानंद

स्पोर्ट्स डेस्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी गुकेश टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में पहले विश्राम दिवस के बाद छठे दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से भिड़ेंगे, जबकि आर प्रज्ञानंद का सामना चीन के गत चैंपियन वेई यी से होगा। प्रज्ञानंद और अब्दुसात्तोरोव पांच दौर के बाद चार-चार अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं जबकि गुकेश 3.5 अंक लेकर स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

भारत के एक अन्य खिलाड़ी पी हरिकृष्णा पांचवें स्थान पर हैं। टूर्नामेंट में अभी आठ दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। प्रज्ञानंद ने अब तक तीन जीत हासिल की हैं और दो ड्रॉ खेले हैं। उन्होंने अपनी तीनों बाजियां भारतीय खिलाड़ियों अर्जुन एरिगैसी, पी हरिकृष्णा और लियोन ल्यूक मेंडोंका के खिलाफ जीती हैं जिससे वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं। विश्व चैंपियन बनने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे गुकेश विश्व रैंकिंग में चौथे और भारतीय खिलाड़ियों में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पिछले दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराया था और वह अगले दौर में अपना विजय अभियान जारी रखने के उद्देश्य से उतरेंगे। हरिकृष्णा ने प्रज्ञानंद के खिलाफ हार को छोड़कर अच्छा प्रदर्शन किया है। वह छठे दौर में नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट से भिड़ेंगे। जहां तक एरिगैसी का सवाल है तो अभी तक उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। वह पांच दौर के बाद अभी तक केवल एक अंक हासिल कर पाए हैं। अगले दौर में उनका मुकाबला फैबियानो कारूआना से होगा। चैलेंजर्स वर्ग में आर वैशाली ने अभी तक तीन अंक हासिल किए हैं। उनका अगला मुकाबला इरिना बुलमागा से होगा जिनका केवल आधा अंक है। भारत की एक अन्य खिलाड़ी दिव्या देशमुख के 1.5 अंक हैं और अब उनका सामना अर्जेंटीना की फॉस्टिनो ओरो से होगा।

रोहित शर्मा ने उड़ाए 3 छक्के, फिर घटिया शॉट खेलकर हुए आउट

मुंबई, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के हर क्रिकेट फैंस को सिर्फ एक ही बात का इंतजार है। वह यह कि टीम इंडिया के वनडे और टेस्ट कप्तान हिटमैन किसी भी तरह से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपनी फॉर्म हासिल कर लें, लेकिन यह होते अभी तक दिख नहीं रहा है। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान प्लेइंग-11 में अपना स्थान गंवाने वाले रोहित शर्मा ने फॉर्म पाने के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट का रुख किया, लेकिन जम्मू-कश्मीर जैसी छोटी टीम के खिलाफ भी वह दोनों ही पारियों में फेल रहे। पहली पारी में 3 रन बनाकर आउट होने वाले रोहित शर्मा दूसरी पारी में कुछ आक्रामक दिखे, लेकिन 28 रन बनाकर अपना विकेट बड़े ही अजीब शॉट पर गंवा बैठे। पहली पारी में उन्हें 3 रन पर उमर नजीर ने आउट किया था तो दूसरी पारी में युद्धवीर सिंह ने शिकार बनाया। युद्धवीर की गेंद पर आबिद मुश्ताक ने एक हाथ से करिश्माई कैच लपका। हालांकि, रोहित ने इस पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए, जिसने फैंस को थोड़ी राहत जरूर दी। रोहित शर्मा से हर किसी को बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह नाकाम हुए हैं।उन्हें पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया का कप्तान नियुक्त किया गया है। यानी वह अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे हैं, जबकि उससे पहले भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस तरह से रोहित के पास फॉर्म पाने का आखिरी मौका वनडे सीरीज ही रहेगी। अगर यहां चूकते हैं तो सिलेक्टर्स भी टेंशन में आ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा और विराट कोहली ने टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था।

एसए 20-डरबन सुपरजायंट्स ने पार्ल रॉयल्स को 5 विकेट से हराया

स्पोर्ट्स डेस्क, 24 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका की क्रिकेट लीग एसए20 के तीसरे सीजन के 18वें मैच में पार्ल रॉयल्स ने डरबन सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हरा दिया। टीम पॉइंट टेबल में टॉप पर बरकरार है। डरबन में खेले गए मैच में डरबन सुपर जॉयंट्स ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाए। वहीं, 143 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी पार्ल रॉयल्स ने 15 बॉल शेष रहते हुए 146 रन बना कर 5 विकेट से जीत दर्ज की।

डी कॉक और मैथ्यू ब्रीट्जके ने डरबन को अच्छी शुरुआत दी

क्विंटन डी कॉक और मैथ्यू ब्रीट्जके ने डरबन सुपर जायंट्स को अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी हुई। पार्ल रॉयल्स को पहली सफलता 8.5 ओवर में ब्योर्न फोर्टुइन ने अपने ही गेंद पर कैच पकड़ कर दिलाया। मैथ्यू ने 29 गेंदों का सामना कर 25 रन बनाए। मैथ्यू के बाद डी कॉक भी जल्दी आउट हो गए। रॉयल्स को दूसरी सफलता 73 रन पर मिली। कॉक ने मुजीबुर रहमान की गेंद पर कैच आउट हो गए। उन्होंने 30 गेंदों का सामना कर 43 रन बनाए। इनके अलावा वियान मुडलर ने 24 और जॉन-जॉन ट्रेवर स्मट्स ने 32 रन बनाए।

मुजीब उर रहमान रहे डरबन रॉयल्स के सफल गेंदबाज

मुजीब उर रहमान पार्ल रॉयल्स के सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं ईशान मलिंगा, जो रूट और ब्योर्न फोर्टुइन को एक-एक विकेट मिला।

143 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पार्ल रॉयल्स खराब शुरुआत के बाद भी 15 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट पर 146 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। रॉयल्स को पहले ओवर की 5वीं गेंद पर पहला झटका लगा। ओपनर जो रूट बिना कोई रन बनाए 9 रन के स्कोर पर आउट हो गए। वहीं 25 रन के स्कोर पर दूसरे ओपनर लुआन-ड्रे प्रीटोरियस भी आउट हो गए। उन्होंने 13 गेंद का सामना कर 25 रन बनाए।

तीसरे खिताब से एक कदम दूर सबालेंका

> दूसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल खेल रहीं मेडिसन कीज से भिड़ेंगी

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)। शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका लगातार तीसरे ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब से सिर्फ एक कदम दूर कर खड़ी हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में स्पेन की अपनी गहरी दोस्त पाउला बदोसा को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। अगर सबालेंका फाइनल जीतने में सफल रहती हैं तो तीन लगातार ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाली इस सदी की पहली महिला टेनिस खिलाड़ी होंगी। अंतिम बार स्विट्जरलैंड की मार्टिना हिंगिस ने 1997 से 1999 तक यह टूर्नामेंट जीता था।

सबालेंका का फाइनल में मुकाबला अमेरिका की 19वीं वरीय मेडिसन कीज से होगा। 29 वर्षीय कीज ने दूसरे सेमीफाइनल में दूसरी वरीय और 2022 की विजेता पोलैंड की इगा स्वियातेक को तीन सेटों के संघर्ष में 5-7, 6-1, 7-6 (8) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। कीज का यह दूसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल होगा। 2017 के यूएस ओपन के फाइनल में खेलने वाली कीज इससे पहले दो बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। कीज ने बड़ा उलटफेर किया। इगा ने इस हार से पहले टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया था।

सबालेंका ने मैच की शुरुआत धीमी की। वह शुरुआत में ही 0-2 से पिछड़ गईं, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी करते हुए बदोसा को फिर कोई मौका नहीं दिया। सबालेंका ने कहा, वह लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने के लिए कुछ भी छोड़ने को तैयार हैं। ईमानदारी से कहूं तो मैंने यह सपना भी नहीं देखा था। मैंने कम से कम एक ग्रैंडस्लैम जीतने का सपना देखा था, लेकिन मेरे सामने अब लगातार तीन ग्रैंडस्लैम जीतने का मौका है। यह अविश्वसनीय है। मैं इसके लिए कुछ भी छोड़ने को तैयार हूं।

26 वर्षीय सबालेंका अगर फाइनल जीतने में सफल हो जाती हैं तो वह लगातार तीन बार यह खिताब जीतने वाले मार्गरेट कोर्ट स्मिथ (1969-71), इवाना गुलागोंग (1974-1976), स्टेफी ग्राफ (1988-1990), मोनिका सेलेस (1991-1993) जैसे दिग्गजों की श्रेणी में शामिल हो जाएंगी। सबालेंका और बदोसा अच्छी दोस्त हैं। सबालेंका ने कहा, वह एक या दो दिन मुझसे गुस्से में रहेगी, लेकिन उसके बाद हम फिर दोस्त हो जाएंगे और साथ में खरीदारी करने जाएंगे। मैं वायदा करती हूं कि वह कुछ भी मांगेगी, मैं उसका भुगतान करूंगी। बदोसा ने कहा, सबालेंका आज ऐसा खेली कि कुछ भी छूती वह चीज सोने की हो जाती। सबालेंका ने पूरे मैच मे 32 विनर्स लगाए। मेडिसन कीज की जीत हैरान करने वाली रही। तीसरे सेट में इगा मैच प्वाइंट पर सर्विस कर रही थीं, लेकिन कीज ने जबरदस्त संघर्ष क्षमता का परिचय देते हुए स्वियातेक की सर्विस तोड़ते हुए मुकाबले को 6-6 की बराबरी पर ला दिया। सुपरटाईब्रेक में भी कीज लगाता पिछड़ी हुई थीं, लेकिन उन्होंने अंत में 8-8 की बराबरी की और अंत में 10-8 से टाईब्रेकर जीतकर फाइनल में जगह बना ली। जीत के बाद कीज की आंखों में खुशी के आंसू थी।

शर्मनाक! रविंद्र जडेजा की टीम ने ऋषभ पंत की टीम को सिर्फ 19 गेंदों में रौंद दिया, जड्डु ने झटके 12 विकेट

राजकोट, 24 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के धुरंधर खिलाड़ियों के डोमेस्टिक क्रिकेट में लौटने से रणजी ट्रॉफी का नूर लौट आया है। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के मुकाबले में धाकड़ ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की सौराष्ट्र टीम ने ऋषभ पंत की दिल्ली टीम को सिर्फ 3.1 ओवरों में यानी 19 गेंदों में ही 10 विकेट से रौंद दिया।

मैच के हीरो खुद रविंद्र जडेजा रहे, जिन्होंने पहली पारी में 5 और दूसरी पारी में ऋषभ पंत सहित कुल 7 विकेट झटके। इस तरह से उन्होंने 12 विकेट झटकते हुए दिल्ली को रौंद दिया। यह दिल्ली के लिए वाकई शर्मसार होने जैसा है। मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली ने पहले बैटिंग करते हुए पहली पारी में 49.4 ओवरों में सभी विकेट खोकर 188 रन बनाए।टीम के लिए कप्तान आयुष बडोनी ने सबसे अधिक 60 रन की पारी खेली, जबकि लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी खेलने वाले भारतीय टीम के पसंदीदा विकेटकीपर ऋषभ पंत एक रन बनाकर धर्मेंद्र सिंह जडेजा की गेंद पर आउट हुए। रविंद्र जडेजा ने इस पारी में 5 विकेट झटके, जबकि 66 रन खर्च किए। सौराष्ट्र ने इसके बाद पहली पारी में 72.2 ओवरों में 271 रन बनाए। उसके लिए ओपनर हार्विक देसाई ने सबसे अधिक 93 रनों की पारी खेली, जबकि रविंद्र जडेजा ने 38 और एवी वासवाडा ने 62 रन ठोके। दिल्ली के लिए हर्ष त्यागी ने 4 विकेट झटके, जबकि आयुष बडोनी ने यहां भी कमाल किया और 3 विकेट अपने नाम किए।

गर्मी के लिए बिजली आपूर्ति योजनाओं पर जागरूकता पैदा करें: भट्टी

डिप्टी सीएम ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने निर्देश दिया है कि सीएमडी स्तर से लेकर अधीक्षण अभियंताओं तक के ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को एक सुसंगत और उच्च गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर में तुरंत क्षेत्र का दौरा करना चाहिए।

शुक्रवार को उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ प्रजा भवन में एक समीक्षा बैठक बुलाई। उपमुख्यमंत्री ने ट्रांसको, एनपीडीसीएल और एसपीडीसीएल के अधिकारियों और कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण बिजली वितरण की गारंटी देने के उद्देश्य से कार्य योजना शुरू करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने गर्मी की बिजली आपूर्ति योजना के कार्यान्वयन पर केंद्रित समीक्षा और जागरूकता बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इन बैठकों में न केवल अधिकारियों और कर्मचारियों को बल्कि किसानों, उपभोक्ताओं और मीडिया प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली गर्मियों के दौरान आई चुनौतियों को देखते हुए इन चर्चाओं के दौरान कुशल बिजली आपूर्ति के लिए अपनाए जा रहे उपायों को स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है। साथ ही, किसानों और उपभोक्ताओं दोनों की शिकायतों को स्वीकार करना आवश्यक है।

ग्रीष्मकालीन योजना के कार्यान्वयन के संबंध में व्यापक बैठकें 27 जनवरी से 4 फरवरी तक क्षेत्र स्तर पर आयोजित की जानी हैं। इन बैठकों के कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया जाना चाहिए और नामित नोडल अधिकारियों द्वारा व्यापक रूप से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि कहा गया है। विक्रमार्क ने नोडल अधिकारियों को 29 जनवरी को जिला और उप-विभाग दोनों स्तरों पर ग्रीष्मकालीन कार्य योजना से संबंधित समीक्षा बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, 4 फरवरी को, ग्रीष्मकालीन कार्य योजना के लिए समीक्षा बैठक डिवीजन स्तर पर अधीक्षण अभियंताओं द्वारा बुलाई जाएगी। क्षेत्र स्तरीय चर्चाओं के दौरान सबस्टेशनों में ओवरलोड फीडरों की समस्या के समाधान के उपायों के साथ-साथ वितरण ट्रांसफार्मर कक्षों (डीटीआर) में पिछले तीन वर्षों में आई चुनौतियों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जाना है। बैठक में ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर, एसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ अली, एनपीडीसीएल के सीएमडी वरुण रेड्डी और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आंगनवाड़ी केंद्र की छत गिरने से 4 बच्चे घायल

संगारेड्डी, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार सुबह नारायणखेड़ मंडल के वेंकटपुर गांव में एक आंगनवाड़ी केंद्र की छत आंशिक रूप से गिरने से चार बच्चे घायल हो गए। तनाव की स्थिति तब बनी जब बच्चों के माता-पिता स्कूल पहुंचे। घायल बच्चों को नारायणखेड़ के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

कांग्रेस शासन में रुक गया हैदराबाद का विकास : बीआरएस

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने हैदराबाद में सार्वजनिक मुद्दों के समाधान के लिए अपनी लड़ाई तेज कर दी है तथा राज्य में कांग्रेस शासन के तहत एक वर्ष से ठप पड़े विकास पर नाराजगी व्यक्त की है।

पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के नेतृत्व में बीआरएस विधायकों, एमएलसी और नगरसेवकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को जीएचएमसी आयुक्त के. इलमबरीथी से मुलाकात की और शहर की समस्याओं पर एक याचिका सौंपी।

बीआरएस के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को छोड़ने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिसमें फ्लाईओवर, अंडरपास और स्वच्छता सुधार शामिल हैं।

उन्होंने स्ट्रीट लाइटों के खराब रखरखाव, नए वैकुंठ धामों की कमी और बिगड़ती सड़क कनेक्टिविटी की ओर इशारा किया। जीएचएमसी आयुक्त से मुलाकात के बाद श्रीनिवास यादव ने मीडियाकर्मियों से कहा कि कांग्रेस सरकार ने न केवल चल रही परियोजनाओं की अनदेखी की है, बल्कि बीआरएस द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं को भी रद्द कर दिया है, जहां 10-20 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जैसे फतेहनगर फ्लाईओवर विस्तार और सनथनगर औद्योगिक क्षेत्र में अंडरपास।

भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान में आध्यात्मिक उद्यान का उद्घाटन

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे वित्तीय प्रबंधन संस्थान (आईआरआईएफएम) ने मौला अली में अपने हरे-भरे परिसर में एक "आध्यात्मिक उद्यान' बनाया है। सुश्री अपर्णा गर्ग, महानिदेशक, आईआरआईएफएम और नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर ने शुक्रवार को आईआरआईएफएम और आरवीएनएल के कर्मचारियों और अधिकारियों की टीम के साथ आध्यात्मिक उद्यान का उद्घाटन किया। इस विशेष रूप से क्यूरेट किए गए स्थान की दो मुख्य विशेषताएं नक्षत्र आधारित पेड़ और पांच तत्व (पंच तत्व) पैदल पथ हैं।

इसका नाम अश्विनी उपवन रखा गया है, क्योंकि अश्विनी राशि चक्र के पहले नक्षत्र का पहला तारा है। आईआरआईएफएम के महानिदेशक ने प्रकृति और धरती माता के साथ इस जुड़ाव की अवधारणा और महत्व को समझाया। भारतीय परंपरा में 27 नक्षत्रों के साथ विशिष्ट वृक्षों को जोड़ा गया है। प्रत्येक वृक्ष का अपना अनूठा महत्व है। ऐसा माना जाता है कि जब ऐसे आकाशीय वृक्ष उगाए जाते हैं, तो वे वातावरण में सकारात्मक उपचारात्मक ऊर्जा भर देते हैं। इस छोटे से जंगल में गुच्छेदार अंजीर, पीपल, अशोक, अर्जुन, नीम और अन्य वृक्ष हैं। यह प्रकृति के बीच शरीर और मन को तरोताजा करने का स्थान है। ब्रह्मांड के पांच मूलभूत तत्व यानी पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश को लकड़ी, पानी, कंकड़, घास और रेत के रूप में एक गोलाकार पथ में एकीकृत किया गया है, जो नंगे पैर चलने पर चिकित्सीय लाभ देता है।

यह प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान में रेलवे की निरंतर भागीदारी को दर्शाता है। आईआरआईएफएम की यह अनूठी पहल हरित परिसर के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधे भी लगाए।

शाहइनायतगंज इंस्पेक्टर को किया गया गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को शाहीनयथगंज पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर एल. बालू चौहान को रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

उसके पास से 50,000 रुपये की रिश्वत राशि जब्त की गई। बालू चौहान ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से शाहीनयथगंज थाने में दर्ज एक गुमशुदगी मामले में उसका नाम संदिग्ध के रूप में हटाने और उसे आगे परेशान न करने के लिए 1.5 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने अनुरोध के बाद 50,000 रुपये की रिश्वत देने का वादा किया था। एसीबी अधिकारियों ने अधिक जानकारी जुटाने के लिए पुलिस स्टेशन परिसर में छापेमारी भी की। गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए एसीबी मामलों की विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भारतीय रेल को मिलेगा बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिस अवार्ड

नई दिल्ली/ हैदराबाद 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भारतीय रेल को बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिस अवार्ड-2024-25 प्रदान किया जाएगा। यह आयोजन 25 जनवरी को नई दिल्ली के दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में होने वाला है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय रेल ने मतदाता जागरूकता और लॉजिस्टिक सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है,जिसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा यह पुरस्कार दिया जा रहा है। मतदाता जागरूकता के लिए भारतीय रेल ने अपने नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अपने रेल डिस्प्ले नेटवर्क (आरडीएन) का व्यापक उपयोग किया। इस नेटवर्क के माध्यम से स्टेशनों, रेलवे की अधिकारिक वेबसाइटों और मोबाइल ऐप पर मतदाता हेल्पलाइन से संबंधित जानकारी साझा की गई। स्टेशनों पर

पूर्व-रिकॉर्डेड घोषणाएं की गईं, जिनमें मतदान की अहमियत और प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके अलावा कश्मीर वैली में स्वीप एक्सप्रेस विशेष ट्रेन चलाई गई। इस ट्रेन का उद्देश्य युवाओं को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करना और उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना था। चुनाव में लगे कर्मचारियों एवं अधिकारियों के सुरक्षित और सुगम परिवहन का प्रबंधन भारतीय रेल द्वारा किया गया । इस दौरान 3,74,000 से अधिक अर्धसैनिक बलों को 383 विशेष ट्रेनों के माध्यम से देशभर में सुरक्षित और समय पर पहुंचाने का काम किया। यह कदम चुनावी प्रक्रिया को सुरक्षित और निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। भारतीय रेल ने मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया ✎टफॉर्म का भी बेहतर तरीके से उपयोग किया। #ChunavKa-Parv और #DeshKaGarv जैसे हैशटैग के साथ चलाए गए कैंपेन ने नागरिकों को मतदान के महत्व को समझाने और चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। भारतीय रेल ने न केवल मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने का काम किया, बल्कि नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देकर लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत किया। यह पुरस्कार भारतीय रेल की उन असाधारण पहलों का प्रतीक है, जो यह दर्शाती हैं कि रेलवे केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र के लोकतांत्रिक ढांचे का अभिन्न हिस्सा है।

हैदराबाद घने कोहरे की चादर में लिपटा

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को हैदराबाद के निवासियों की सुबह घने कोहरे की चादर के साथ हुई जिसने मुख्य क्षेत्रों से लेकर बाहरी इलाकों तक लगभग पूरे शहर को ढक लिया। जबकि न्यूनतम तापमान ठंडा रहा, हैदराबाद के लगभग सभी हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा, विशेष रूप से उत्तरी और पूर्वी भागों में पीरजादीगुडा-मेदिपल्ली, नगरम, ईसीआईएल, नचाराम, उप्पल, वनस्थलीपुरम, एलबी नगर, ठुमकुंटा-शमीरपेट मुख्य सड़क और हैदराबाद के कोम्पल्ली राजमार्ग शामिल हैं। शुक्रवार को आदिबटला, इब्राहिमपट्टनम, पोचारम तथा पोचारम के आसपास के क्षेत्रों से लोगों ने घने कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता शून्य होने की रिपोर्ट दी है।

हैदराबाद के अनुभवी मौसम पूर्वानुमानकर्ता टी बालाजी, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने अल्पकालिक और दीर्घकालिक मौसम पूर्वानुमानों के लिए जाने जाते हैं, ने पोस्ट किया कि जब तक हैदराबाद और अन्य जगहों पर सर्दी का आखिरी चरण है, तब तक इसका आनंद लें। इस अवधि के बाद, हम फरवरी के पहले सप्ताह से ही तापमान (गर्मी) बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं।

डिवाइडर से ट्रक टकराया, चालक घायल होने से यातायात जाम

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार की सुबह लकड़ी का पुल जंक्शन पर एक भारी कंटेनर वाहन के नियंत्रण से बाहर हो जाने और सड़क के मध्य भाग से टकरा जाने के कारण चालक को मामूली चोटें आईं, लेकिन वह बच गया। यह घटना सुबह 4.30 बजे हुई जब कंटेनर ट्रक तेज गति से सनथनगर से मेहदीपटनम होते हुए कटेदान जा रहा था। जानकारी के अनुसार, कंटेनर ट्रक अखबार के बंडलों का परिवहन कर रहा था। लकड़ी का पुल पर मोड़ लेते समय चालक ने स्टीयरिंग पर से नियंत्रण खो दिया। घायल चालक को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटना के कारण व्यस्त मार्ग पर यातायात जाम हो गया। सूचना मिलने पर यातायात पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और भारी क्रेन की मदद से कंटेनर ट्रक को वहां से हटवाया तथा यातायात सुचारू कराया।

हादसे में बाल-बाल बचे मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी

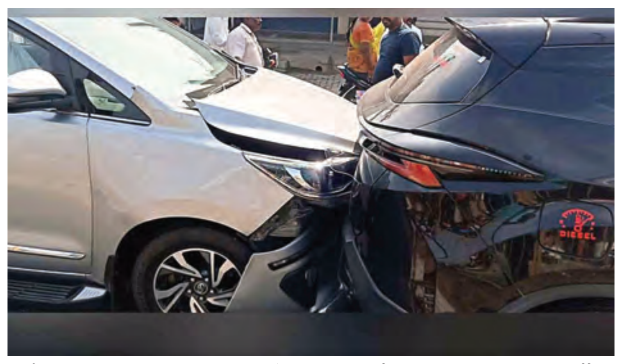

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी शुक्रवार सुबह सूर्यपेट जिले के गरिदेपल्ली गांव के पास हुए एक हादसे में बाल-बाल बच गए। मंत्री जी एक आधिकारिक कार्यक्रम के लिए जनपहाड़ दरगाह से हुजूरनगर जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। इस दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन काफिले में शामिल तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। रिपोर्ट के अनुसार काफिला आगे बढ़ रहा था, तभी काफिले की एक कार ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे दोनों गाड़ियां आपस में टकरा गईं। बाद में मंत्री क्षतिग्रस्त गाड़ियों को वहीं छोड़कर अपनी गाड़ी में आगे बढ़ गए।

कांग्रेस सरकार में व्यापक भ्रष्टाचार की शिकायतें

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायतें जारी हैं। नेताओं के बाद अब पूर्व सरपंचों ने भी कमीशन मांगें जाने की शिकायत की है और अपील की है कि इस तरह की अनियमितताओं में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। तेलंगाना सरपंचुला संगम संयुक्त कार्रवाई समिति ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई है कि राज्य वित्त आयोग आयुक्त कार्यालय के अधिकारी ठेकेदारों से कमीशन की मांग कर रहे हैं। एसीबी महानिदेशक को दिए गए ज्ञापन में संयुक्त कार्रवाई समिति ने कहा कि ठेकेदारों की शिकायत है कि वित्त विभाग के अधिकारी उनके लंबित बिलों के भुगतान के लिए 9 से 12 प्रतिशत कमीशन की मांग कर रहे हैं।

पहले से ही कुछ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने इसी तरह की अनियमितताओं की शिकायत की है। पिछले 12 महीनों से हमारे लंबित बिलों का भी भुगतान नहीं किया जा रहा है। एसडीएफ और माना ओरु माना बड़ी कार्यों के चेक तैयार किए गए थे, लेकिन एजेंसियों को नहीं सौंपे जा रहे थे। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, एसीबी को जांच करनी चाहिए और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करनी चाहिए, संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्यों ने अपील की।

डिपो में लगी आग, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार दोपहर को अत्तापुर के गुडीमलकापुर में एक लकड़ी के डिपो में आग लग गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार, अट्टापुर के पास पीवीएनआर एक्सप्रेसवे पिलर नंबर 111 पर स्थित लकड़ी डिपो गोदाम में आग लग गई। आग की लपटें तेजी से बगल में स्थित ऑटोमोबाइल मैकेनिक शेड तक फैल गईं, जिससे दोनों जगहें जलकर खाक हो गईं। स्थानीय निवासी भीषण आग की लपटें देखकर घबरा गए और उन्होंने अग्निशमन विभाग और स्थानीय पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर अट्टापुर पुलिस के साथ अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सबसे पहले मैकेनिक शेड में रखे गैस सिलेंडरों को बाहर निकाला, जिससे संभावित बड़ा हादसा टल गया। तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाई गई और स्थिति पर नियंत्रण पाया गया। पुलिस जांच कर रही है।

टिफिन सेंटर में लगी आग

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को बाचुपल्ली के निजामपेट इलाके में एक टिफिन सेंटर में आग लग गई। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि एलपीजी गैस रिसाव के कारण आग लगने का संदेह है। यह घटना उस समय हुई जब कुछ लोग रेस्टोरेंट के अंदर थे। कर्मचारियों ने आग और धुआं देखा और पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया, जिसके बाद दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। एलपीजी सिलेंडरों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इस घटना के कारण क्षेत्र में यातायात जाम हो गया। बचुपल्ली पुलिस जांच कर रही है।

ऑटोमोबाइल कार शोरूम में लगी आग

हैदराबाद, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात माधापुर में लगी आग में ऑटोमोबाइल शोरूम की ज़्यादातर कारें जलकर खाक हो गईं। रंगा रेड्डी के फायर सेफ्टी ऑफिसर करीम ने बताया कि रात करीब 10 बजे फायर स्टेशन पर एक संकट कॉल आया था। अग्निशमन अधिकारियों ने तुरंत एक दमकल गाड़ी शोरूम में भेजी। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि आग कहां से लगी? शोरूम में 15 से ज़्यादा कारें थीं, जिनमें से ज़्यादातर जलकर खाक हो गईं। प्लास्टिक, थर्मोकोल और कपड़े का सामान होने के कारण आग फैल गई और पूरा शोरूम जलकर खाक हो गया। अधिकारी ने बताया कि हमने सबसे पहले आग को शोरूम के चारों तरफ की दुकानों और होटलों तक फैलने से रोका। इसके बगल में एक और ऑटोमोबाइल शोरूम है। उन्होंने कहा कि हमने आस-पास के होटलों से 100 लोगों को निकाला है। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। यह स्पष्ट नहीं है कि कितनी संपत्ति का नुकसान हुआ है।

करीमनगर ग्राम सभा में गलत लाभार्थी सूची का विरोध

बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी ने जताई आपत्ति

करीमनगर, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लिए वास्तविक और पात्र लोगों का चयन नहीं करने के लिए अधिकारियों और राज्य सरकार पर मनमानी का आरोप लगाया। जम्मीकुंटा मंडल के सैदाबाद में एक ग्राम सभा में भाग लेते हुए, उन्होंने उन लोगों के साथ जमीन पर बैठकर अपना विरोध दर्ज कराया, जिनके नाम पात्रता सूची में नहीं थे।

विधायक ने कहा कि इंदिराम्मा आवास योजना की पात्रता सूची में भूमिहीन लोगों के नाम नहीं हैं। अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए भी कई पात्र लोगों का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर बीआरएस नेता लोगों की आवाज उठाते हैं और चुनावी वादों को पूरा करने के लिए सरकार पर दबाव बनाते हैं तो उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। ग्राम सभा में इतनी बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात करने की क्या जरूरत थी?

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार चुनावी वादों को लागू करे और वास्तविक पात्र लोगों को कल्याणकारी योजनाएं प्रदान करे। अधिकारियों ने विधायक द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का वादा किया। बाद में विधायक सभा से चले गए।

मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

इंदिराम्मा आवास योजना लाभार्थी सूची से नाम बाहर होने का किया विरोध

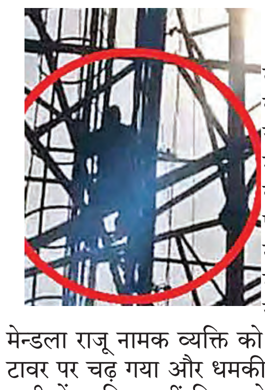

सिद्दीपेट, 24 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लाभार्थियों की सूची में विसंगतियों के कारण ग्राम सभाओं में लोगों का गुस्सा जारी है। दुब्बाक नगरपालिका के लाचपेट में एक ग्रामीण अपना नाम सूची में शामिल करने की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। शुक्रवार को आयोजित ग्राम सभा की बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा जारी की गई इंदिराम्मा आवास योजना के लाभार्थियों की सूची में जब मेन्डला राजू नामक व्यक्ति को अपना नाम नहीं मिला, तो वह मोबाइल टावर पर चढ़ गया और धमकी दी कि अगर अधिकारियों ने उसका नाम सूची में शामिल नहीं किया तो वह टावर से कूद जाएगा। उन्होंने जिला प्रभारी मंत्री कोंडा सुरेखा से भी आश्वासन मांगा। अधिकारियों और पुलिस ने फोन पर बात करके राजू को नीचे उतारने के लिए मनाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि कई अन्य लोगों के नाम भी सूची में पाए गए, जबकि वे अपात्र थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.